सेंसेक्स	82,186.81
निफ्टी	25,060.90
सोना	1,01,290
चांदी	1,18,000
डॉलर	86.33

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट
बुधवार 23 जुलाई 2025
श्रावण कृष्ण 13 विक्रम सम्वत 2082
वर्ष 16, अंक 298
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com
/padmeshmedia /padmeshmedia
epaper.balaghatexpress.in

खास खबर

ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले को मिलेंगे सात करोड़

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मुख्यमंत्री खेल प्रोत्साहन योजना के तहत ऐतिहासिक फैसला लिया है। दिल्ली के मंत्री आशीष सूद ने जानकारी दी है कि ओलंपिक में जीतने वाले विजेताओं को सरकार की ओर से कैश रिवॉर्ड को बढ़ा दिया गया है। प्रेस वार्ता में मंत्री आशीष सूद ने बताया कि ओलंपिक गेम्स में गोल्ड जीतने वाल खिलाड़ी को सात करोड़ रुपये, सिल्वर मेडल जीतने वालों को पांच करोड़ रुपये और ब्रॉन्ज मेडल जीतने वालों को तीन करोड़ रुपये दिए जाएंगे। आगे कहा कि ओलंपिक गेम्स में गोल्ड और सिल्वर मेडल जीतने वालों को ग्रुप ए की नौकरी और ब्रॉन्ज मेडलिस्ट को ग्रुप बी की नौकरी दिल्ली सरकार की ओर से दी जाएगी। जानकारी के लिए बता दें पहले दिल्ली सरकार की ओर से ओलंपिक और पैरा-ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाडि़यों को तीन करोड़, दो करोड़ और एक करोड़ रुपये दिए जाते थे। लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में प्रोत्साहन राशि को बढ़ा दिया गया है।

एयरपोर्ट पर पकड़ाया 28 किलो सोना

सूरत। गुजरात के सूरत इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सोने की एक बड़ी तस्करी की कोशिश को सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की विजिलेंस टीम ने दुबई से सूरत आई एयर इंडिया की फ्लाइट आईएक्स-174 से उतरे दो यात्रियों की संदिग्ध गतिविधि देखी तो उन्हें रोक लिया। उनके सामान और शरीर की जांच के बाद पेस्ट के रूप में लगभग 28 किलो सोना बरामद किया गया। सूरत एयरपोर्ट से मिली जानकारी के मुताबिक सूरत एयरपोर्ट पर पकड़ी गई ये सबसे बड़ी सोने की खेप है। आरोपी उस समय पकड़े गए जब रात करीब 10 बजे दुबई की फ्लाइट आई। सीआईएसएफ की विजिलेंस यूनिट हवाई अड्डे के इंटरनेशनल आगमन क्षेत्र में सुरक्षा जांच में जुटी थी। इसी दौरान इन दो यात्रियों के चलने का तरीका, बातचीत की शैली और सुरक्षा जांच से बचने की कोशिशों से अधिकारियों को शक हुआ।

लैंड करते ही एयर इंडिया की फ्लाइट के पिछले हिस्से में लगी आग सभी यात्री सुरक्षित

नई दिल्ली। हांगकांग से दिल्ली के इंदिरा गांधी हवाई अड्डे पर लैंड करते ही एयर इंडिया की फ्लाइट के पिछले हिस्से में आग लग गई। साथ ही सारे पैसेंजर्स और क्रू के सदस्य सुरक्षित उतर गए। एयर इंडिया की तरफ से इस पर आधिकारिक बयान जारी किया गया है। एयर इंडिया के अनुसार घटना डिसएंबार्किंग के दौरान हुई। इस बयान के अनुसार मंगलवार, 22 जुलाई को हांगकांग से दिल्ली आ रही फ्लाइट संख?या एआई 315 के गेट पर उतरने और खड़े होने के कुछ ही देर बाद उसमें ऑग्जिलरी पावर यूनिट (एपीयू) में आग लग गई।

मुंबई की हवा हुई साफ, प्रदूषण का स्तर 44 फीसदी घटा

मुंबई। मुंबई की वायु गुणवत्ता बढ़ती आबादी, वाहनों की भीड़ और दिन-प्रतिदिन बदलते मौसम के कारण प्रदूषित होती जा रही है। इसके कारण मुंबईवासियों को कई स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। हालांकि, अब एक नए सर्वेक्षण के अनुसार, यह बात सामने आई है कि मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है। दरअसल सरकारी आंकड़ों से पता चला है कि मुंबई की वायु गुणवत्ता के स्तर में सुधार हुआ है।

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का इस्तीफा मंजूर

संसद भी नहीं पहुंचे, विदाई समारोह में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ का मंगलवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस्तीफा मंजूर कर लिया। यह जानकारी राज्यसभा में पीठासीन घनश्याम तिवाड़ी ने दी। धनखड़ आज सदन की कार्यवाही में भी शामिल नहीं हुए। सुबह 11 बजे अपर सदन की कार्यवाही की शुरुआत उप सभापति सांसद हरिवंश ने की। इससे पहले खबर आई थी कि जगदीप इस्तीफा वापस नहीं लेंगे। ना ही विदाई समारोह में शामिल होंगे। उधर, पीएम मोदी ने कहा कि मैं उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं।

देश के 14वें उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने 21 जुलाई की रात अचानक अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। 74 साल के धनखड़ का कार्यकाल 10 अगस्त 2027 तक का था। उन्होंने 10 जुलाई को एक कार्यक्रम में कहा था कि ईश्वर की कृपा रही तो अगस्त, 2027 में रिटायर हो जाऊंगा।

जल्द होंगे नए चुनाव

अब उपराष्ट्रपति पद खाली होने के कारण नए चुनाव की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। चुनाव आयोग द्वारा जल्द ही शेड्यूल जारी किए जाने की संभावना है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार, अनुच्छेद 68 के तहत रिक्ति होने के छह महीने के भीतर चुनाव कराना जरूरी है। अब सभी की नजरें इस पर टिकी हुई हैं कि एनडीए और विपक्ष की ओर से नए उपराष्ट्रपति पद के लिए किस नाम पर मुहर लगाई जाती है।

उपराष्ट्रपति के इस्तीफे की 2 थ्योरी

पहली राष्ट्रपति को लिखे त्यागपत्र में धनखड़ ने पद छोडने की वजह स्वास्थ्य बताया था।

दूसरी- विपक्ष इस्तीफे पर सवाल कर रहा है। कह रहा है कि इसकी वजह कुछ और है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने मंगलवार को बताया कि 21 जुलाई को दोपहर 12:30 बजे श्री जगदीप धनखड़ ने राज्यसभा की कार्य मंत्रणा समिति की अध्यक्षता की। इस बैठक में सदन के नेता जेपी नड्डा और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू समेत ज्यादातर सदस्य मौजूद थे। थोड़ी देर की चर्चा के बाद तय हुआ कि समिति की अगली बैठक शाम 4:30 बजे फिर से होगी। शाम 4:30 बजे धनखड़ जी की अध्यक्षता में समिति के सदस्य दोबारा बैठक के लिए इकट्ठा हुए। सभी नड्डा और रिजिजू का इंतजार करते रहे, लेकिन वे नहीं आए। सबसे हैरानी की बात यह थी कि धनखड़ जी को व्यक्तिगत रूप से यह नहीं बताया गया कि दोनों मंत्री बैठक में नहीं आएंगे। स्वाभाविक रूप से उन्हें इस बात का बुरा लगा और उन्होंने कार्य मंत्रणा समिति की अगली बैठक आज दोपहर 1 बजे के लिए टाल दी। इससे साफ है कि सोमवार दोपहर 1 बजे से लेकर शाम 4:30 बजे के बीच जरूर कुछ गंभीर बात हुई है, जिसकी वजह से जेपी नड्डा और किरेन रिजिजू ने जानबूझकर शाम की बैठक में हिस्सा नहीं लिया।

राष्ट्रपति से मिले उपसभापति हरिवंश को मिल सकती है बड़ी जिम्मेदारी

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के अचानक स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफे के बाद राजधानी दिल्ली में सियासी हलचल तेज हो गई है। इसी बीच मंगलवार को राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश नारायण ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की, जिससे कई तरह के राजनीतिक कयास लगाए जा रहे हैं। मंगलवार को राष्ट्रपति भवन की ओर से एक तस्वीर जारी की गई जिसमें राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश राष्ट्रपति मुर्मू से मुलाकात करते नजर आए हैं। तस्वीर के साथ बतौर कैप्शन लिखा गया, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। नियमानुसार राज्यसभा में सभापति का पद खाली होने के बाद हरिवंश नारायण सिंह ने कार्यवाहक सभापति की जिम्मेदारी संभाल ली है। अब जब तक नए उपराष्ट्रपति का चुनाव नहीं हो जाता, वही सभापति की भी जिम्मेदारी निभाएंगे। इसके साथ ही हरिवंश को उपराष्ट्रपति पद के लिए भी मजबूत चेहरा माना जा रहा है। वो इसलिए भी क्योंकि वह जेडीयू की पृष्ठभूमि से आते हैं। इसके साथ ही उनके रिश्ते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बिहार की सीएम नीतीश कुमार से अच्छे हैं। ऐसे में इस बात से इनकार भी नहीं किया जा सकता कि वे उपराष्ट्रपति पद के दामदार उम्मीदवार हो सकते हैं। बहरहाल नियम के अनुसार चुनाव आयोग कभी भी उपराष्ट्रपति चुनाव का नोटिफिकेशन जारी कर सकता है। अब यदि चुनाव होता भी है तो एनडीए की स्थिति मजबूत है। इस चुनाव में राज्यसभा और लोकसभा के सांसद मतदान करते हैं। दोनों सदनों में कुल 786 सदस्य हैं। इस स्थिति में जीत के लिए कम से कम 394 मतों की आवश्यकता होगी।

संसद मानसून सत्र : विपक्ष का बिहार वोटर लिस्ट मुद्दे पर संसद में प्रदर्शन

सरकार का पलटवार, लोकसभा-राज्यसभा बुधवार तक के लिए स्थगित, हंगामे की भेंट चढ़ी संसद की कार्यवाही

नई दिल्ली। संसद के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को लोकसभा-राज्यसभा में भारी हंगामा हुआ। विपक्षी सांसदों ने पहलगाम हमला, ऑपरेशन सिंदूर जैसे मुद्दों पर पीएम नरेंद्र मोदी से जवाब देने को कहा और सदन में चर्चा की मांग की। विपक्ष ने बिहार में वोटर्स लिस्ट की जांच, स्पेशल इंटेसिव रिविजन पर भी जमकर विरोध किया। इसके कारण संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही 23 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा और राज्यसभा की बैठक बुधवार को सुबह 11 बजे फिर से होगी।

मंगलवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। विपक्ष के हंगामे के बीच लोकसभा की कार्यवाही दोबारा शुरू हुई,

लेकिन कुछ ही देर बाद दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव सहित कई नेताओं ने मकर द्वार पर संसद भवन की सीढि़यों पर खड़े होकर बिहार बिहार वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। विपक्ष इसे रोकने की मांग कर रहा है। इसी तरह, राज्यसभा में विपक्षी सांसदों ने बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर चर्चा की मांग करते हुए नारे लगाए। विपक्ष पर निशाना साधते हुए केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सरकार चर्चा के लिए तैयार है, लेकिन विपक्ष विरोध प्रदर्शन करके जनता का पैसा बर्बाद कर रहा है।

वोट की चोरी की कोशिश

संसद में मंगलवार को विपक्षी सांसदों ने जमकर विरोध किया। बिहार मतदाता सूची पुनरीक्षण के विरोध में विपक्ष के सांसदों ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सपा प्रमुख अखिलेश यादव के नेतृत्व में मकर द्वार पर प्रदर्शन किया। सांसदों ने कहा कि मतदाता सूची पुनरीक्षण के जरिये वोट की चोरी की कोशिश की जा रही है। यह चुनाव की चोरी के जैसा है। इस दौरान सांसदों ने एसआईआर- भारतीय अधिकारों की चोरी और एसआईआर- भारतीय गणराज्य को नुकसान पहुंचाना लिखी तख्तियां पकड़ी हुई थीं। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा समेत कांग्रेस, सपा, राजद, तृणमूल कांग्रेस, डीएमके, झामुमो समेत कई दलों के सांसदों ने इस विरोध प्रदर्शन में हिस्सा लिया। इससे पहले राज्यसभा नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की मौजूदगी में इंडिया ब्लॉक नेताओं की बैठक हुई। कांग्रेस महासचिव संगठन केसी वेणुगोपाल ने बताया कि बैठक के दौरान विपक्ष ने महत्वपूर्ण मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति पर जोर देने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि विपक्ष ने पहलगाम आतंकी हमला, ऑपरेशन सिंदूर, भारत-पाकिस्तान संघर्ष विराम पर डोनाल्ड ट्रंप के बयान, बिहार की एसआईआर प्रक्रिया, परिसीमन, दलितों, आदिवासियों, पिछड़े वर्गों और महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचार, एआई 171 विमान दुर्घटना और मणिपुर गृह युद्ध जैसे मुद्दों पर सवालों के जवाब देने के लिए सदन में मोदी की उपस्थिति पर दबाव बनाने का फैसला किया।

लोन के बदले रिश्वत मामले में चंदा कोचर दोषी करार

वीडियोकॉन ग्रुप को 300 करोड़ लोन अप्रूव करने के लिए 64 करोड़ रिश्वत ली थीं

नई दिल्ली। आईसीआईसीआई बैंक की पूर्व सीईओ चंदा कोचर को 64 करोड़ रुपए रिश्वत मामले में दिल्ली की एक ट्रिब्यूनल ने दोषी करार दिया है। चंदा पर वीडियोकॉन ग्रुप को 300 करोड़ रुपए का लोन अप्रूव करने के एवज में यह रिश्वत लेने का आरोप था। ट्रिब्यूनल ने कहा कि कोचर ने बैंक में अपने पद का दुरुपयोग किया और डिसक्लोजर नॉर्म्स का उल्लंघन किया। मामले की जांच करते हुए ईडी ने उनपर यह आरोप लगाया था। मामले की शुरुआत 2016 में हुई थी। ट्रिब्यूनल ने पाया कि वीडियोकॉन को लोन मिल जाने के एक दिन बाद रिश्वत का पैसा वीडियोकॉन की एक यूनिट एसईपीएल के खाते से कोचर के पति दीपक कोचर की एक कंपनी नूपावर रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड को दी गई थी। ट्रब्यूनल ने कहा कि कागजों पर नूपावर रिन्यूएबल्स प्राइवेट लिमिटेड का स्वामित्व वीडियोकॉन के चेयरमैन वेणुगोपाल धूत के पास दिखाया गया था, लेकिन इसका असल कंट्रोल दीपक कोचर के पास ही था। दीपक के मैनेजिंग डायरेक्टर भी थे। इसलिए अपीलकर्ताओं के आरोप सही हैं।

भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

कांवड़ मार्ग पर सभी होटलों को दिखाना होगा लाइसेंस

नई दिल्ली। भोजनालयों के लिए क्यूआर कोड मामले पर सुप्रीम कोर्ट से उत्तर प्रदेश सरकार को बड़ी राहत मिली है। कोर्ट ने क्यूआर कोड संबंधी आदेश पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने कांवड़ यात्रा मार्ग के सभी होटल मालिकों को लाइसेंस और पंजीकरण प्रमाण-पत्र प्रदर्शित करने का निर्देश दिया। सुप्रीम कोर्ट ने क्यू कोड अनिवार्य करने के मुद्दे पर कोई निर्देश नहीं दिया। अदालत ने कहा कि अभी क्यूआर कोड के मुद्दे पर विचार नहीं किया गया है और मुख्य याचिका पर सुनवाई के दौरान इस पर विचार किया जा सकता है। मुख्य याचिका अभी अदालत में लंबित है। सर्वोच्च न्यायालय उत्तर प्रदेश सरकार के उस निर्देश को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था, जिसमें उत्तर प्रदेश सरकार के उस आदेश को चुनौती दी गई, जिसमें सरकार ने कांवड़ मार्ग पर सभी खाने-पीने की दुकानों और भोजनालयों पर क्यूआर कोड स्टीकर प्रदर्शित करने और साथ ही दुकानों के बाहर बैनर लगाकर दुकान मालिक के नाम और पहचान को प्रदर्शित करने को कहा था। इन याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और उत्तराखंड सरकार से जवाब मांगा था। सरकार के आदेश के खिलाफ याचिकाएं शिक्षाविद अपूर्वानंद झा, एसोसिएशन फॉर प्रोटेक्शन ऑफ सिविल राइट्स, टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा और अन्य ने दायर की थीं।

इससे सांप्रदायिक हिंसा बढने का खतरा

याचिकाकर्ताओं का कहना है कि दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवडि़यों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है। उनके अनुसार, दुकानदारों के नाम प्रदर्शित करने के लिए कहना भेदभाव है और साथ ही यह कांवडि़यों के लिए संकेत है कि उन्हें किस दुकान को नजरअंदाज करना है।

ईडी ने राणा दग्गुबाती, विजय देवरकोंडा, प्रकाश राज को पूछताछ के लिए बुलाया

मुंबई। अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी से जुड़े एक हाई-प्रोफाइल मनी लॉन्ड्रिंग केस में नया मोड़ सामने आया है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने साउथ फिल्म इंडस्ट्री के कई दिग्गज कलाकारों को समन जारी कर पूछताछ के लिए बुलाया है। मामले में अभिनेता राणा दग्गुबाती, विजय देवरकोंडा, प्रकाश राज और लक्ष्मी मांचू जैसे कलाकारों के नाम सामने आए हैं। ईडी ने अभिनेता दग्गुबाती को 23 जुलाई, प्रकाश राज को 30 जुलाई, विजय देवरकोंडा को 6 अगस्त, और लक्ष्मी मांचू को 13 अगस्त को पूछताछ के लिए बुलाया है। सभी को ईडी के हैदराबाद कार्यालय में पेश होने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों के मुताबिक इन सभी कलाकारों से मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम कानून के तहत पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए जाएंगे।

दरअसल प्रवर्तन निदेशालय को संदेह है कि इन कलाकारों ने कुछ अवैध ऑनलाइन सट्टेबाजी प्लेटफॉर्म्स का प्रचार किया है, जिसमें प्रमुख नाम लोटस365, जीतविन, और जंगली रम्मी शामिल हैं। ये प्लेटफॉर्म कथित रूप से अवैध तरीके से पैसा इकट्ठा करते हैं और इनका सीधा संबंध ऑनलाइन जुआ से है।

ईडी को शक है कि इन सेलिब्रिटीज ने न केवल इन एप का प्रचार किया, बल्कि इसके बदले में मोटी रकम भी ली। हालांकि, अब तक ये स्पष्ट नहीं हुआ है कि प्रमोशन करने वाले सभी कलाकार इन एप की कार्यप्रणाली और कानूनी स्थिति से अवगत थे या नहीं।

इसरो और नासा का संयुक्त मिशन 'निसार' उपग्रह 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से लॉन्च होगा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) और नासा का संयुक्त मिशन 'निसार' उपग्रह 30 जुलाई को श्रीहरिकोटा से शाम 5 बजकर 40 मिनट पर लॉन्च होगा। 1.5 बिलियन डॉलर का यह मिशन पृथ्वी की सतह की निगरानी में मददगार होगा। निसार उपग्रह हर 12 दिन में पृथ्वी की भूमि और बर्फीली सतहों को स्कैन करेगा और प्राकृतिक आपदाओं की निगरानी में मदद करेगा। सोमवार को इसरो ने एक्स पर एक पोस्ट करके जानकारी दी कि नासा के साथ संयुक्त उपग्रह निसार का प्रक्षेपण करने के लिए तैयार हैं। 30 जुलाई, 2025 को भारतीय समयानुसार श्रीहरिकोटा से पहले संयुक्त पृथ्वी अवलोकन उपग्रह निसार का प्रक्षेपण किया जाएगा। उपग्रह निसार हर 12 दिनों में पूरे पृथ्वी को स्कैन करेगा और उच्च-रिजॉल्यूशन, सभी मौसमों और दिन-रात के आंकड़े प्रदान करेगा। यह पृथ्वी की सतह में सूक्ष्म परिवर्तनों का भी पता लगा सकता है। जैसे जमीन का विरूपण, बर्फ की चादर में बदलाव और वनस्पति की गतिशीलता। यह मिशन समुद्री बर्फ की निगरानी, जहाजों का पता लगाने, तूफान पर नजर रखने, मिट्टी की नमी में बदलाव, सतही जल मानचित्रण और आपदा प्रतिक्रिया सहित कई महत्वपूर्ण अनुप्रयोगों में सहायक होगा।

राष्ट्रपति के 14 सवालों पर विचार करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट के पांच जजों की पीठ मंगलवार को राष्ट्रपति द्वारा उठाए गए 14 सवालों पर विचार करने के लिए तैयार हो गई है। दरअसल राष्ट्रपति मुर्मू ने सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले पर ये सवाल उठाए थे, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने राष्ट्रपति और राज्यपालों को किसी विधेयक को मंजूरी देने की समयसीमा तय करने को कहा था। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस सूर्य कांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस ए एस चंदूरकर की सदस्यता वाली संविधान पीठ अगस्त के मध्य से इस पर सुनवाई शुरू करेगी।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने संविधान के अनुच्छेद 143 (1) के तहत मिली शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सवाल उठाए थे। संविधान का अनुच्छेद 143(1) राष्ट्रपति के सुप्रीम कोर्ट से विचार-विमर्श करने से संबंधित है। इसमें कहा गया है, यदि किसी भी समय राष्ट्रपति को ऐसा प्रतीत हो कि किसी कानून या तथ्य का लेकर कोई सवाल उठ रहा है, या उठ सकता है, जो सार्वजनिक महत्व का हो तो उस पर सर्वोच्च न्यायालय की राय ली जा सकती है। राष्ट्रपति उस सवाल को सर्वोच्च न्यायालय के पास भेज सकता हैं और न्यायालय, सुनवाई के बाद राष्ट्रपति को उस सवाल पर अपनी राय से अवगत करा सकता है।

चुनाव आयोग ने बिहार में एसआईआर को सही ठहराया

आधार, मतदाता और राशन कार्ड केवल पहचान के लिए मान्य

नई दिल्ली(ईएमएस)। बिहार में इस साल के अंत तक विधानसभा के चुनाव होने है। इसके लिए राज्यभर की राजनीति में गर्माहट तेज है। हालांकि गर्माहट का एक और बड़ा कारण चुनाव आयोग की तरफ से मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर-2025) के फैसले को लेकर भी है। जहां विपक्षी दल लगातार से चुनाव आयोग के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में मंगलवार को चुनाव आयोग ने बिहार में चल रहे एआईआर-2025 को लेकर उठ रहे सवालों पर सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दायर कर सफाई दी है।

अपने हलफनामें में चुनाव आयोग ने कहा कि यह प्रक्रिया चुनाव की पवित्रता बनाए रखने के लिए जरूरी है, क्योंकि इससे अयोग्य व्यक्तियों को मतदाता सूची से हटाया जाता है। आयोग ने बताया

कि एसआईआर-2025 के दौरान आधार कार्ड, वोटर कार्ड और राशन कार्ड जैसी पहचान से जुड़ी जानकारी का इस्तेमाल केवल पहचान स्थापित करने के लिए किया जा रहा है, नागरिकता या निवास प्रमाण के रूप में नहीं।

आधार से पहचान, नागरिकता नहीं

आयोग ने साफ किया कि आधार नंबर देना वैकल्पिक है और यह केवल पहचान के लिए लिया जा रहा है ना कि नागरिकता साबित करने के लिए। आधार अधिनियम, 2016 की धारा 9 के अनुसार, आधार नागरिकता का प्रमाण नहीं है। इसके साथ ही आयोग ने इस बात पर भी जोर दिया कि भारत का कोई भी नागरिक तभी वोट डाल सकता है जब वह 18 साल का हो और सामान्य रूप से उस क्षेत्र का निवासी हो। जो व्यक्ति इन योग्यताओं को पूरा नहीं करता, वह वोट का अधिकार नहीं रखता, इसलिए वह संविधान के अनुच्छेद 19 (स्वतंत्रता का अधिकार) और 21 (जीवन का अधिकार) के तहत कोई दावा नहीं कर सकता।

घर-घर जाकर फॉर्म भरवा रहे हैं बीएलओ

इसके साथ ही चुनाव आयोग ने बताया कि बिहार में 7.89 करोड़ मतदाताओं में से अब तक 7.11 करोड़ लोगों (90.12 प्रतिशत) के फॉर्म भरवा लिए गए हैं। इस प्रक्रिया में बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर जाकर पूर्व भरे हुए फॉर्म मतदाताओं को दे रहे हैं। आयोग ने कहा कि 94.68त्न मतदाता प्रक्रिया में शामिल हो चुके हैं। सिर्फ 0.01त्न लोग ऐसे हैं जिन्हें कई बार प्रयास के बाद भी नहीं पाया गया। अंत में चुनाव आयोग ने बताया कि 25 जुलाई 2025 तक शेष 5.2 प्रतिशत मतदाताओं से फॉर्म भरवाने का काम पूरा कर लिया जाएगा।

जनसुनवाई में कलेक्टर के समक्ष 90 आवेदक अपनी समस्या लेकर पहुँचे

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रत्येक मंगलवार को होने वाली जनसुनवाई की कड़ी में 22 जुलाई को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। कलेक्टर मृणाल मीना की अध्यक्षता में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ एवं अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे ने अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ आवेदकों की समस्याओं को सुना और संबंधित विभाग को उनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई में 90 आवेदक अपनी समस्या लेकर आए थे।

पंचायत कर्मियों को सम्मानजनक वेतन मिले

जनसुनवाई में ग्राम पंचायत कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष बद्री प्रसाद डहारे जिले की समस्त ग्राम पंचायतों में कार्यरत सभी कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतन देने की मांग को लेकर पहुँचे थे। उनका कहना था कि जिले की ग्राम पंचायत में कार्यरत कर्मचारी, भृत्य, पंप ऑपरेटर एवं सफाई कर्मचारियों को पिछले 10 से 15 वर्षों से लगातार कार्य करने के बाद भी संतोषजनक वेतन नहीं दिया जा रहा रहा। इस पर कलेक्टर श्री मीना श्रम अधिकारी को इसकी जाँच कर आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये हैं।

विकलांग पुत्री के लिए आर्थिक सहायता की मांग

बालाघाट तहसील के ग्राम छोटी कुम्हारी के जुहारी लाल पिछोड़े शिकायत लेकर आये थे उनकी मानसिक रूप से विकलांग पुत्री महिमा का 18 वर्ष की उम्र मे 16 सितम्बर 2023 को निधन हो गया है उसका संबल योजना में कार्ड बना हुआ है। उसके द्वारा ग्राम पंचायत में आर्थिक सहायता के लिए आवेदन दिया गया, लेकिन ग्राम पंचायत द्वारा उसे अब तक कोई सहायता राशि प्रदान नहीं की गई है। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रकरण की जांच कार्यवाही करने के निर्देश दिये है।

जाति प्रमाण पत्र के लिए चक्कर लगाने पड़ रहे

जनसुनवाई में जनपद पंचायत बालाघाट की सदस्य अंगूरी मड़ावी लामता क्षेत्र के ग्रामों के स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने से उन्हें शासन की योजनाओं का लाभ नहींमिलने की शिकायत लेकर आयी थी। जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए छात्र-छात्राओं को पटवारी, राजस्व निरीक्षक एवं तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं। अत: स्कूलों के माध्यम से शिविर लगाकर छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र तैयार किये जायें। इस पर कलेक्टर श्री मीना ने लामता तहसीलदार को छात्र-छात्राओं के जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने इसके लिए शिविर लगाने के निर्देश भी दिये।

पुत्र की आंखो की सर्जरी की मदद की गुहार

जनसुनवाई में किरनापुर तहसील के ग्राम सुसवा का श्रीराम पांचे अपने पुत्र की आंखों की सर्जरी के लिए मदद की गुहार लेकर आया था। श्रीराम का कहना था कि उसका पुत्र वेदांश एक माह की आयु का है।जिला चिकित्सालय बालाघाट के नेत्र रोग विशेषज्ञ द्वारा बच्चे की आंखों में नेत्र रोग होने के कारण सर्जरी कराने कहा गया था। आरबीएसके योजना के अंतर्गत उसके पुत्र की आंखों का निःशुल्क आपरेशन हो गया है। लेकिन फालोअप में जाने पर बताया गया है कि वेदांश की आंखों की रेटीना की सर्जरी कराना होगा, जिसका खर्च 50 हजार रुपये है। यह आपरेशन आरबीएसके योजना में शामिल नहीं है अत: उसे पुत्र के ईलाज के लिए आर्थिक सहायता प्रदान की जाये। इस प्रकरण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

गोंगलई से नैतरा सड़क निर्माण मे गड़बड़ी

जनसुनवाई में ग्राम गोंगलई का बिसराम दमाहे शिकायत लेकर आया था कि ग्राम पंचायत द्वारा गोंगलई से नैतरा तक 14 लाख 69 हजार रुपये की लागत से सुदूर सड़क का निर्माण किया गया है। इस सड़क के निर्माण में भारी गड़बड़ी की गई है और फर्जी बिल लगाकर राशि का आहरण किया गया है। अत: इसकी जांच कर दोषी व्यक्तियों पर कार्यवाही की जाये। इस पर जनपद पंचायत बालाघाट के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

आवास की राशि मे हेराफेरी

बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत नगरवाड़ा का चमनलाल रहांगडाले शिकायत लेकर आया था कि उसे प्रधानमंत्री आवास योजना में आवास स्वीकृत किया गया है। उसे आवास निर्माण के लिए तीन किश्तों में 01 लाख 05 हजार रुपये की राशि प्राप्त हो चुकी है। लेकिन आवास की शेष राशि अब तक प्राप्त नहीं हुई है। उसके द्वारा सीएम हेल्पलाईन में शिकायत की गई है, लेकिन ग्राम पंचायत के सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक द्वारा उस पर शिकायत वापस लेने के लिए दबाव डाला जा रहा है। पंचायत समन्वय अधिकारी द्वारा कहा जा रहा है कि उसकी आवास की शेष राशि मनरेगा के मजदूरों के खाते में जमा करा दी गई है। इस प्रकरण में जिला पंचायत की आवास शाखा को जांच करने के निर्देश दिये गये है।

वनपाल नें की निलम्बन रद्द करने की मांग

जनसुनवाई में निलंबित कार्यवाहक वनपाल गुलाबसिंह उईके शिकायत लेकर आये थे कि 03 मई 2025 को वन परिक्षेत्र कटंगी के अंतर्गत कुड़वा में एक व्यक्ति को बाघ द्वारा मार कर खा लिया गया था। इस घटना के बाद उसे निलंबित कर दिया गया है। जबकि अन्य कर्मचारियों पर कोई कार्यवाही नहीं की गई है। अत: उसे निलंबन से तत्काल बहाल किया जाये। इस प्रकरण में वनमंडलाधिकारी को प्रकरण की जांच कर कार्यवाही करने कहा गया है।

प्रभावित व्यापारियों ने सरकारी काँम्पलेंक्स में दुकाने आवंटित करने कहा

बालाघाट में भटेरा रोड पर बनने वाले रेल्वे ओव्हर ब्रिज एवं अंडर ब्रिज के लिए जिन भूस्वामियों की जमीन अधिग्रहित की जाना है, वे मांग लेकर आये थे कि उन्हें नगरीय क्षेत्र बालाघाट में इतवारी बाजार कृषि उपज मंडी में बने एवं नगर पालिका एवं जनपद पंचायत के बने शापिंग काम्लेहेक्स में विशेष आरक्षण पर दुकान आबंटित की जायें। जिसका उचित प्रीमियम उनके द्वारा भरा जायेगा। इन भूमि स्वामियों का कहना था कि ओव्हर ब्रिज एवं अंडर ब्रिज बनने में काफी समय लग जायेगा। जिसके कारण उन्हें काफी नुकसान होगा और उन्हें आर्थिक समस्या का सामना करना पड़ेगा। अत- उन्हें बालाघाट नगर में स्थित शापिंग काम्पलेक्स प्राथमिकता से आबंटित कर दिये जायें। इस पर एसडीएम बालाघाट एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी को प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार कार्यवाही करने कहा गया है।

व्यापारी धान के रूपये नही गाली देता है

जनसुनवाई में लांजी निवासी कुणाल ढोके शिकायत लेकर आया था कि उसके द्वारा गत वर्ष खरीफ सीजन में 32 क्विंटल धान व्यापारी अशोक धनवले को बेचा गया था। जिसकी राशि 52 हजार 700 रुपये होती है। व्यापारी द्वारा उसे मात्र 06 हजार रुपये की राशि दी गई और शेष राशि का भुगतान नहीं किया जा रहा है। व्यापारी से धान के रुपये मांगने पर वह गाली गलौच करता है और धमकाता है। अत: उसे धान की बकाया राशि शीघ्र दिलायी जाये। इस पर मंडी सचिव बालाघाट को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये है।

समग्र आईडी बहाल करने की मांग

वार्ड क्रमांक-32 नर्मदा नगर बालाघाट की माया रजक शिकायत लेकर आयी थी कि वार्ड प्रभारी द्वारा उसकी समग्र आईडी निरस्त किये जाने से उसे लाडली बहना योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। अत: उसकी समग्र आईडी बहाल कर उसे लाडली बहना योजना का लाभ दिलाया जाये। इस प्रकरण में महिला एवं बाल विकास विभाग की जिला कार्यक्रम अधिकारी को आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये गये हैं।

अतिक्रमण के खिलाफ कार्यवाही नही हो रही

वार्ड न.07 बैहर चौकी निवासी निलेश कोरे ने वार्ड की सार्वजनिक गली में अतिक्रमण हटाने को लेकर जनसुनवाई में पहुंचे। निलेश ने बताया कि मेरे मकान के पश्चिम दिशा में संतोष पिता मुन्नालाल सोनी का मकान है सार्वजनिक गली है जिस पर लोहे का गेट, शौचालय का सेफ्टी टैंक, व मकान का कॉलम और छत का निर्माण किया गया है जो अतिक्रमण की श्रेणी में आता है। जिसको लेकर मेरे द्वारा पहले नगर पालिका सीएमओ को अतिक्रमण हटाने के लिए आवेदन दिया गया है लेकिन अब तक उस पर कोई कार्रवाई नहीं हुई है। कलेक्टर श्री मीना ने नगर पालिका सीएमओ को अतिक्रमण की जांच करने के निर्देश दिए हैं।

सरकार ताजुद्दीन औलिया के 103 वे उर्स पर रोजाना हो रहे विभिन्न कार्यक्रम

शादी हाल में लंगर ए आम के बाद कव्वाली का आयोजन, तो नपा के सामने दरबार मे देर रात तक चला लंगर ए आम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहंशाह ए नागपुर, सरकार बाबा ताजुद्दीन औलिया का उर्स मुबारक केवल देश ही नही बल्कि दुनिया के तमाम मुल्कों में उनके अकीदतमंदों द्वारा हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है।जो हर साल की तरह इस साल भी धूमधाम के साथ मनाया जा रहा है।जिसके तहत रोजाना ही विभिन्न कार्यक्रमो के आयोजन किए जा रहे है।जिसकी धूम बालाघाट जिले में भी देखी जा रही है। इसी कड़ी में सरकार ताजुद्दीन औलिया की 26 वी मुबारक पर जिला मुख्यालय सहित अन्य तहसील व ग्रामीण अंचलों में विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए गए। जहां सरकार बाबा ताजुद्दीन औलिया के 103 वे उर्स मुबारक पर हर साल की तरह इस साल भी नगर के बैहर रोड़ स्थित अंजुमन शादी हाल में अकीदतमंदों की जानिब से लंगर ए आम का आयोजन किया गया।तो वही लंगर के बाद अजीमो शान कव्वाली का आयोजन किया गया।जहां नागपुर ताजबाग से आए कव्वाल ताजी ने सरकार बाबा ताजुद्दीन औलिया की शान में एक से बढ़कर एक कव्वाली के नजराने पेश किए।जो भोर सुबहा तक चले।जहां आयोजित इस लंगर ए आम और शमा महफिल कव्वाली के कार्यक्रम में ना सिर्फ मुस्लिम समाज बल्कि सर्व धर्म व समाज के लोगो ने बढ़चढ़ हिस्सा लिया।जो कव्वाल द्वारा पेश किए गए शुफी कलामों में झूमते नजर आए।

उधर नपा के समाने मनाया गया जश्न, लुटाया गया लंगर

उधर शहंशाह ए नागपुर, सरकार बाबा ताजुद्दीन औलिया के 103 वे उर्स मुबारक हर साल की तरह इस साल भी नगर के बस स्टैंड नगर पालिका गेट के सामने दरबार मे बाबा के अकीदतमंदों और ऑटो रिक्शा चालक संघ द्वारा शहनाई व ढोल की थाप पर ताजुद्दीन बाबा की शान में कसीदे गाए गए तो वही मंगलवार देर शाम लंगर ए आम का आयोजन किया गया।जिसका स्थानीय लोगो व आम राहगीरों ने जमकर लुत्फ उठाया।अकीदतमंदों और ऑटो रिक्शा चालक संघ की जानिब से उर्स मुबारक पर आयोजित यह कार्यक्रम शाम 7 बजे से देर रात तक चलता रहा। जहा देर रात्रि कार्यक्रम का समापन किया गया।बताया जा रहा है कि बुधवार को इसी आस्ताने से ताजबाग नागपुर के लिए चादर भेजी जाएगी।जहा बाबा ताजुद्दीन की दरगाह में चादर व अकीदत के फूल पेश कर, अमनो अमान की दुवाए मांगी जाएगी।

कौमी एकता का दिया जाता है संदेश - पदाधिकारी

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान ऑटो रिक्शा चालक संघ पदाधिकारियों द्वारा बताया गया कि वे न सिर्फ बाबा ताजुद्दीन का उर्स मुबारक हर्षोल्लास के साथ मनाते है,बल्कि उनकी यौमे पैदाईश पर भी विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। तो वही नाग पंचमी पर भी सर्वधर्म सामान की भावना को ध्यान में रखते हुए ऑटो रिक्शा चालक संघ द्वारा नाग पंचमी का पर्व भी हर्षोल्लास के साथ मनाकर विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाते हैं। जहां इन कार्यक्रमों के माध्यम से कौमी एकता का संदेश दिया जाता है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 84 भा.ना.सु.सं)

मैं समक्ष परिवार किया गया है कि **दिलिप पन्द्रे पिता नंदलाल पंन्द्रे, उम्र 37 साल, जाति गोंड, निवासी ग्राम मोहगांव, थाना चांगोटोला, जिला बालाघाट** ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 103 (1) अधीन दण्डनीय का अपराध किया है और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी वारंट को इस टीप के साथ लौटा दिया गया है कि उक्त **दिलिप पंद्रे पिता नंदलाल पंन्द्रे, उम्र 37 साल, जाति गोंड, निवासी ग्राम मोहगांव, थाना चांगोटोला, जिला बालाघाट** मिल नहीं रहा है। मुझे समाधानप्रद रुप में यह दर्शित हो रहा है कि उक्त **दिलिप पन्द्रे पिता नंदलाल पन्द्रे, उम्र 37 साल, जाति गोंड, निवासी ग्राम मोहगांव, थाना चांगोटोला, जिला बालाघाट** फरार हो गया है या उक्त वांरटी की तामिल से बचने के लिये अपने आपको छिपा रहा है।

इसलिये न्यायालय द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि थाना चांगोटोला के अपराध क्रमांक 04/25 धारा 103(1) भा.न्या.सं. के आरोपी/संदेही **दिलिप पन्द्रे पिता नंदलाल पन्द्रे, उम्र 37 साल, जाति गोंड, निवासी ग्राम मोहगांव, थाना चांगोटोला, जिला बालाघाट** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष अथवा थाना प्रभारी चांगोटोला के द्वारा उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिये न्यायालय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बालाघाट में तारीख 17.08.2025 को हाजिर हो।

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने केन्द्रीय रेल मंत्री से की भेंट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने संसद के मॉनसून सत्र के दौरान 22 जुलाई को केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से भेंट कर उन्हें अपने संसदीय क्षेत्र में रेल सेवाओं के विस्तर के लिए मांग पत्र सौंपा। रेल मंत्री श्री वैष्णव ने सांसद श्रीमती पारधी को आश्वस्त किया कि उनके प्रस्तावों पर गंभीरता पूर्वक विचार किया

जायेगा और इन्हें शीघ्र पूर्ण करने का प्रयास किया जायेगा। सांसद श्रीमती पारधी ने रेल मंत्री श्री वैष्णव को बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र को बीते एक वर्ष में अनेकों रेल सौगात देने के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। इसके साथ ही उन्होंने क्षेत्र की जनता द्वारा की जा रही विभिन्न मांगों को शीघ्रता से पूर्ण करने के लिए एक मांग भी उन्हें सौंपा। जिनमें जबलपुर-रायपुर के मध्य प्रस्तावित इंटरसिटी ट्रैन को तुरंत शुरू करने के साथ ही इस ट्रैन का प्रायोगिक स्टॉपेज लामता तथा हट्टा में किये जाने, गाड़ी संख्या 22173/22174 जबलपुर चांदाफोर्ट इंटरसिटी एक्सप्रेस का स्टॉपेज लामता स्टेशन में किया जाने एवं गाड़ी संख्या 19343/19344 पेंचवेली एक्सप्रेस तथा 20423/20424 पातालकोट एक्सप्रेस का विस्तार वाया बालाघाट स्टेशन गोंदिया तक करने की मांग की गई है। इन सभी मांगों पर रेल मंत्री श्री वैष्णव ने गंभीरता पूर्वक विचार करने और इन्हें शीघ्र पूर्ण करने का आश्वासन दिया है।

नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ करने के आरोप में सौरभ को 2 वर्ष की सश्रम कारावास 2 हजार रुपये अर्थदंड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत में एक नाबालिक लड़की से छेड़छाड़ करने के मामले में आरोपी सौरभ पिता कपूर वराडे 21 वर्ष ग्राम कटंगी थाना किरनापुर निवासी को 2 वर्ष का सश्रम कारावास और 2 हजार रुपए अर्थदंड से दंडित किया। इस मामले की पैरवी जिला लोक अभियोजन अधिकारी कपिल कुमार डेहरिया के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक श्रीमती आरती कपले द्वारा की गई थी। अभियोजन के अनुसार यह लड़की कक्षा 12वीं की पढ़ाई करती थी। 24 फरवरी 2023 की शाम 5:00 बजे यह लड़की अपनी साइकिल मैं स्कूल से अपने घर वापस आ रही थी। तभी उसके गांव का सौरभ वराडे भी मोटरसाइकिल से उसके पीछे-पीछे आने लगा और बायपास रोड सिंघाडी नाला के पास सुनसान जगह पर उसने रास्ता रोककर बुरी नीयत से लड़की का बाया हाथ पकड़ लिया और अश्लील गालियां देते हुए उसे शादी नहीं करने पर जान से खत्म करने की धमकी देते हुए डंडे से मारपीट किया। लड़की जैसे तैसे अपने आप को छुड़ाकर अपनी साइकिल से जाने लगी तो पीछे से सौरभ वराडे मोटरसाइकिल आया और फिर उसे डंडे से मारपीट किया। जैसे तैसे यह लड़की घर पहुंची और संपूर्ण घटना परिजनों को बताई और अपनी मां के साथ किरनापुर थाना पहुंचकर रिपोर्ट की थी। इस लड़की द्वारा की गई रिपोर्ट पर सौरभ वराडे के विरुद्ध की धारा 354,354घ,341,294,323,506 और धारा 7 /8/11/12 लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया था और इस अपराध में सौरभ वराडे को गिरफ्तार किया गया। संपूर्ण अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश कियाथा। यह मामला हाल ही में लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की विशेष न्यायाधीश गौतम सिह मरकाम की अदालत में चला। विद्वान अदालत ने विचारण उपरांत प्रकरण में आई सकारात्मक साक्ष्य के आधार पर आरोपी सौरभ वराडे ग्राम कटंगी निवासी को धारा 11/12 लैंगिक अपराधों से बालों का संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध में 2 वर्ष की सश्रम कारावास और 500 रूपये अर्थदंड, धारा 354 भादवि के तहत अपराध में 2 वर्ष के सश्रम कारावास और 500 रूपये अर्थदंड, धारा 354 डी भादवि के तहत अपराध में 2 वर्ष की सश्रम कारावास और 500 अर्थदंड, धारा 341 भादवि के तहत अपराध में 500 अर्थदंड से दंडित किये।

आवश्यकता है

ऑफिस कार्य के लिये कर्मचारी की आवश्यकता है

कम्प्यूटर ज्ञान आवश्यक है

वेतनमान-योग्यतानुसार
वारासिवनी के आसपास के ही सम्पर्क करें
पता-श्री फाइनेंस वारासिवनी
मों.नं. 9329595770

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लांजी, जिला-बालाघाट

रा0प्र0क0/ /अ-6 अ/2025-26
मौजा-सुलसुली, प0ह0न0 68
तहसील-लांजी, जिला-बालाघाट

आवेदक- किसनलाल पिता पुनाराम रंधाये जाति निवासी ग्राम सुलसुली तहसील लांजी जिला बालाघाट (म0प्र0)

विरूद्ध

अनावेदक- उरकुडिया पिता बुधराम निवासी बालाघाट तहसील बालाघाट जिला बालाघाट (म0प्र0)

बुधराम पिता बुधराम निवासी बालाघाट तहसील बालाघाट जिला बालाघाट (म0प्र0)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उपरोक्त विषयान्तर्गत आवेदक किसनलाल पिता पुनाराम रंधाये जाति निवासी ग्राम सुलसुली प0ह0नं0 68 रा0नि0म0 लांजी तहसील लांजी जिला बालाघाट के द्वारा ग्राम सुलसुली तहसील लांजी जिला बालाघाट स्थित भूमि खसरा नंबर 2/2/1 रकबा 0.219 हे0 भूमि आवेदक को संशोधन पंजी कमांक 33 आदेश दिनांक 16.01.1999 के तहत बटवारे में प्राप्त हुई थी। किन्तु वर्ष 2017-18 में लिपीकीय त्रुटिवश आवेदित भूमि अन्य व्यक्तियों के नाम पर दर्ज हो गयी है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि का रिकार्ड दुरूस्त किये जाने हेतु म0प्र0भू0रा0 संहिता की धारा 115 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में न्यायालय में पेशी दिनांक 13.08.2025 दिन बुधवार को समय 11:00 बजे नियत की गयी है।

अत: उपरोक्त आवेदन पत्र के सम्बंध अनावेदक उरकुडिया पिता बुधराम निवासी बालाघाट तहसील व जिला बालाघाट या अन्य संबंधित हितबद्ध पक्षकार को समाचार पत्र के माध्यम से अवगत कराया जाता है कि न्यायालय में उपस्थित होकर न्यायालयीन प्रक्रिया के तहत जवाब रखे। अनावेदकगणों के उपस्थित ना होने की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी, एवं खसरा नम्बर 2/2/1 रकबा 0.219 हे0 भूमि से अनावेदक उरकुडिया पिता बुधराम निवासी बालाघाट एवं बुधराम पिता बुधराम निवासी बालाघाट का नाम विलोपित कर आवेदक का नाम दर्ज कर दिया जावेगा। नियत अवधि बाद प्राप्त दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 18.07.2025 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सीलमुद्रा से जारी किया गया।

अनुविभागीय अधिकारी,
(राजस्व, लॉजी)

रेवेन्यु रिकॉर्ड के आधार पर नहीं कमर्शियल आधार पर दिया जाए मुआवजा

भटेरा आरओबी भू-अर्जन के मुआवजे पर रहवासियों ने जताई नाराजगी

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। भटेरा रेलवे ओवर ब्रिज निर्माण को लेकर नए नए अड़ंगे सामने आ रहे हैं। जहां पहले तो स्थानीय लोगो मे ओवरब्रिज निर्माण को लेकर किए गए नापजोख में काफी नाराजगी देखी गई। तो अब भू अर्जन को लेकर दिए जा रहे मुआवजे को लेकर भी लोग नाराज हैं। जिन्होंने रेवेन्यू रिकॉर्ड के आधार पर दिए जा रहे मुआवजे को लेने से इंकार करते हुए, उन्हें कमर्शियल के आधार पर मुआवजा दिए जाने की मांग की है। जहां उन्होंने अपनी इस मांग को लेकर मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है। जिस पर उन्होंने हो रहे नुकसान से बचाने और कमर्शियल के आधार पर उनके निर्माण कार्यों का बढाकर मुआवजा दिए जाने की गुहार लगाई है।

क्या है पूरा मामला

ज्ञात हो कि नगर में भटेरा मार्ग पर बनने वाले 38 करोड़ के रेलवे ओवरब्रिज का काम अक्टूबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है। 1313 मीटर लंबे और लगभग 8.4 मीटर चौड़े, इस रेलवे ओवरब्रिज पर रेलवे लाईन पर बनाए जाने वाले ब्रिज को छोड़कर, राज्य सरकार की सेतु एजेंसी को 38 करोड़ रूपए की लागत से 42 पिल्लर बनाना है, जिसमें अब तक केवल 8 पिल्लर ही बन पाए है। वहीं अन्य कार्य के लिए भी आए दिनों नए-नए अड़ेगे देखे जा रहे हैं।अब ओवरब्रिज के लंबाई क्षेत्र में आने वाले रेसिडेंटल और कमर्शियल भूमि वालो ने भू-अर्जन के तय किए गए मुआवजे को अपर्याप्त बताते हुए इसका विरोध शुरू कर दिया है। जिन्होंने शासन से दिए जाने वाले इस मुआवजे को काफी काम बताते हुए, बढाकर मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

मार्ग कमर्शिलय घोषित है तो फिर रेवेन्यु के आधार पर मुआवजा क्यो

चर्चा के दौरान स्थानीय रहवासियो ने बताया कि भटेरा रेलवे ओवरब्रिज के मार्ग पर रहवासी मकानों के अलावा व्यवसायिक प्रतिष्ठान है। बालाघाट विकास योजना में इस मार्ग को कमर्शिलय घोषित किया है तो फिर रेवेन्यु आधार पर मुआवजा क्यो?, कमर्शियल आधार पर मुआवजा प्रदान करना चाहिए।उन्होंने बताया कि रेसिडेंटल आधार पर रिक्त भूमि का 11, 400 रूपए वर्गफीट राशि तय की गई है। जबकि कमर्शियल में, रेट इससे ज्यादा है, जिसके कारण, हमें लगता है कि भू-अर्जन के बाद दिया जाने वाला मुआवजा काफी कम है।

45,000 वर्ग मीटर के हिसाब से दिया जाए मुआवजा -मुकेश गुप्ता

ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय रहवासी मुकेश गुप्ता ने बताया कि ओवरब्रिज निर्माण में भूमि अधिग्रहण का मुआवजा काफी कम मिल रहा है जो बढ़ाया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि ब्रिज ,सर्विस रोड, नाली, विद्युत पोल के लिए पहले 62 फुट से अधिक भूमि का अधिकरण किया जाना था। जिसको लेकर अधिसूचना भी जारी हुई थी। हमने ज्ञापन के माध्यम से सलाह दी है कि यह कार्य 50 फुट में भी हो सकता है। इस 50 फुट में 28 फुट की रोड ऊपर ब्रिज पर मिलेगी। एक-एक मीटर के जो पिलर है उन्हें हटा देते हैं तो दोनों तरफ 7-7 मीटर की सर्विस रोड आसानी से बन जाएगी। वही नालियों को महानगरों की तर्ज पर अंडरग्राउंड करना चाहिए। तो इस समस्या का समाधान निकल जाएगा। क्योंकि नालियां खुली रहेगी तो उसमें कचरा जाएगा, लोग दुकानों में आने जाने के लिए पत्थर लगाएंगे इस पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे बताया कि यह मार्ग कमर्शियल में आता है जिसका वर्तमान रेट 22, 500रु चल रहा है। हमारी मांग है कि इस हिसाब से हमें दुगना मुआवजा करीब 45,000 रुपए प्रति वर्ग मीटर के हिसाब से दिया जाना चाहिए।

कम से कम इतना मुआवजा दे कि हम घर बना सके- कन्हैया राउत

स्थानीय रहिवासी कन्हैया राउत ने बताया की आरओबी निर्माण में उनका घर आ रहा है। पहले वहां पर सड़क नहीं थी, सिर्फ गड़ादान था जो बाद में पीडब्ल्यूडी में चली गई। उस समय भी हमारे पिता को मुआवजा नहीं मिला था।अब ओवरब्रिज में हमारा घर टूट रहा है। हम चाहते हैं कि जब यह रोड पीडब्ल्यूडी में गई थी तब से लेकर अब तक का मुआवजा दिया जाए। वही वर्तमान में बहुत कम मुआवजा दे रहे हैं। इससे हमारी लागत भी नहीं निकल रही है। कम से कम इतना मुआवजा देना चाहिए कि हम नया घर बना सके।

सांप के काटने से एक महिला की जिला अस्पताल में उपचार के दौरान मौत

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रूपझर थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम कावेली में बीती रात इसी ग्राम की एक महिला बिनीता पति सुमरसिंह टेकाम 40 वर्ष को जहरीले सांप ने काट दिया। गांव में झाड़ फूंक और सर्पिबारी इलाज के बाद इस महिला को जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस ने इस महिला का शव पोस्टमार्टम करवा कर उसके सभी जनों को सौंप दिया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम कावेली निवासी बिनीता टेकाम अपने पति सुमर सिंह टेकाम के साथ खेती किसानी करती थी। जिसके परिवार में दो बच्चे हैं जिनमें बेटा 10 वर्ष का और बेटी 15 वर्ष की है। 21 जुलाई की रात्रि में रात्रि बिनीता अपने परिवार के साथ खाना खाकर अपने घर के अंदर नीचे सो रही थी। 12 बजे करीब बिनीता के दाहिने कान के पास जहरीले डांडेकर सांप ने काट दिया। सांप के काटने के संबंध में बिनीता ने अपने पति सुमरसिह को बताई की सांप ने कान में काट दिया है ।रात्रि में गांव में ही बिनीता का सर्पिबारी और झाड़-पक से इलाज करवाया गया। जिसके बाद सुबह 9:00 बजे वबिनीता को उसके पति सुमनसिंह टेकाम और भाई सुखदेव मर्सकोले ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल लाकर भर्ती किये। जहां उपचार के दौरान 3:00 बजे करीब बिनीता की जिला अस्पताल में ही उपचार के दौरान मौत हो गई। जिला अस्पताल पुलिस चौकी के प्रधान आरक्षक महेंद्र मर्सकोले ने मृतिका बिनीता के शव का पंचनामा कार्यवाही कर पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सौंप दिए और धारा 194 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के तहत मर्ग कायम कर मर्ग डायरी अग्रिम कार्यवाही हेतु घटनास्थल से संबंधित पुलिस थाना रूपझर भिजवा दी है।

लोकल यूथ सर्वेयर संघ ने सौंपा ज्ञापन

पूर्ण वेतन के भुगतान की लगाई गुहार, कहा नही हो रही सुनवाई, दी चेतावनी, कहा- मांग पूरी ना होने पर भोपाल में करेंगे आंदोलन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। राजस्व विभाग के अंतर्गत डिजिटल क्रॉप सर्वे जैसे अत्यंत महत्वपूर्ण कार्य में नियुक्त लोकल यूथ सर्वेयरो ने अपनी रोजगार की अनिश्चितता, अल्प मानदेय और अस्थायित्व के खिलाफ आवाज उठाई है। मंगलवार को लोकल यूथ महासंघ के बैनर तले जिले के सैकड़ों युवाओं ने कलेक्ट्रेट पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और चेतावनी दी कि यदि शीघ्र मांगों का समाधान नहीं किया गया तो भोपाल स्तर पर धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

अल्प मानदेय से नही चलता घर, भविष्य अंधकारमय

ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि इंसेंटिव आधारित भुगतान के कारण लोकल यूथ अपने परिवार का पालन-पोषण तक ठीक से नहीं कर पा रहे हैं। रोज़गार की अनिश्चितता, अनुबंध का अभाव और अस्थाई व्यवस्था ने इन युवाओं को मानसिक तनाव और बेरोजगारी के मुहाने पर ला खड़ा किया है। बताया गया कि सर्वेयरों ने खरीफ 2024, रबी 2025 और जायद 2025 सीज़न के डिजिटल फसल सर्वे, फॉर्मर आईडी जनरेशन, आरबीओआर केवाईसी जैसे कार्यों को विकट परिस्थितियों और संसाधनों की कमी के बावजूद समयसीमा में पूरा किया है। इसके बावजूद उन्हें न तो नियमित रोजगार मिला है, न नियुक्ति पत्र, और न ही स्थायित्व का कोई भरोसा।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन

लोकल यूथ महासंघ ने लोकल यूथ को नियमित करने,स्थाई रोजगार और निश्चित मासिक मानदेय प्रदान करने,प्रत्येक लोकल यूथ को सरकारी नियुक्ति पत्र जारी करने, लोकल यूथ को राजस्व सहायक का दर्जा प्रदान करने, हर फसल सीजन में बार-बार नई नियुक्ति की प्रक्रिया समाप्त करने,बिना ठोस कारण या नोटिस के किसी को कार्य से बंद ना करने, और जिन सर्वेयरों का मानदेय लंबित है, उन्हें शीघ्र भुगतान किए जाने सहित अन्य मांगों को पूरा करने की गुहार लगाई है।

भोपाल में राज्य स्तरीय आंदोलन की चेतावनी

सर्वेयरों ने अपील की कि सरकार उनकी मानवीय मांगों को समझे और उन्हें वह स्थायित्व, सुरक्षा और सम्मान प्रदान करे जिसके वे हकदार हैं। जिस ईमानदारी और समर्पण से वे ज़मीन स्तर पर कार्य कर रहे हैं, उसका सही मूल्यांकन कर सरकार उन्हें स्थायी रोजगार और समय पर भुगतान की सुविधा प्रदान करे।संघ ने स्पष्ट कहा कि यदि उनकी मांगों पर जल्द कोई ठोस कार्यवाही नहीं की जाती, तो भोपाल में मुख्यमंत्री कार्यालय के समक्ष धरना प्रदर्शन किया जाएगा। इससे पहले वे 27 जुलाई को आयोजित राज्य स्तरीय कर्मचारी महासम्मेलन में भी अपनी आवाज बुलंद करेंगे।

आधे से अधिक सर्वेयर को नहीं मिला भुगतान, करेंगे आंदोलन- ठाकरे

ज्ञापन को लेकर जिला अध्यक्ष शैलेन्द्र ठाकरे ने बताया कि जुलाई 2024 में शासन के आदेश के तहत एमपी भू-अभिलेख पोर्टल के माध्यम से लोकल यूथ सर्वेयर की ऑनलाइन नियुक्ति की गई थी। जिलेभर में 700 से अधिक सर्वेयर कार्यरत हैं, लेकिन उनमें से आधे युवाओं को आज तक मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। इससे वे आर्थिक और मानसिक संकट से जूझ रहे हैं।आवेदन निवेदन का भी सरकार पर असर नहीं हो रहा है इसलिए अंतिम बार ज्ञापन सौपने आए हैं। यदि इस बार भी हमारी समस्या का समाधान नहीं किया गया तो प्रदेश भर के समस्त कर्मचारियों द्वारा भोपाल जाकर महासम्मेलन किया जाएगा।उसपर भी बात ना बनने पर समस्त कर्मचारियों द्वारा धरना प्रदर्शन व आंदोलन किया जाएगा।

दुर्गा प्रसाद को हत्या के आरोप में आजीवन कारावास

सहायक शिक्षिका पत्नी सरला की हत्या करने का था आरोप, 2 साल पहले बहेला थाने के ग्राम अमेड़ा में हुई थी घटना

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की विद्वान अदालत ने हत्या के मामले में एक आरोपी दुर्गा प्रसाद उर्फ टेलर पिता हंसराज बावनकर 47 वर्ष को आजीवन कारावास और 3 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। यह आरोपी रामपायली थाना क्षेत्र में आने वाले ग्राम मेंडकी निवासी है। जिसके विरुद्ध ग्राम अमेड़ा (बहेला) में सहायक शिक्षिका के पद पर पदस्थ अपनी पत्नी सरला बावनकर की हत्या करने का आरोप था। अभियोजन के अनुसार यह घटना सन 2023 की है। सरला बावनकर सहायक शिक्षिका के पद पर ग्राम अमेड़ा बहेला में नौकरी करती थी। दुर्गा प्रसाद और सरला की दो बेटी है। जान्हवी और वर्षा है। जान्हवी बालाघाट में पढ़ाई करती थी। तथा वर्षा अमेड़ा में पढ़ाई करती थी। घटना के चार माह से दुर्गाप्रसाद और उसकी पत्नी सरला के बीच विवाद चल रहा था। जिससे दुर्गा प्रसाद अपनी पत्नी सरला से अलग ग्राम मेंडकी में रह रहा था। 9 फरवरी 2023 की शाम 7:30 बजे दुर्गा प्रसाद अपनी पत्नी सरला के निवास अमेड़ा पहुंचा और पत्नी सरला से बोला था कि हम साथ साथ रहेंगे, किंतु पत्नी सरला ने साथ रहने से मना कर दी थी। जिससे दुर्गा प्रसाद आवेश में आ गया और उसने उसी समय चाकू से सरला पर वार करना शुरू कर दिया। उस समय उसकी बेटी वर्षा भी वहा मौजूद थी। वह किसी तरह बचकर निकली और उसने बाजू में रह रही सरला की सहकर्मी कल्पना मैडम को बुलाकर लाई ।उस समय तक दुर्गा प्रसाद ने कमरे को बंद कर रखा था और उसने सरला के शरीर पर चाकू से कई वार कर उसे लहूलुहान कर दिया था। हल्ला होने पर गांव के लोग पहुंचे। उन लोगों ने दुर्गा प्रसाद को समझाने का प्रयास किये। लेकिन उन्हें भी दुर्गा प्रसाद द्वारा धमकी दी गई थी। लोगों के कहने पर भी दुर्गा प्रसाद ने दरवाजा नहीं खोला। गांव के सरपंच डिलेश्वर बसेना पहुंचे और उन्होंने बहेला पुलिस को सूचना दी थी। बहेला पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और अंततः दरवाजा तोड़कर उस कमरे में प्रवेश किया और वहीं से आरोपी दुर्गा प्रसाद को अभिरक्षा में लिए। उस समय सरला की मौत हो चुकी थी और पूरा कमरा रक्तरंजित हो गया था। सरला की हत्या में प्रयुक्त चाकू भी वहीं पर पड़ा हुआ था। थाना प्रभारी दिनेश भंवर ने दूसरे दिन सरला का शव पंचनामा कार्यवाही पश्चात पोस्टमार्टम करवा कर उसके परिजनों को सोप दिए वहीं सरला कीहत्या करने के आरोप में उसके पति दुर्गा प्रसाद बावनकर के विरुद्ध धारा 302 भादवि के तहत अपराध दर्ज कर इस अपराध में दुर्गा प्रसाद को गिरफ्तार करके विद्वान अदालत में पेश किये और विवेचना अनुसंधान उपरांत अभियोग पत्र विद्वान अदालत में पेश किया गया था। यह मामला हाल ही में विद्वान सत्र न्यायाधीश प्राणेश कुमार प्राण की अदालत में चला। इस मामले की चश्मदीद गवाह दुर्गा प्रसाद की बेटी वर्षा ही थी। विद्वान अदालत में चलते इस मामले में अभियोजन पक्ष आरोपी दुर्गा प्रसाद के विरुद्ध आरोपित अपराध सिद्ध करने में सफल रहा। जिसके परिणाम स्वरुप विद्वान अदालत ने आरोपी दुर्गा प्रसाद को पत्नी सरला की हत्या करने के आरोप में दोषी पाते हुए उसे धारा 302 भादवि के तहत अपराध में आजीवन कारावास और 3 हजार रुपये अर्थदंड से दंडित किये। इस मामले में शासन की ओर से पैरवी लोक अभियोजक मदन मोहन द्विवेदी द्वारा की गई थी।

विद्वान अदालत ने मृतिका सरला की दोनों बेटी को ढाई ढाई लाख रुपए प्रतिकर दिलाए जाने की अनुशंसा

विद्वान अदालत ने मृतिका सरला की दोनों पुत्री जान्हवी और वर्षा बावनकर दोनों वार्ड नंबर 13 सरेखा बालाघाट निवासी को उनकी मां की घटना में हुई मृत्यु के प्रतिकर के रूप में दोनों पुत्री की शिक्षा के लिए दोनों को ढाई-ढाई लाख रुपए प्रतिकर के रूप में दिलाए जाने की अनुशंसा विधिक सेवा प्राधिकरण से की है।

भारतीय मजदूर संघ का 70 वाँ स्थापना दिवस आज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। आज से करीब 70 वर्ष पूर्व 23 जुलाई 1955 को भारतीय मजदूर संघ का गठन किया गया था। जिसकी स्थापना को 70 वर्ष पूर्ण होने पर बुधवार को भारतीय मजदूर संघ की 70वीं वर्षगांठ का आयोजन किया गया है ।इस अवसर पर भारतीय मजदूर संघ द्वारा सुबह से लेकर देर शाम तक विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जाएंगे। जिसमें बुधवार की सुबह नगर के बस स्टैंड स्थित भारतीय मजदूर संघ कार्यालय में स्थापना दिवस कार्यक्रम का समापन कर, सभी पदाधिकारी कार्यकर्ता व अन्य मजदूर ताम्र परियोजना मलाजखंड पहुंचेंगे ।जहां पर 70 वी वर्षगांठ के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें उपस्थित होने की अपील भारतीय मजदूर संघ प्रमुख राजकुमार मोहरे, जिला अध्यक्ष योगेश यादव सहित अन्य पदाधिकारी सदस्यों द्वारा की गई है।

इधर, मालखेड़ी में कुंए से बाघ का रेस्क्यू, उधर बंजर नदी से बाघ का शव बरामद

मामले की जांच में जुटे अधिकारी, कान्हा नेशनल पार्क क्षेत्र का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कान्हा नेशनल पार्क ईलाके से बाघो को लेकर एक सुखद और एक दु:खद खबर निकलकर सामने आई है। सुखद खबर में पहली घटना यह थी कि 21 और 22 जुलाई की मध्यरात्रि कान्हा टाईगर रिजर्व की टीम ने ग्राम मालखेडी में ग्रामीण के घर से लगे कुंए से एक बाघ का सफल रेस्क्यू किया और बाघ की जान बचाई गई। सुचना मिली थी कि एक बाघ घर के पास स्थित कुएं में गिर गया और दहाड़ मार रहा है। जिससे पूरे गांव में दहशत का माहौल बना हुआ है ।जिसकी सूचना मिलते ही कान्हा टाईगर रिजर्व की टीम ने मौके पर पहुंचकर खाट के सहारे एक 13 वर्षीय बाघिन का सफल रेस्क्यू किया है ।जहां रेस्क्यू आपरेशन करीब 02 घंटे तक चला। आखिरकार रेस्क्यू टीम ने उस बाघ की जान बचा ली।

खाट के सहारे ऊपर आते ही जंगल की तरफ भागा बाघ

प्राप्त जानकारी के अनुसार मामले की सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची रेस्क्यू टीम ने खाट को बांधकर कुए में उतारा ।बाघ को खाट के सहारे कुंए से ऊपर खीचा जा रहा था, लेकिन जैसे बाघ कुंए की गहराई से ऊपर आया, ऊंची छलांग लगाकर वह जंगल की ओर भाग गया। यहां गनीमत यह रही कि बाघ ने रेस्क्यू टीम के किसी सदस्य पर हमला या हमले का प्रयास नही किया। वही कान्हा टाईगर रिजर्व की टीम द्वारा पूरे ईलाके में अलर्ट जारी कर दिया गया और ग्रामीणो को घर से बाहर ना निकलने की सलाह दी गई।

बंजर नदी के पानी मे बहता दिखा बाघ

इधर बाघ के सफल रेस्क्यू ऑपरेशन के ठीक दूसरे दिन मंगलवार को बाघ से जुड़ी एक दु:खद खबर भी सामने आई है ।जहां कान्हा क्षेत्र की बंजर नदी में मृत बाघ का शव बहते हुए देखा गया है। स्थानीय ग्रामीणों से इस पूरे मामले की सूचना मिलने पर कान्हा टाईगर रिजर्व की टीम मौके पर पहुंची ।जहां इस टीम ने कड़ी मशक्कत के बाद बाघ के शव को बंजर नदी के पानी से बरामद किया है ।जहां एसडीआरएफ टीम की सहायता से आपरेशन चलाकर बाघ के शव को बरामद किया। हालांकि बाघ की मौत कैसे हुई यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो पाया है जिसकी जांच वन अधिकारियों द्वारा शुरू कर दी गई है ।बताया जा रहा है मृतक बाघ किसी दूसरे क्षेत्र से पानी मे बहता हुआ आया है।

सोमवार को भी नदी में बहता दिखा था बाघ

बताया गया कि एक दिन पूर्व सोमवार को बंजर नदी के तेज बहाव में बाघ का शव दिखाई दिया था ।जिसकी सूचना के बाद कान्हा प्रबंधन और वन विभाग में हड़कंप मच गया। तेज बहाव के कारण शव बहते-बहते दूर निकलता गया। बताया गया कि शव बरामद करने का टीम ने प्रयास किया था, लेकिन पहले दिन उन्हें सफलता नहीं मिल सकी थी। उधर मंगलवार सुबह शव दोबारा नदी के बीचों-बीच टापू में दिखाई दिया। टीम ने दो टायरों के बीच खटिया बांधकर शव के नजदीक ले गए और शव को सावधानी के साथ बरामद किया।

ये बाघ हमारे क्षेत्र का नही है- त्रिपाठी

मंगलवार को बंजर नदी के पानी मे बहते मिले बाघ के शव को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान क्षेत्र संचालक रविंद्रमणि त्रिपाठी ने बताया कि मृत बाघ कान्हा टाइगर रिजर्व का नहीं है ।शव अन्य जगह से नदी में बहता हुआ कान्हा क्षेत्र में आया है। सोमवार से टीम शव बरामद करने में जुटी थी। मंगलवार दोपहर करीब ढाई बजे वन विभाग और एसडीईआरएफ को सफलता मिली है ।बाघ का शव, सोमवार को सबसे पहले कान्हा के समनापुर क्षेत्र में दिखाई दिया था। कान्हा प्रबंधन ने जिला प्रशासन और एसडीईआरएफ की मदद ली और संयुक्त प्रयास से शव बरामद किया है।

गुणवत्ताहीन निर्माण होने से बेलगांव-बकोड़ा पहुंच मार्ग एवं पुलिया हुआ क्षतिग्रस्त

सड़क एवं पुलिया क्षतिग्रस्त होने से बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना, जिम्मेदार मौन, ग्रामीण एवं राहगीरों ने निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही एवं मरम्मत कार्य करवाने की मांग की

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 3 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण तीन माह पूर्व प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा लाखों रूपये की लागत से डामरीकरण सड़क का किया गया है परंतु निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन होने के कारण निर्माण कार्य के कुछ माह बाद ही मार्ग क्षतिग्रस्त होने लगा है और सड़क के साइड सोल्डर की मिट्टी व पुलिया की मिट्टी पानी के तेज बहाव में कटकर बह रही है। साथ ही पुलिया के समीप सड़क के साथ ही पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका है और पुलिया साईड की मिट्टी कटकर बह चुकी है। जिसके कारण उक्त स्थान पर हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है। लेकिन प्रशासन के द्वारा सड़क एवं पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने के बाद भी अब तक मरम्मत कार्य नही करवाया गया है, ना ही कोई संकेतक बोर्ड लगाया गया है कि पुलिया व सड़क क्षतिग्रस्त है सावधानीपूर्वक आवागमन करें। वहीं दुर से क्षतिग्रस्त स्थान दिखाई भी नही देता है, ऐसी स्थिति में इस मार्ग से बड़े व छोटे वाहन तेज गति से गुजरते है एवं सड़क की साईड सोल्डर की मिट्टी व सड़क किनारे बने गड्डे में वाहन जाता है तो वह अनियंत्रित होकर सीधे नाले में पलट सकती है जिससे बड़ा हादसा घटित हो सकता है। साथ ही आवागमन करने वालों को परेशानियों का भी सामना करना पड़ रहा है, लेकिन जिम्मेदारों के द्वारा कोई ध्यान नही दिया जा रहा है जिससे ग्रामीणजन एवं राहगीरों में शासन-प्रशासन के प्रति आक्रोश व्याप्त है।

निर्माण के कुछ महीने बाद ही सड़क होने लगी है खराब, गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

आपको बता दें कि बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण विगत वर्ष पूर्व मंडी निधि से किया गया था परन्तु निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही होने के कारण सड़क कुछ ही वर्ष में खराब हो चुकी थी और जगह जगह बड़े बड़े गड्डे बन चुके थे, जिससे आने-जाने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। साथ ही लंबे समय से नवीन सड़क का निर्माण करवाने की मांग शासन-प्रशासन से की जा रही थी एवं सड़क का निर्माण नही होने पर ग्रामीणजनों ने पूर्व में आंदोलन करने की चेतावनी भी प्रशासन को दी थी। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये और स्थल का निरीक्षण कर नवीन सड़क निर्माण कार्य की स्वीकृति मिलने के बाद तीन से चार माह पूर्व लाखों रूपयों की लागत से बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग का डामरीकरण सड़क का निर्माण करवाया गया है। लेकिन इस मार्ग के बीच से गुजरे नाले पर नवीन पुलिया का निर्माण नही करवाया गया है एवं पुराने पुलिया के ऊपर से ही सड़क बना दी गई है। जबकि नवीन पुलिया का निर्माण करवाना चाहिए था किन्तु निर्माण कंपनी के द्वारा पुलिया का निर्माण नही करवाया है ,साथ ही सड़क के निर्माण कार्य में अनियमितता बरतते हुए गुणवत्ताहीन कार्य किया गया है। जिसके कारण निर्माण कार्य के कुछ माह बाद ही पुलिया व सड़क के साइड सोल्डर की मिट्टी पानी के तेज बहाव के कारण कटाव होना प्रारंभ हो गया है। वहीं गत दिवस हुई तेज बारिश में नाले में बाढ आने पर बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग स्थित पुलिया क्षतिग्रस्त होने के साथ ही सड़क की मिट्टी कटकर बह चुकी है। जिससे पुलिया के एक साईड की पूरी मिट्टी बह चुकी है एवं गड्डा बन चुका है जिसके कारण आने-जाने वालों परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की बनी संभावना बनी हुई है। जल्द मरम्मत कार्य नहीं किया गया तो यह मार्ग कभी भी क्षतिग्रस्त होने के साथ ही आवागमन बंद हो सकता है। जबकि यह बकोड़ा स्थित कृषि उपज मंडी पहुंचने का एक मात्र मार्ग है और वर्तमान में कृषि कार्य जारी है, अधिकांश किसानों की खेती भी इसी मार्ग पर है। जिनके द्वारा इस मार्ग के माध्यम से ही कृषि उपकरण लेकर आवागमन किया जाता है। साथ ही राहगीर एवं पढ़ाई करने वाले छात्र-छात्राएं भी इसी मार्ग से आवागमन करते है जिन्हे भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा हैं। ग्रामीणजन एवं राहगीरों ने सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने वाले निर्माण कंपनी एवं जिम्मेदार अधिकारी पर कार्यवाही एवं सड़क व पुलिया का मरम्मत कार्य जल्द करवाने की मांग की है। वहीं प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के महाप्रबंधक माया परते से दूरभाष पर बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण के कुछ माह बाद सड़क एवं पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने से आवागमन में हो रही परेशानी, जल्द मरम्मत कार्य करवाने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

गुणवत्तापूर्ण नही हुआ है निर्माण कार्य - श्रीराम

बकोड़ा सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि मार्च-अप्रैल माह में बेलगांव से बकोड़ा पहुंच मार्ग का निर्माण करवाया गया है लेकिन इस निर्माण कार्य में संबंधित ठेकेदार के द्वारा अनियमितता बरतते हुए गुणवत्ताहीन कार्य करवाया गया है। जिसके कारण निर्माण के कुछ माह बाद ही गत दिवस हुई तेज बारिश में पुलिया के पास साइड सोल्डर की मिट्टी बह चुकी है और पुलिया भी क्षतिग्रस्त हो चुका है। जबकि सड़क निर्माण के समय संबंधित विभाग से निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण करवाने कहा गया था, लेकिन उन्होने ने भी कोई ध्यान नही दिया और पुराने पुलिया के ऊपर से ही सड़क बना दिये है। श्री नागेश्वर ने बताया कि पुलिया एवं सड़क क्षतिग्रस्त होने से उक्त स्थान से आने-जाने में परेशानी हो रही है और हर समय बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई है, प्रशासन को जल्द मरम्मत कार्य करवाना चाहिए और सड़क निर्माण कार्य में बरती गई अनियमितता की जांच कर दोषियों पर कठोर कार्यवाही करें।

कभी भी घटित हो सकती है बड़ी दुर्घटना - अरविंद

बेलगांव सरपंच अरविंद पंचेश्वर ने बताया कि इस मार्ग का निर्माण कार्य विगत माह पूर्व किया गया है, लेकिन पुलिया के पास से सड़क की मिट्टी बह चुकी है एवं सड़क व पुलिया क्षतिग्रस्त होने लगा है, जल्द मरम्मत कार्य नही किया गया तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना घटित हो सकती है। श्री पंचेश्वर ने बताया कि मेरे द्वारा सड़क विभाग को सड़क व पुलिया क्षतिग्रस्त हो जाने की जानकारी देकर जल्द मरम्मत कार्य करवाने की मांग की है, लेकिन अब तक किसी भी प्रकार का मरम्मत कार्य नही किया गया है। अगर तेज बारिश होती है और नाले में बाढ़ आने पर पानी के तेज बहाव में सड़क के साथ ही पुलिया भी ढह सकता है इसलिए प्रशासन से मांग है कि जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि आने-जाने में हो रही परेशानियों से निजात मिल सके।

बोट्टा (बांदरी) के आंगनवाड़ी केन्द्र में दस्तक अभियान कार्यक्रम का हुआ आयोजन

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 11 किमी. दूर ग्राम पंचायत बांदरी के अंतर्गत आने वाले ग्राम बोट्टा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र क्रमांक 1 में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा 22 जुलाई को दस्तक अभियान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम बांदरी सरपंच व्यंकटराव राहंगडाले के प्रमुख आतिथ्य में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर सर्वप्रथम उपस्थितजनों ने माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित कर माल्यार्पण किया। आयोजित इस दस्तक अभियान कार्यक्रम के अवसर पर आंगनवाड़ी केन्द्र में शिविर आयोजित कर कुपोषित बच्चों की जांच कर बच्चें एवं गर्भवती महिलाओं को विटामिन की दवाईयां प्रदान की गई और स्वास्थ्य के बारे में उचित मार्गदर्शन दिया गया। चर्चा में बांदरी सरपंच व्यंकटराव राहंगडाले ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग के द्वारा दस्तक अभियान चलाया जा रहा है और इस अभियान के तहत आंगनवाड़ी केन्द्र में शिविर आयोजित कर बच्चों की जांच कर दवाई नि:शुल्क प्रदान की जाती है। इसी कड़ी में मंगलवार को बोट्टा स्थित आंगनवाड़ी केन्द्र में स्वास्थ्य विभाग के द्वारा शिविर आयोजित कर कुपोषित बच्चों, गर्भवती महिलाओं की जांच कर विटामिन की दवाईयां प्रदान की गई है। साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी देकर लाभ लेने प्रेरित किया गया। इस अवसर पर एएनएम रंजीता लानगे सी,एच,ओ तृप्ति ठाकरे सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, आशा कार्यकर्ता एवं महिलाएं व बच्चें उपस्थित रहे।

खमरिया क्षेत्र में धान रोपाई का कार्य युध्द स्तर पर जारी

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में गत दिवस हुई झमाझम बारिश के बाद क्षेत्रीय किसानों ने खरीफ सीजन में लगने वाली धान की रोपाई कार्य शुरू कर दिया है जो युध्द स्तर पर जारी है। आपकों बता दे कि खमरिया क्षेत्र में गत दिवस हुई तेज बारिश के बाद किसानों के द्वारा खरीफ सीजन में लगने वाली धान की फसल की रोपाई का कार्य किया जा रहा है और जिन किसानों ने पूर्व में रोपाई कार्य प्रारंभ कर दिये थे। उनका रोपाई कार्य अंतिम चरण में चल रहा है एवं जिन्होने बाद में शुरू किये है उनका रोपाई कार्य युध्द स्तर पर जारी है। वहीं गत दिवस से क्षेत्र में तेज बारिश नही हो रही है एवं दिन के समय धुप लगने से गर्मी का एहसास हो रहा है। ऐसी स्थिति में तेज धूप व उमस भरी गर्मी लगने के कारण टेल क्षेत्र में जिन लोगों की खेती है अगर जल्द बारिश नही हुई तो उक्त स्थानों पर पानी के अभाव में रोपाई कार्य प्रभावित भी हो सकती है। वहीं उमस भरी गर्मी लगने से मौसमी बीमारी होने का डर लोगों में बना हुआ है।

बसपा के प्रदेशाध्यक्ष इंजी. रमाकांत एवं प्रदेश प्रभारी इंजी. सीपी सिंह का हुआ नगरागमन

बैठक लेकर पार्टी के पदाधिकारियों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। बहुजन समाज पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष इंजी. रमाकांत पिप्पल, स्टेट कोआर्डिनेंटर (प्रदेश प्रभारी) इंजी. सीपी सिंह का सोमवार की रात 8 बजे लालबर्रा नगरागमन हुआ। इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी लालबर्रा के पदाधिकारियों ने नगर मुख्यालय स्थित विश्राम गृह में उनका स्वागत एवं सम्मान किया। जिसके बाद बहुजन समाज पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष एवं प्रदेश प्रभारी के द्वारा बालाघाट विधानसभा एवं सेक्टर के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं की बैठक ली। आयोजित बैठक में बसपा के प्रदेशाध्यक्ष इंजी रामकांत पिप्पल ने सभी को पार्टी की नीति-रीति से अवगत करवाते हुए कहा कि बालाघाट विधानसभा क्षेत्र व सेक्टर को मजबूत करने के क्षेत्र में कार्य करने एवं सेक्टर कमेटी को पूर्ण करने की बात कही। साथ ही अन्य आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये। चर्चा में बहुजन समाज पार्टी विधानसभा बालाघाट प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े ने बताया कि बसपा के प्रदेशाध्यक्ष इंजी. रामकांत पिप्पल, प्रदेश प्रभारी इंजी. सीपी सिंह दो दिनों से बालाघाट जिले के दौरे पर है। जिसमें 20 जुलाई को कटंगी में कार्यकर्ता सम्मेलन में शामिल हुए थे एवं 21 जुलाई को वारासिवनी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने के बाद मंडला जा रहे थे। तभी लालबर्रा विश्राम गृह के सामने श्री पिप्पल एवं श्री सिंह का बहुजन समाज पार्टी लालबर्रा के द्वारा स्वागत कर उनसे मुलाकात की गई। श्री हरिनखेड़े ने बताया कि लालबर्रा विश्राम गृह में बसपा के प्रदेशाध्यक्ष इंजी. रामकांत पिप्पल, प्रदेश प्रभारी इंजी. सीपी सिंह ने पार्टी पदाधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश देकर संगठित होकर विधानसभा एवं सेक्टर क्षेत्र में काम करने कहा गया है। जिसके बाद मंडला के लिए रवाना हो गये।

इस अवसर पर बहुजन समाज पार्टी के विधानसभा बालाघाट प्रभारी खेमराज हरिनखेड़े, विधानसभा अध्यक्ष पुनाराम हुमनेकर, उपाध्यक्ष राजकुमार हनवत, कोषाध्यक्ष विनोद मेश्राम, ताराचंद कावड़े वरिष्ठ कार्यकर्ता, जयचंद भौतेकर पूर्व कोषाध्यक्ष, जिला प्रभारी दुर्गेश बिसेन जी, जिलाध्यक्ष इंजी. महेंद्र, महासचिव रामलाल पंचेश्वर, सचिव दिलीप लिल्हारे, विजेन्द्र रंगारे, श्री शेंडे सहित पार्टी के अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कुएं में गिरने से किसनीबाई की हुई मौत

पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंपा, जांच में जुटी पुलिस

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर ग्राम पंचायत जाम निवासी 52 वर्षीय श्रीमती किसनीबाई खैरवार की स्वयं के मकान के पीछे स्थित कुएं में गिरने से मौत हो गई। पुलिस ने कुएं के अंदर से महिला की लाश बरामद कर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है एवं मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार जाम निवासी श्यामू खैरवार कृषक है और वर्तमान में उनके खेत में धान रोपाई का कार्य जारी है। जिनकी पत्नि 52 वर्षीय श्रीमती किसनीबाई खैरवार रोजाना की तरह मंगलवार को प्रात: 4 बजे सो कर उठकर जल्दी खेत जाने के लिए घरेलु काम में लग गई। जब परिवार के लोग सुबह उठे तो किसनीबाई दिखाई नही दी। तो परिजन उसकी आसपास पतासाजी किये परन्तु कही कुछ पता नही चला जिससे परिवार के लोग घबरा गये। जिसके बाद कुएं के समीप जाकर देखे तो कुएं के पास गुंडी रखा हुआ था। जिससे उन्हे संदेह हुआ कि किसनी बाई कही कुएं में तो नही गिर गई होगी। जिसके बाद कुएं के अंदर गल डालकर देखे तो महिला की साड़ी फसकर ऊपर आया और महिला पानी में उतराते हुए नजर आई। जिसके बाद पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। वहीं कुएं में गिर

जाने से महिला की मौत हो जाने की जानकारी ग्राम में आग की तरह फैल गई और घटना स्थल में ग्रामीणों की भीड़ लग गई। वहीं पुलिस को कुएं में गिरने से महिला की मौत हो जाने की जानकारी लगने पर थाना प्रभारी के निर्देश पर पुलिसकर्मी घटना स्थल पहुंचकर ग्रामीणों की मदद से कुएं के अंदर से मृत महिला का शव बाहर निकालकर आवश्यक कार्यवाही करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए लालबर्रा सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये। जहां चिकित्सक ने मृत महिला का पोस्टमार्टम कर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। बताया जा रहा है कि मृत महिला श्रीमती किसनीबाई खैरवार रोजाना की तरह मंगलवार को प्रात: 4 बजे उठकर खेत जल्दी जाने के लिए घरेलु काम हेतु कुएं में पानी के लिए गई होगी। तभी कुएं से पानी निकालते समय पैर फिसलने से वह अनियंत्रित होकर कुएं के अंदर गिर जाने एवं पानी में डुबे रहने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

मामले की जांच की जा रही है - सुनिल

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी सुनिल चतुर्वेदी ने बताया कि मंगलवार की सुबह जाम से जानकारी मिली थी कि 52 वर्षीय महिला की कुएं में डुबने से मौत हो गई है। जिसके बाद घटना स्थल पहुंचकर कुएं के अंदर से मृत महिला की लाश बाहर निकालकर पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को अंतिम संस्कार के लिए सौंप दिया है। साथ ही मृत महिला के परिजनों ने बताया कि महिला सुबह उठकर कुएं में पानी के लिए गई थी तभी कुएं से पानी निकालते समय अनियंत्रित होने से कुएं में गिर जाने से उसकी मौत होने की संभावना व्यक्त की जा रही है। मर्ग कायम कर मामले की जांच की जा रही है।

झांगुल एवं गुदमा में सरपंच के निर्वाचन के लिए 77.71 प्रतिशत मतदान हुआ

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश राज्यनिर्वाचन आयोग द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों के उप चुनाव के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 22 जुलाई को परसवा?ा विकासखंड की ग्राम पंचायत झांगुल एवं गुदमा में सरपंच के निर्वाचन के लिए दोपहर 03 बजे तक मतदान कराया गया है। झांगुल एवं गुदमा में 77.71 प्रतिशत मतदान हुआ है। लालबर्रा विकासखंड की ग्राम पंचायत अमोली में सरपंच का निर्वाचन उच्च न्यायालय द्वारा स्थगन दिये जाने के कारण स्थगित कर दिया गया है।

फर्जी रजिस्ट्री मामले में ग्रामीणों ने तहसीलदार को सौंपा ज्ञापन

मामले में हल्का पटवारी, तहसीलदार, उपपंजीयक और सेवा प्रदाता की जांच कर कार्यवाही करने की मांग

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम झालीवाड़ा और खापा ग्राम के ग्रामीणों के द्वारा अनुविभागीय दंडाधिकारी वारासिवनी के नाम का ज्ञापन तहसीलदार को सौंपा है। ज्ञापन में पुलिस थाना वारासिवनी द्वारा अपराध क्रंमाक ३४७/२०२५ में संलिप्त अन्य व्यक्ति जिनमें भूमि के विक्रय से लेकर नामांतरण कार्यवाही जिनमें हल्का पटवारी ,उपपंजीयक वारासिवनी, तहसीलदार वारासिवनी और सेवा प्रदाता रजिस्ट्री की फर्जी रजिस्ट्री मामले में जांच कर कार्यवाही करने की मांग की गई। वहीं मामले में आक्रोश व्यक्त किया गया कि उक्त शासकीय अधिकारी व संबंधित व्यक्तियों के बिना सहयोग से यह संभव नहीं है। वहीं पुलिस प्रशासन पर ग्रामीणो ने जनता पर कार्यवाही करने और शासकीय अमले को सुरक्षित करने का आरोप भी लगाया गया।

सभी लोग दोषी है जिनके द्वारा पारदर्शिता का उपयोग ना कर षंडयत्र पूर्वक कार्य किया

ज्ञापन में उल्लेखित है कि पुलिस थाना वारासिवनी अपराध क्रमांक ३४७/२०२५ जो कि धारा ४१९,४२०,४६७,४६८,४७१,१२० बी भादवि के तहत पंजीबद्ध किया गया है। जिसमें मनोज मेश्राम, विकास गौतम एवं ममता उर्फ सुनीता, कमला बाई, स्वरूपचंद टेंभरे को अभियुक्त बनाये है। जिसमें उपरोक्त सम्पूर्ण रजिस्ट्री की कार्यवाही से लेकर नामांतरण की कार्यवाही तक अन्य लोग भी शामिल है। जिनमें केवल पांच लोगो के विरूद्ध ही कार्यवाही कि गई है जबकि हल्का पटवारी के द्वारा मौके पर जाकर भुमि मापकर ब्रिकी नक्शा बनाया गया है। उस ब्रिकी नक्शा के आधार पर सेवा प्रदाता रजिस्ट्री वारासिवनी के द्वारा स्लाटिंग की गई थी। तत्पश्चात उपपंजीयक वारासिवनी के समक्ष क्रेता ,विक्रेता एवं गवाह के हस्ताक्षर अंकित करवाये गये थे । तत्पश्चात रजिस्ट्री के उपरांत नामांतरण की कार्यवाही तहसीलदार वारासिवनी के समक्ष करवाई गई। जिसमें क्रेता एवं विक्रेता के शपथ पत्र जो कि नोटरी वारासिवनी द्वारा पास किये गये है तथा तहसीलदार वारासिवनी के द्वारा नामांतरण का आदेश दिया गया है। जिसमें सभी लोग दोषी है जिनके द्वारा पारदर्शिता का उपयोग ना कर षंडयत्र पूर्वक कार्य किया गया है। जिसमें उपरोक्त वर्णित व्यक्ति भी दोषी हैं जिन्हे पुलिस थाना वारासिवनी के द्वारा छोड दिया गया है। पुलिस थाना वारासिवनी के द्वारा मात्र गांव के सिधे साधे लोगो को आरोपी बनाया गया है तथा उपरोक्त वर्णित लोगो को प्रकरण में छोड दिया गया है। हमारी मांग है कि यदि कार्यवाही कि जा रही है तो सभी के विरूद्ध की जायें अन्यथा पंजीबद्ध अपराध को निरस्त किया जायें। इस अवसर पर ग्रामीण जन मौजूद रहे।

पुलिस प्रशासन ने छोटे मगरमच्छ को पड़कर बड़े मगरमच्छ को छोड़ दिया- मनोज टेंभरे

ग्रामीण मनोज टेंभरे ने बताया कि अभी फर्जी रजिस्ट्री का सनसनीखेज मामला सामने आया उसमें पुलिस प्रशासन का कहना है कि फर्जी लोग खड़े होकर फर्जी तरीके से दस्तावेज बनाकर बिना सत्यापन रजिस्ट्री की गई है। इसमें जो पांच आरोपी जेल गए हैं वह किसान है उन्होंने फर्जी किया है किंतु इस प्रक्रिया को करने में पटवारी ,स्टांप होल्डर, रजिस्ट्रार, तहसीलदार इन पर कार्यवाही और जांच क्यों नहीं की गई। यह पूरे मामले का सत्यापन करते हैं पटवारी क्रेता और विक्रेता का खसरा नक्शा निकालकर पहचान करता है। तहसीलदार पेशी लेता है रजिस्ट्रार दस्तावेज देखकर सभी की पहचान करता है। पुलिस ने पांच लोगों पर कार्यवाही की है शासकीय अमला खुला घूम रहा है। शिकायतकर्ता सामने आया तो मामला उछला शिकायत नहीं होती तो रजिस्ट्री हो गई थी। इसमें तहसीलदार ,पटवारी ,सेवा प्रदाता ,रजिस्ट्रार शक के दायरे में है इन संबंधित अधिकारी पर कार्यवाही हो इनके संलग्न हुए बिना रजिस्ट्री संभव नही है। हम यही चाहते हैं कि इन्हें भी आरोपी बनाया जाए या जो आरोपी बने हैं उन्हें छोड़ दिया जाए मामले की निष्पक्ष जांच हो। इसमें कहीं ना कहीं अधिकारी मिले हुए हैं कुल मिलाकर पुलिस प्रशासन ने छोटे मगरमच्छ को पड़कर बड़े मगरमच्छ को छोड़ दिया है।

बाघ मानव संघर्ष रोकने पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने केंद्रीय मंत्री से लगाई गुहार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख ने केंद्रीय वन पर्यावरण व जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव को बालाघाट जिले के दक्षिण वन मंडल सामान्य अंतर्गत वन परिक्षेत्र वारासिवनी,कटंगी में विगत वर्षों में हो रहे बाघ मानव संघर्ष का सिल सिलेवार ब्यौरा प्रस्तुत किया है। बाघ आए दिन आबादी क्षेत्र में आकर मानव जीवन और पशुधन पर हमले कर रहे हैं। जिसमें विगत एक वर्ष के भीतर वन परिक्षेत्र कटंगी में बाघ के द्वारा तीन व्यक्तियों का शिकार किया गया है। वहीं वन परिक्षेत्र वारासिवनी में माह दिसंबर वर्ष २०२२ में भी एक महिला का बाघ के द्वारा जानलेवा शिकार किया गया था। मरने वालों में ग्राम नांदगांव निवासी श्रीमती लक्ष्मी पति विष्णु उईके, खैरलांजी के आंबेझरी निवासी सुखराम उईके ,ग्राम कुड़वा गोरघाट सर्किल प्रकाश पाने, वनग्राम कछार जमुनिया मुंडीवाडा सर्किल पांढरवानी बीट अनिल भलावी,ग्राम कन्हड़गाँव महकेपार सर्किल बीट निवासी बस्तीराम शनिचरे को बाघ के द्वारा जानलेवा हमले में गंभीर रूप से घायल किया था। बाघ के द्वारा जान गँवाने वाले मूलत: ग्रामीण और अनुसूचित जनजाति वर्ग के लोग हैं। उपरोक्त गंभीर घटनाओं के बावजूद वनविभाग और स्थानीय प्रशासन द्वारा मानव बाघ संघर्ष रोकने हेतु कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। मानव बाघ संघर्ष की रोकथाम हेतु शासन प्रशासन के द्वारा कोई सुध नही लिए जाने के कारण बाघ के अवैध शिकार होने की संभावना क्षेत्र में बनी रहती है। वन विभाग के द्वारा मानव बाघ संघर्ष रोकने हेतु पशु अवरोधक जन जागरण अभियान,टाईगर रिजर्व से लगी मानव आबादी की सुरक्षा हेतु आबादी को सुरक्षित करने करेंट वाली जाली लगाना,असुरक्षित गाँवों तक सड़क आवागमन साधन, वन क्षेत्र से लगे शासकीय विद्यालयों की बाउंड्रीवॉल उपलब्ध करवाने जैसे कार्य नहीं किए गए हैं। पूर्व जिला पंचायत सदस्य विक्रम देशमुख की इस शिकायत पर नई दिल्ली स्थित इंदिरा पर्यावास भवन के वन्य जीवन विभाग के वैज्ञानिक सुधीर चैनतालापति को जाँच अधिकारी नियुक्त किया गया है। जो जांच उपरांत उपरोक्त मानव बाघ संघर्षों की रिपोर्ट भारत शासन को प्रस्तुत करेंगे।

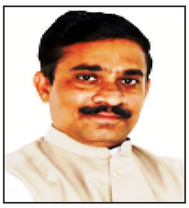

हर्षप्रताप ठाकुर ने अंग्रेजी विषय से प्रथम प्रयास में ही यूजीसी नेट में पाई सफलता

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर में खेल प्रतिभाओं को आकार देने वाले गणेश सिंह ठाकुर के छोटे सुपुत्र हर्ष प्रताप ठाकुर के द्वारा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा २०२५ में अंग्रेजी विषय से प्रथम प्रयास में ही ९४ प्रतिशत के साथ यूजीसी नेट में सफलता अर्जित की है । इसके पश्चात हर राज्य से अस्सिटेंट प्रोफ़ेसर परीक्षा एवं पीएचडी हेतु पात्रता रखते है। हर्षप्रताप ठाकुर आइडियल एकेडमी वारासिवनी में उप प्राचार्य के रूप में कार्यरत होने के साथ अंग्रेजी ,सामाजिक विज्ञान , व्यावसायिक अध्ययन ,कॉमर्स के एक कुशल शिक्षक एवं बैडमिंटन के निपुण खिलाड़ी भी है । जिन्होंने राष्ट्रीय स्तर तक नगर का प्रतिनिधित्व किया है। इन्होंने अपनी सफलता का श्रेय माता, पिता, भ्राता के साथ ही हर एक शिक्षक को दिया है। जिन्होंने उन्हें बाल्यकाल से बोलना लिखना पढ़ना और खुद को परिभाषित करना सिखाया है।

बैहर में ब्लड बैंक का हुआ शुभारम्भ

बैहर(पद्मेश न्यूज)। मध्यप्रदेश शासन लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ परेश उपलप के मार्गदर्शन एवं खंड चिकित्सा अधिकारी बैहर डॉ. हरीश कुमार मसराम के निर्देशन में सिविल अस्पताल बैहर में 22 जुलाई को ब्लड बैंक लेब का शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर डॉ अनंत लिल्हारे, डॉ इंद्रजीत बिसेन ब्लड बैंक प्रभारी, डॉ धनराज कोकोटे एवं सिविल अस्पताल बैहर का समस्त स्टाफ उपस्थित था। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. उपलप ने बताया कि बैहर में लेब प्रारम्भ होते ही यहाँ पर सिकलसेल मरीजों की जाँच प्रारम्भ कर दी गई है। जिसमें पहले ही दिन 02 सिकलसेल मरीजों की जाँच की गई। यह लैब बैहर क्षेत्र की जनता के लिए बहुत उपयोगी साबित होगी और इसका लाभ इस अंचल की आदिवासी जनता को मिलेगा।

कच्चा मार्ग कीचड़ से सराबोर आवागमन हुआ मुश्किल

मामला कासपुर बस्ती से मंगेझरी के कालागोटे का राहगीर परेशान

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत कासपुर बस्ती से मंगेझरी के कालेगोटा तक कच्चा सड़क बना हुआ है। जहां बारिश के कारण अत्यधिक मात्रा में कीचड़ हो जाने से आवागमन बहुत ज्यादा मुश्किल हो गया है। लोगों को उक्त स्थान पर कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर ग्रामीणों में खासा आक्रोश व्याप्त है। जिनके द्वारा मार्ग का पक्का निर्माण कर आवागमन की सुविधा बेहतर करने की मांग की जा रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत कासपुर की मुख्य बस्ती से एक मार्ग ग्राम के आखरटोला के लिए जाता है जो कच्चा मार्ग है। वहीं मार्ग सीधे मंगेझरी के कालागोटा एवं भांडी पिपरिया के लिए निकलता है जिसका उपयोग उक्त क्षेत्र के ग्रामीण सहित नगर वासी भी बालाघाट जाने और आने के लिए उपयोग करते हैं। यह समीप का मार्ग है परंतु कच्चा मार्ग है जिससे लोगों को बारिश के समय बहुत ज्यादा समस्याओं का सामना करना पड़ता है। ऐसे में कासपुर बस्ती से कालागोटा तक मार्ग पर जगह जगह छोटे बड़े गड्ढे भयंकर कीचड़ गड्डों में जल भराव की स्थिति बनी हुई है जहां से आना जाना परेशानी भरा है। तो वहीं आवागमन करने वाले राहगीरों के साथ ग्रामीण एवं सबसे ज्यादा प्रतिदिन स्कूल एवं आंगनबाड़ी जाने वाले विद्यार्थियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। क्योंकि आंगनबाड़ी आख़रटोला में है बस्ती के बच्चों को वहां जाने के लिए कीचड़ से भरे मार्ग का उपयोग करना पड़ता है ऐसे में कई बार वह गिर जाते हैं कपड़े खराब हो जाते हैं। तो वहीं ग्राम के लोगों को लंबी दूरी का रास्ता तय करना पड़ता है यह स्थिति लंबे समय से उक्त स्थान पर बनी हुई है। जहां पर गर्मी के समय किसी के द्वारा सुधार कार्य नहीं किया जाता है परंतु बारिश के समय मुरम मिट्टी डाल दी जाती है जो आवागमन में सुविधा के लिए डाली जाती है परंतु बारिश से लोगों के लिए समस्या बना देती है। हालांकि पिछले वर्ष से इस वर्ष मार्ग की थोड़ी ठीक स्थिति है परंतु उतनी नहीं की लोग सुरक्षित आवागमन कर सके। जहां पर रात्रि के समय लोग दुर्घटनाग्रस्त होकर क्षतिग्रस्त हो रहे हैं ऐसे में ग्रामीणों के द्वारा मार्ग के पक्के निर्माण की मांग की जा रही है।

कीचड़ होने से आना जाना मुश्किल हो जाता है-सुलोचना चौधरी

सुलोचना चौधरी ने बताया कि मैं आंगनबाड़ी केंद्र क्रमांक १ कासपुर में कार्य करती हूं। यह आंगनबाड़ी कासपुर के आख़रटोला में स्थित है जहां पर बस्ती के बच्चे भी आते हैं। बारिश होने से मार्ग में बहुत ज्यादा कीचड़ हो जाता है आना.जाना मुश्किल हो जाता है दिक्कत होती है। कीचड़ में हम गाड़ी नहीं चला पाते वह स्लिप हो जाती है अभी हम खुद गाड़ी धकेल कर अच्छे स्थान तक ले जाते हैं। रोजाना बच्चों को लाना रहता है तो वह भी गिर जाते हैं उनके कपड़े खराब हो जाते हैं यह स्थिति पहले से है सीसी रोड़ यहां बनना चाहिए।

मार्ग पर बड़े.बड़े गड्ढे हो गए जिससे स्कुल के बच्चे और ग्रामीणों का आवागमन बाधित हो जाता है-जगत कुमरे

जगत कुमरे ने बताया कि मैं कालागोटा रहता हूं यह कासपुर से मंगेझरी की सीमा तक पहुंचाने का मार्ग है जो बहुत बेकार है। बड़े.बड़े गड्ढे हो गए हैं गाड़ियां नहीं जा पाती है आगे प्राथमिक स्कूल और आंगनबाड़ी है जहां गांव के बच्चे आते.जाते हैं। पानी आते ही मार्ग पर बहुत ज्यादा मुश्किल होती है यह स्थिति सभी को पता है पिछली बारिश में तो रास्ता बंद हो गया था। यहां पर मिट्टी मुरम बारिश में ही डाल दी जाती है गर्मी में कोई मरम्मत नहीं होती है। जबकि इस मार्ग का उपयोग सैकड़ो लोग अपनी मंजिल के लिए करते हैं तो वहीं बच्चे शिक्षा अध्ययन के लिए इस स्थिति में जनता परेशान है। कई समस्याएं होती रहती है जल्द सीसी सड़क का निर्माण होना चाहिए।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि सीसी रोड़ निर्माण करने के लिए स्वीकृति लेट मिल पाई यही कारण है कि बरसात चालू हो गई तो सड़क निर्माण नहीं करवा पाये। सीसी सड़क स्वीकृत कर ली गई है बारिश के बाद सड़क का निर्माण कर दिया जायेगा।

फकीरचंद देशमुख

15 अगस्त को जिले में स्वतंत्रता दिवस समारोह धूमधाम से मनाया जायेगा

स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कलेक्टर ने ली अधिकारियों की बैठक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त पूर्व वर्षों की भांति इस वर्ष भी जिले में हर्षोल्लास के साथ धमूधाम से मनाया जायेगा। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की तैयारियों के लिए कलेक्टर मृणाल मीना ने 22 जुलाई को अधिकारियों की बैठक लेकर उन्हें आवश्यक दिशा निर्देश दिये। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अभिषेक सराफ, अपर कलेक्टर श्री जी आर धुर्वे, सहायक कलेक्टर आकाश अग्रवाल, एसडीएम गोपाल सोनी, संयुक्त कलेक्टर राहुल नायक एवं अन्यविभागों के अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में बताया गया कि जिला मुख्यालय बालाघाट में 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस समारोह के सभी कार्यक्रम पुलिस परेड ग्राउंड बालाघाट में होंगे। सभी कार्यालय में राष्टीय ध्वज के फहराने का समय 7 से 8 के बीच होगा। तहसीलदार को निर्देश दिया गया कि पुलिस परेड ग्राउंड के कार्यक्रम में अतिथियों की समुचित बैठक व्यवस्था व्यवस्था की जाए।

इसके साथ ही उन्हें स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के कार्यक्रम में बैठने की व्यवस्था के साथ-साथ उन्हें घर से लाने और वापस ले जाने की जिम्मेदारी दी गई। मुख्य समारोह में माइक और साउंड बॉक्स की व्यवस्था मुख्य नगर पालिका अधिकारी के जिम्मे रहेगी। मुख्य समारोह के लिए वाटरप्रूफ पंडाल की देखरेख सीएमओ को सौंप गई है। विद्युत व्यवस्था की जिम्मेदारी कार्यपालन अधिकारी एमपीईबी देखेंगे। बैठक में तय किया गया कि मुख्य समारोह में होने वाली परेड की रिहर्सल 06 अगस्त से प्रारंभ कर 12 अगस्त तक होगी ।एंबुलेंस, हैंड सेनीटाइजर की समुचित व्यवस्था सीएमएचओ करेंगे। बैठक में तय किया गया कि स्वतंत्रता दिवस पर कोई भी व्यक्ति प्लास्टिक के झंडे का उपयोग नहीं करेगा और न ही विक्रय करेगा। तिरंगा झंडा कपड़े का ही उपयोग किया जायेगा और वह भी निर्धारित लंबाई व चौड़ाई का होना चाहिए। प्लास्टिक के तिरंगे झंडे विक्रय करने वालों पर कार्यवाही की जायेगी। स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर कलेक्ट्रेट कार्यालय भवन सहित सभी शासकीय कार्यालयों व भवनों तथा सार्वजनिक स्थलों व भवनों पर 14 अगस्त से ही तिरंगे के रंग की रोशनी की जाएगी । मुख्य समारोह की सांस्कृतिक कार्यक्रम सीमित के अध्यक्ष जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ व अपर कलेक्टर श्री धुर्वे सांस्कृतिक कार्यक्रमों की व्यवस्था देखंगे।

लामता स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज को लेकर 30 जुलाई को लामता बंद का आह्वान

लामता(पद्मेश न्यूज) । .रेल यात्री एवं क्षेत्रीय विकास समिति ओर व्यापारी बंधु ने दोपहर 1 बजे गांधी चौक लामता में एक बैठक रखी गई,जिसमें काफी समय से चल रही बड़ी रेलवे लाइन में लामता स्टेशन में एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज की मांग काफी समय से की जा रही है,परन्तु इस ओर रेलवे विभाग द्वारा कोई ध्यान नहीं दिया जा है ,जिसके लिए समय समय पर लामता के क्षेत्रवाशियो ने पत्राचार के माध्यम से रेल्वे के आला अधिकारियों को ओर स्थानीय जन प्रतिनिधियों को अवगत कराया जाता रहा हैं परन्तु कोई हल नहीं निकल पा रहा था, और आगामी समय में चलने वाली जबलपुर से रायपुर इंटरसिटी एक्सप्रेस का भी लामता स्टेशन में स्टॉपेज नहीं होने की जानकारी से क्षेत्रवासी काफी नाराज है, जिसको लेकर लामता के क्षेत्रवासीयों ने 30 जुलाई दिन बुधवार को संपूर्ण लामता बंद का आह्वान किया है,जिसमें एक ज्ञापन रेल मंत्री के नाम दिया जाएगा, इस बैठक में लामता नगर के गणमान्य नागरिक ,व्यापारी बंधु उपस्थित रहे।

सावन शिवरात्रि : भस्म, डमरू और त्रिनेत्रधारी शिव की अर्चना का पुण्यकाल

शिवरात्रि को भगवान शिव का सबसे पवित्र दिन माना गया है, जो सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत भी है। हालांकि पूरे साल मनाई जाने वाली इन शिवरात्रियों में से दो की मान्यता सर्वाधिक है, फाल्गुन महाशिवरात्रि और सावन शिवरात्रि। प्राय: जुलाई या अगस्त माह में मानसून के सावन महीने में मनाई जाने वाली सावन शिवरात्रि को कांवड़ यात्रा का समापन दिवस भी कहा जाता है। मान्यता है कि जो भी भक्त इस दिन भगवान शिव अथवा शिवलिंग पर जल अर्पित करता है, भोलेनाथ उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। इस साल सावन शिवरात्रि का पर्व 23 जुलाई को मनाया जा रहा है। हिंदू पंचांग के अनुसार, इस वर्ष सावन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि की शुरुआत 23 जुलाई को सुबह 4 बजकर 39 मिनट पर हो रही है और यह तिथि अगले दिन यानी 24 जुलाई को अर्धरात्रि में 2 बजकर 24 मिनट पर समाप्त होगी। ऐसे में श्रद्धालु शिवरात्रि पर ब्रह्म मुहूर्त में भी भगवान शिव का जलाभिषेक कर सकते हैं। विभिन्न हिन्दू तीर्थ स्थानों से गंगाजल भरकर शिवभक्त अपने स्थानीय शिव मंदिरों में इस पवित्र जल से भगवान शिव का जलाभिषेक करते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार भारत में सावन शिवरात्रि का बहुत महत्व है। इस दिन गंगाजल से भगवान शिव का जलाभिषेक करना बहुत पुण्यकारी माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन तीर्थस्थलों के गंगाजल से जलाभिषेक के साथ भगवान शिव की विधि विधान से पूजा-अर्चना करने और व्रत रखने से वे शीघ्र प्रसन्न होते हैं और उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। दाम्पत्य जीवन में प्रेम और सुख शांति बनाए रखने के लिए भी यह व्रत लाभकारी माना गया है। सावन शिवरात्रि के दिन व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान और लोभ से मुक्ति मिलती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार यह व्रत कुंवारी कन्याओं के लिए श्रेष्ठ माना गया है और यह व्रत रखने से क्रोध, ईर्ष्या, अभिमान तथा लोभ से भी मुक्ति मिलती है। सर्वत्र पूजनीय शिव को समस्त देवों में अग्रणी और पूजनीय इसलिए भी माना गया है क्योंकि वे अपने भक्तों पर बहुत जल्दी प्रसन्न होते हैं और दूध या जल की धारा, बेलपत्र व भांग की पत्तियों की भेंट से ही अपने भक्तों पर प्रसन्न होकर उनकी समस्त मनोकामनाएं पूर्ण करते हैं। वे भारत की भावनात्मक एवं राष्ट्रीय एकता तथा अखण्डता के प्रतीक हैं। भारत में शायद ही ऐसा कोई गांव मिले, जहां भगवान शिव का कोई मंदिर अथवा शिवलिंग स्थापित न हो। यदि कहीं शिव मंदिर न भी हो तो वहां किसी वृक्ष के नीचे अथवा किसी चबूतरे पर शिवलिंग तो अवश्य स्थापित मिल जाएगा। हालांकि बहुत से लोगों के मस्तिष्क में यह सवाल उमड़ता है कि जिस प्रकार विभिन्न महापुरूषों के जन्मदिन को उनकी जयंती के रूप में मनाया जाता है, उसी प्रकार भगवान शिव के जन्मदिन को उनकी जयंती के बजाय रात्रि के रूप में क्यों मनाया जाता है? इस संबंध में मान्यता है कि रात्रि को पापाचार, अज्ञानता और तमोगुण का प्रतीक माना गया है और कालिमा रूपी इन बुराईयों का नाश करने के लिए हर माह चराचर जगत में एक दिव्य ज्योति का अवतरण होता है, यही रात्रि शिवरात्रि है। शिव और रात्रि का शाब्दिक अर्थ एक धार्मिक पुस्तक में स्पष्ट करते हुए कहा गया है कि जिसमें सारा जगत शयन करता है, जो विकार रहित है, वह शिव है अथवा जो अमंगल का ह्रास करते हैं, वे ही सुखमय, मंगलमय शिव हैं। जो सारे जगत को अपने अंदर लीन कर लेते हैं, वे ही करूणासागर भगवान शिव हैं। जो नित्य, सत्य, जगत आधार, विकार रहित, साक्षीस्वरूप हैं, वे ही शिव हैं। शिव के मस्तक पर अर्द्धचंद्र शोभायमान है, जिसके संबंध में कहा जाता है कि समुद्र मंथन के समय समुद्र से विष और अमृत के कलश उत्पन्न हुए थे। इस विष का प्रभाव इतना तीव्र था कि इससे समस्त सृष्टि का विनाश हो सकता था, ऐसे में भगवान शिव ने इस विष का पान कर सृष्टि को नया जीवनदान दिया जबकि अमृत का पान चन्द्रमा ने कर लिया। विषपान करने के कारण भगवान शिव का कंठ नीला पड़ गया, जिससे वे 'नीलकंठ' के नाम से जाने गए। विष के भीषण ताप के निवारण के लिए भगवान शिव ने चन्द्रमा की एक कला को अपने मस्तक पर धारण कर लिया। यही भगवान शिव का तीसरा नेत्र है और इसी कारण भगवान शिव 'चन्द्रशेखर' भी कहलाए।

ऑनलाइन भुगतान के मामले में भारत के यूपीआई ने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ा

हाल ही के समय में भारत, विभिन्न क्षेत्रों में, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नित नए रिकार्ड बना रहा है। कुछ क्षेत्रों में तो अब भारत पूरे विश्व का नेतृत्व करता हुआ दिखाई दे रहा है। भारत ने बैंकिंग व्यवहारों के मामले में तो जैसे क्रांति ही ला दी है। अभी हाल ही में आर्थिक क्षेत्र में बैंकिंग व्यवहारों के मामले में भारत के यूनफाईड पेमेंट इंटरफेस (यूपीआई) ने अमेरिका के 67 वर्ष पुराने वीजा एवं मास्टर कार्ड के पेमेंट सिस्टम को प्रतिदिन होने वाले आर्थिक व्यवहारों की संख्या के मामले में वैश्विक स्तर पर पीछे छोड़ दिया है। वैश्विक स्तर पर अब भारत विश्व का सबसे बड़ा रियल टाइम पेमेंट नेटवर्क बन गया है।

भारत में वर्ष 2016 के पहिले ऑनलाइन पेमेंट का मतलब होता था केवल वीजा और मास्टर कार्ड। वीजा और मास्टर कार्ड को चलाने वाली अमेरिका की ये दोनों कंपनिया पूरी दुनिया में ऑनलाइन पेमेंट का एकाधिकार रखती थीं। वीजा की शुरुआत, अमेरिका में वर्ष 1958 में हुई थी और धीमे धीमे यह कंपनी 200 से अधिक देशों में फैल गई और ऑनलाइन भुगतान के मामले में पूरे विश्व पर अपना एकाधिकार जमा लिया। वैश्विक स्तर पर इस कम्पनी को चुनौती देने के उद्देश्य से भारत ने वर्ष 2016 में अपना पेमेंट सिस्टम, यूपीआई के रूप में, विकसित किया और वर्ष 2025 आते आते भारत का यूपीआई सिस्टम आज पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर आ गया है। यूपीआई पेमेंट सिस्टम के माध्यम से ओनलाइन बैंकिंग व्यवहार चुटकी बजाते ही हो जाते है। आज सब्जी वाले, चाय वाले, सहायता प्राप्त करने वाले नागरिक एवं छोटी छोटी राशि के आर्थिक व्यवहार करने वाले नागरिकों के लिए यूपीआई सिस्टम ने ऑनलाइन बैंकिंग व्यवहार करने को बहुत आसान बना दिया है। आज भारत के यूपीआई सिस्टम के माध्यम से प्रतिदिन 65 करोड़ से अधिक व्यवहार (1800 करोड़ से अधिक व्यवहार प्रति माह) हो रहे हैं जबकि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर वीजा कार्ड से माध्यम से प्रतिदिन 63.9 करोड़ व्यवहार हो रहे हैं। इस प्रकार, भारत के यूपीआई ने दैनिक व्यवहारों के मामले में 67 वर्ष पुराने अमेरिका के वीजा को पीछे छोड़ दिया है। भारत में केंद्र सरकार की यह सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। भारत अब इस मामले में पूरी दुनिया का लीडर बन गया है। भारत ने यह उपलब्धि केवल 9 वर्षों में ही प्राप्त की है। विश्व बैंक एवं अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम की अत्यधिक प्रशंसा करते हुए कहा है कि यह नई तकनीकी का चमत्कार है एवं यह सिस्टम अत्यधिक प्रभावशाली है। भारत का यूपीआई सिस्टम भारत को वैश्विक बैंकिंग नक्शे पर एक बहुत बड़ी शक्ति बना सकता है। भारत में यूपीआई की सफलता की नींव दरअसल केंद्र सरकार द्वारा चलाई गई कई आर्थिक योजनाओं के माध्यम से पड़ी है। समस्त नागरिकों के आधार कार्ड बनाने के पश्चात जब आधार कार्ड को नागरिकों के बैंक खातों से जोड़ा गया और केंद्र सरकार द्वारा देश के गरीब वर्ग की सहायता के लिए चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत सहायता राशि को सीधे ही नागरिकों के बैंक खातों में जमा किया जाने लगा तब एक सुदृद्ध पेमेंट सिस्टम की

आवश्यकता महसूस हुई और ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई का जन्म वर्ष 2016 में हुआ। यूपीआई को आधार कार्ड एवं प्रधानमंत्री जनधन योजना के अंतर्गत बैंकों में खोले गए खातों से जोड़ दिया गया। नागरिकों के मोबाइल क्रमांक और आधार कार्ड को बैंक खातों से जोड़कर यूपीआई सिस्टम के माध्यम से आर्थिक एवं लेन-देन व्यवहारों को आसान बना दिया गया। भारत में आज लगभग 80 प्रतिशत युवा एवं बुजुर्ग जनसंख्या का विभिन्न बैंकों के खाता खोला जा चुका है। यूपीआई के माध्यम से केवल कुछ ही मिनटों में एक बैंक खाते से दूसरे बैंक खाते में राशि का अंतरण किया जा सकता है। ऑनलाइन पेमेंट सिस्टम के रूप में यूपीआई के आने के बाद तो अब भारत के नागरिक एटीएम कार्ड, डेबिट कार्ड एवं क्रेडिट कार्ड को भी भूलने लगे हैं। भारत से बाहर अन्य देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक भी अपनी बचत को यूपीआई के माध्यम से अपने परिवार के सदस्यों के बैंक खातों में ऑनलाइन राशि का अंतरण चंद मिनटों में कर सकते हैं। पूर्व में, बैंकिंग चेनल के माध्यम से एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में राशि का अंतरण करने में 2 से 3 दिन का समय लग जाता था तथा विदेशी बैंकों द्वारा इस प्रकार के अंतरण राशि पर खर्च भी वसूला जाता है। अब यूपीआई के माध्यम से कुछ ही मिनटों में राशि एक देश के बैंक खाते से दूसरे देश के बैंक खाते में अंतरित हो जाती है। इससे भारतीय रुपए का अंतरराष्ट्रीयकरण भी हो रहा है। विश्व के अन्य देशों में पढ़ाई के लिए गए छात्रों को अपने खर्च चलाने एवं विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों में फीस की राशि यूपीआई सिस्टम से जमा कराने में बहुत आसानी होगी। जिस भी देश में भारतीय मूल में नागरिकों की संख्या अधिक है उन देशों में भारत के यूपीआई सिस्टम को लागू करने के प्रयास किए जा रहे हैं। आज 13,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि इन देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिकों द्वारा प्रतिवर्ष भारत में भेजी जा रही हैं। वैश्विक स्तर पर भारत के यूपीआई सिस्टम की स्वीकार्यता बढ़ने से अमेरिकी डॉलर पर भारत की निर्भरता भी कम होगी, इससे भारतीय रुपए की मांग अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी और डीडोलराईजेशन की प्रक्रिया तेज होगी। भारत ने यूपीआई के प्रतिदिन होने वाले व्यवहारों की संख्या के मामले में आज अमेरिका, चीन एवं पूरे यूरोप को पीछे छोड़ दिया है। वर्तमान में भारत के यूपीआई सिस्टम का विश्व के 7 देशों यथा यूनाइटेड अरब अमीरात, फान्स, ओमान, मारीशस, श्रीलंका, भूटान एवं नेपाल में उपयोग हो रहा है। इन देशों में रहने वाले भारतीय मूल के नागरिक यूपीआई के माध्यम से सीधे ही भारत के साथ आर्थिक व्यवहार कर रहे हैं। दक्षिणपूर्वीय देशों यथा मलेशिया, थाइलैंड, फिलिपींस, वियतमान, सिंगापुर, कम्बोडिया, दक्षिण कोरिया, जापान, ताईवान एवं हांगकांग आदि भी भारत के यूपीआई सिस्टम के उपयोग को बढ़ावा देने के प्रयास कर रहे हैं। यूनाइटेड किंगडम, आस्ट्रेलिया एवं यूरोपीयन देशों ने भी भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू करने की इच्छा जताई है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की साइप्रस एवं नामीबिया यात्रा के दौरान इन दोनों देशों ने भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में शुरू करने के लिए भारत से निवेदन किया है। पूरे विश्व में अब कई देशों का विश्वास भारत के यूपीआई सिस्टम पर बढ़ रहा है और यदि ये देश भारत के यूपीआई सिस्टम को अपने देश में लागू कर देते हैं तो इससे भारत में विदेशी निवेश की राशि में भी तेज गति से वृद्धि होने की सम्भावना बढ़ जाएगी।

-प्रहलाद सबनानी

बड़ी जीत है द रेजिस्टेंट फ्रंट का आतंकी संगठन घोषित होना

पहलगाम में जब आतंकी हमले में निर्दोषों का रक्त बहा, आहें एवं चीखें गूंजी, जिसने न केवल देश एवं दुनिया को झकझोर दिया था, बल्कि यह संकेत भी दे दिया कि आतंकवाद की जड़े अब भी जीवित हैं और उन्हें राजनीतिक, वैचारिक और सीमा-पार समर्थन प्राप्त है। लेकिन इस बार एक बड़ा परिवर्तनकारी एवं प्रासंगिक कदम अमेरिका की ओर से सामने आया है, जिसने इस हमले की जिम्मेदारी लेने वाले पाकिस्तान के आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा की मुखौटा इकाई द रेजिस्टेंट फ्रंट (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया, इस तरह टीआरएफ की पहचान और आतंक के विरुद्ध वैश्विक एकजुटता का नया अध्याय लिखा गया है। यह कदम केवल एक औपचारिक घोषणा नहीं, बल्कि आतंक के विरुद्ध वैश्विक मंच पर एक रणनीतिक संदेश है कि अब छद्म युद्ध और पनपते आतंक के विरुद्ध निर्णायक कार्यवाही का युग आ गया है। अमेरिका का यह कदम भारत के लिए एक कूटनीतिक जीत के रूप में देखा जा रहा है। निश्चित ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं विदेश मंत्री एस जयशंकर के अन्तर्राष्ट्रीय प्रयास इस बात के द्योतक है कि आतंकवाद से निपटने के मोर्चे पर भारत सफल हो रहा है। अमेरिका के इस फैसले ने न सिर्फ टीआरएफ के आतंकी चेहरे से बेपर्दा किया है, बल्कि पाकिस्तान की उन नापाक हरकतों को भी बेनकाब कर दिया, जिन्हें वह खुद को आतंकवाद से पीड़ित बताकर छिपाता आ रहा है। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने इसे भारत-अमेरिका के बीच मजबूत आतंकवाद-रोधी सहयोग का प्रमाण बताया है और आतंक के खिलाफ लड़ाई में वैश्विक सहयोग की जरूरत पर बल दिया है। टीआरएफ दिखने में एक स्थानीय कश्मीरी संगठन होने का भ्रम देता है, लेकिन असल में यह लश्कर-ए-तैयबा और उसके सरगना हाफिज सईद की पुरानी साजिश का नया चेहरा है। पाकिस्तान-समर्थित आतंकी संगठनों को नया नाम एवं नये रूप में प्रस्तुत करना पाक की एक साजिश एवं सोची-समझी रणनीति है, ताकि दुनिया के सामने वह अपने दामन को पाक-साफ दिखा सके। एक और विडम्बनापूर्ण स्थिति यह है कि पाक ने इसे इस तरह पेश किया जैसे यह कश्मीर का स्थानीय संगठन हो। यह जगजाहिर है कि कई बड़े आतंकी संगठन पाकिस्तान की धरती से संचालित किए जा रहे हैं। इनमें लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद और हिज्बुल मुजाहिद्दीन प्रमुख हैं। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी कई बार ये सवाल उठे और पाक को आतंक पोषित स्वीकार्य किया जाने लगा। उसका नतीजा यह हुआ कि पाकिस्तान ने रणनीति बदली और आतंकी संगठनों के नाम भी बदलने शुरू कर दिए। टीआरएफ इसका एक उदाहरण है। इसका गठन 2019 के अनुच्छेद 370 के निरस्तीकरण के बाद हुआ और इसका उद्देश्य भारत में आतंकी घटनाओं को 'स्वदेशी विद्रोह' की आड़ में अंजाम देना है। पहलगाम हमला भारत के उस प्रयास को चुनौती देता है जो वह 'पर्यटन और विकास के माध्यम से कश्मीर को मुख्यधारा में लाने' के लिए कर रहा है। जब भी कश्मीर में शांति की बहार आती है, ऐसे आतंकी संगठन हिंसा का तूफान लेकर आते हैं। टीआरएफ ने सोशल मीडिया, इंटरनेट और कूटनीतिक शब्दजाल का इस्तेमाल करके अंतरराष्ट्रीय मंचों पर खुद को 'कश्मीरी प्रतिरोध आंदोलन' के रूप में पेश करने की कोशिश की, जबकि उसके तार रावलपिंडी और आईएसआई के आतंकवाद समर्थन तंत्र से सीधे जुड़े हैं। मगर, अमेरिका की ओर से इसे वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना इस बात का सबूत है कि आतंकियों को हथियार की तरह इस्तेमाल करने के इरादों को किसी छद्म नाम की आड़ में छिपाया नहीं जा सकता। अमेरिका द्वारा टीआरएफ को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित किया जाना भारत की एक बड़ी राजनयिक एवं कूटनीतिक सफलता है। यह दिखाता है कि भारत की तीक्ष्ण एवं ताकतवर विदेश नीति अब केवल घटनाओं की निंदा तक सीमित नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव निर्माण की रणनीति पर आधारित है। जो संयुक्त राष्ट्र में भारत के प्रस्तावों को भी बल देती है। भारत पाकिस्तान-प्रायोजित आतंकवाद के विरुद्ध वर्षों से चेतावनी देते हुए दुनिया को आतंकमुक्त बनाने के लिये प्रतिबद्ध है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने कूटनीतिक स्तर पर विभिन्न देशों को आतंक के खिलाफ एकजुट करने के प्रयास तेज किये हैं। ऐसे में अमेरिका पर भी यह साबित करने का दबाव बना है कि वह आतंकवाद के खिलाफ दोहरे मापदंड न अपनाये। क्योंकि अमेरिका का दोगलापन चर्चा में रहा है, एक तरफ अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ खड़े होने का दावा करता है, तो दूसरी ओर पाकिस्तान को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और विश्व बैंक से बड़ी धनराशि कर्ज के रूप में दी जाती है। एक तरफ राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप इस मुद्दे पर भारत के साथ खड़े होने की बात करते हैं, दूसरी तरफ आतंकवाद की नर्सरी चलाने वाले पाकिस्तान को लेकर अपने नरम रुख का इजहार भी करते रहते हैं। आतंकवाद पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) का ढुलमुल रवैया भी हैरान करने वाला है। सवाल यह है कि जब अमेरिका यह मानता है कि पाकिस्तान आतंकियों को पाल-पोस रहा है, तो वह वैश्विक संस्थाओं से उसे वित्तीय मदद रोकने की वकालत क्यों नहीं करता है? ऑपरेशन सिंदूर में पाक को करारी मात देने के बाद भारत आतंकवाद के खिलाफ दुनिया में वातावरण बनाने के लिये तत्पर हुआ। आतंक के खिलाफ इस लड़ाई को मजबूती देने के लिये ही भारत ने अमरीका समेत 32 देशों में अपने प्रतिनिधिमंडल भेजे थे। इन देशों को पुख्ता सबूतों के साथ बताया गया कि टीआरएफ पाकिस्तान प्रायोजित लश्कर-ए-तैयबा का मुखौटा संगठन है। संभवत: भारत के यही प्रयास इस संगठन के खिलाफ अमरीका के सख्त फैसले का आधार बनी। अमरीका ने इससे पहले 2001 में भारतीय संसद पर हमले के बाद लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद को आतंकी संगठन घोषित किया था। पाकिस्तान इन दोनों संगठनों की तरह टीआरएफ को भी भारत के खिलाफ हथियार के तौर पर इस्तेमाल करता रहा है। निश्चित ही अमेरिका की यह ताजा कार्रवाई स्वागतयोग्य है, लेकिन भारत को अब केवल प्रतीक्षा नहीं करनी चाहिए, बल्कि आतंकवाद के खिलाफ निर्णायक कमर कसते हुए प्रक्रिया दिखानी चाहिए। घरेलू स्तर पर खुफिया तंत्र और साइबर निगरानी को और सक्रिय एवं आधुनिक बनाना चाहिए। वैश्विक मंचों पर एफएटीएफ, यूएन, और जी 20 जैसे संगठनों में पाकिस्तान की आतंक-समर्थक भूमिका को बार-बार उजागर करना चाहिए। पहलगाम का हमला एक बार फिर हमें चेतावनी देता है कि आतंकवाद केवल सुरक्षा का संकट नहीं, बल्कि सभ्यता, शांति और मानवता का अपमान है। हमें अब शब्दों से आगे बढ़कर संकल्प और कार्यवाही की ओर बढ़ना होगा। भारत को अब केवल प्रतिकार नहीं, बल्कि निर्णायक प्रहार की नीति अपनानी चाहिए ताकि अगली पीढ़ी एक ऐसे भारत में सांस ले सके जहां 'कश्मीर' केवल खूबसूरती का पर्याय हो, आतंक का नहीं। भारत को वैश्विक मंचों पर टीआरएफ को बेनकाब करने की मुहिम जारी रखनी चाहिए, ताकि इस संगठन को फिर फन उठाने का मौका न मिले।

-ललित गर्ग

स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी महारथी थे चंद्रशेखर आजाद

चंद्रशेखर आजाद स्वतंत्रता संग्राम के अग्रणी पंक्ति के महारथियों में शामिल थे, जिन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नेतृत्व में स्वाधीनता संग्राम में भाग लिया था। आजाद साहस और त्याग में किसी से कम नहीं थे और उन्होंने अपना सारा जीवन देश की सेवा में अर्पित कर दिया। उनके पूर्वजों के मूल पैतृक स्थान को लेकर तमाम सारी भ्रतिया है ।आजाद के पितामह मूल रूप से कानपुर के रहवासी थे ,जो बाद में निकटतम जिले उन्नाव के गांव बदरका में आकर बस गए थे। इसलिए आजाद के पिता पंडित सीताराम तिवारी का बचपन बदरका में ही व्यतीत हुआ और यही उनकी युवावस्था का प्रारंभिक काल भी गुजरा। आजाद के पिता ने तीन शादियां की थी। उनकी पहली पत्नी उन्नाव के ही ग्राम भोरावा की रहने वाली थी। अपनी इस पत्नी से उनके एक पुत्र भी उत्पन्न हुआ था जो असमय ही चल बसा। सीताराम जी का अपनी इस पत्नी के साथ अधिक दिनों तक निर्वाह न हो सका अत: उन्होंने उसे छोड़ दिया और फिर उनका शेष जीवन अपने मायके में ही गुजर ।इसके पश्चात उन्होंने दूसरा विवाह कर लिया उनकी दूसरी पत्नी उन्नाव के ही सिकंदरापुर की रहने वाली थी । हालांकि दूसरी पत्नी अधिक दिनों तक जिंदा नहीं रह सकी और उसका असमय ही निधन हो गया। इसके पश्चात सीताराम जी ने तीसरी शादी जगरानी देवी से की जगरानी देवी उन्नाव के ही ग्राम चंद्रमन खेड़ा की रहने वाली थी ।बदरका में ही तिवारी दंपति को एक पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई जिसका नाम उन्होंने सुखदेव रखा। सुखदेव के जन्म के पश्चात सीताराम आजीविका की तलाश में मध्य भारत की रियासत अलीराजपुर चले आए। बाद में उन्होंने अपनी पत्नी जगरानी देवी तथा पुत्र सुखदेव को भी आलीराजपुर बुला लिया। यही ग्राम भावरा में उन्होंने अपना आवास बना लिया। भावरा में ही 23 जुलाई 1906 को चंद्रशेखर आजाद का जन्म हुआ। अपने नवजात बालक को देखकर माता-पिता को बड़ी निराशा हुई क्योंकि बालक अत्यंत ही कमजोर था। तिवारी दंपति की कुछ संताने अपने बाल्यकाल में ही मृत्यु को प्राप्त हो चुकी थी अत: मां-बाप आजाद के स्वास्थ्य को लेकर काफी चिंतित रहते थे ।हालांकि बाल अवस्था में चंद्रशेखर शारीरिक रूप से कमजोर होने के बावजूद भी बहुत सुंदर थे । पढ़ाई के दौरान 1919 में हुए जलियांवाले कांड ने देश के नौजवानों को हिला कर रख दिया। महात्मा गांधी ने 1921 में असहयोग आंदोलन का शंखनाद किया तो छात्रों के ज़ेहन में नया जोश उत्पन्न हुआ और भी सभी इस आंदोलन में शामिल हुए ।चंद्रशेखर आजाद भी पूरे जोश में थे ।उस जमाने को देखते हुए यह बड़ा क्रांतिकारी कदम था ।अनेक छात्रों के जत्थे के साथ आजाद की गिरफ्तारी हुई । अंग्रेजी हुकूमत के तौर-तरीकों तरीकों से परिचित आजाद ने अंग्रेजी सिपाही के बेत से पीटे जाने पर भारत माता की जय का जय घोष किया । आजादी के आंदोलन के दौरान बनारस क्रांतिकारियों का गढ़ था। विलक्षण प्रतिभा और अदम्य साहस के धनी चंद्रशेखर आजाद 16 वर्ष की आयु में ही प्रसिद्ध क्रांतिकारी मन्मथ नाथ गुप्त और प्रणमेश चटर्जी के संपर्क में आ गए थे। हिंदुस्तान पब्लिक संगठन के सदस्य बनते ही उनका संपर्क राम प्रसाद बिस्मिल से हो गया। फिरंगियों से लड़ने की योजना बनी और राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में 9 अगस्त 1925 को काकोरी कांड हुआ और वे भूमिगत हो गए। एक वक्त ऐसा भी आया कि असहयोग आंदोलन के दौरान जब फरवरी 1922 में चोरी चोरा की घटना के पश्चात बिना किसी विचार विमर्श के महात्मा गांधी ने अचानक आंदोलन वापस ले लिया तो देश के बहुत सारे नौजवानों की तरह चंद्रशेखर आजाद का भी कांग्रेस से मोह भंग हो गया , ऐसी स्थिति में रामप्रसाद बिस्मिल, शचिंद्रनाथ सान्याल ,योगेश चन्द्र चटर्जी ने 1924 में उत्तर भारत के क्रांतिकारियों को लेकर एक दल हिंदुस्तानी प्रजातांत्रिक संघ का गठन किया ।आजाद भी एच आर ए में शामिल हो गए ।इस संगठन ने जब धन इकट्ठ करने के लिए गांव के चौधरियों ,जमीदारों , और सेठों के घर पर डकैती डालने का निर्णय लिया, राम प्रसाद बिस्मिल के नेतृत्व में डाली गई डकैती में एक महिला ने आजाद की पिस्तौल छीन ली लेकिन बलशाली होने के बाबजूद आजाद ने अपने सिद्धांतों के कारण उस महिला पर हाथ नहीं उठाया ।जब डकैती के दौरान क्रांतिकारियों के दल पर ग्रामीणों ने हमला बोल दिया तो बिस्मिल ग्रामीणों के हाथों और अपमानित होने के स्थान पर घर के भीतर घुसकर महिला से आजाद की पिस्तौल छीन ली और बिना किसी हिचकिचाहट के आजाद को हड़काते हुए खींचकर घर से बाहर ले आए ।इस घटनाक्रम के पश्चात एच आर ए के सदस्यों ने शासकीय प्रतिष्ठानों को ही लूटने का निर्णय लिया। 1जनवरी 1925को एच आर ए ने हिंदुस्तान भर में अपना परचा द रिवॉल्यूशनरी क्रांतिकारी वितरित किया ।जिसमें दल की नीतियों का विस्तार से खुलासा किया गया था ।इस परचे में स्वतंत्रता की अलख के बीज को अंकुरित करने के लिए सशस्त्र क्रांति की विस्तार से चर्चा की गई थी। पंरचे में लेखक के रूप में विजय सिंह का छदम नाम दिया गया था । सचिंद्र नाथ सान्याल उक्त बहुचर्चित परचे को बंगाल में पोस्ट करने जा रहे थे तभी पुलिस ने उन्हें बांकुरा में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया। एच आर ए के गठन के दिन से ही बिस्मिल ,सान्याल और योगेश चंद्र चटर्जी में इस संगठन के उद्देश्यों को लेकर काफी मतभेद थे। एच आर ए की नीतियों के मुताबिक 9 अगस्त 1925 को काकोरी कांड को मूर्ति रूप दिया गया हालांकि शाहजहांपुर में इस योजना के बारे में विचार विमर्श करने के लिए जब बैठक आहूत की गई तो एच आर ए के अशफाक उल्ला खां ने इसका खुलकर विरोध किया। उनका दो टूक शब्दों में कहना था कि इससे ब्रिटिश प्रशासन उनके दल को जड़ से उखाड़ फेंकने पर तुल जायेगा और दुर्भाग्य से ऐसा हुआ भी ब्रिटिश हुकूमत चंद्रशेखर आजाद को तो गिरफ्तार नहीं कर सकी लेकिन ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ हुंकार भरने वाले राम प्रसाद बिस्मिल , अशफाक उल्ला खां ,ठाकुर रोशन सिंह 19 दिसंबर 1927 को तथा उसे दो दिवस पूर्व राजेंद्र नाथ लाहिरी को 17 दिसंबर 1927 को फांसी पर लटका कर मार दिया गया। लेकिन योजना मूर्त रूप नहीं ले सकी। चार क्रांतिकारियों को ब्रिटिश सरकार द्वारा फांसी और 16 को कड़ी कैद की सजा से बौखलाए चंद्रशेखर आजाद ने उत्तर भारत के क्रांतिकारियों को एक जुट करके 8 सितंबर 1928 को हिंदुस्तान की राजधानी दिल्ली में एक गुप्त सभा का आयोजन किया ।इस सभा में भगत सिंह को एच आर ए का प्रचार प्रमुख बनाया गया। साथ यह भी निर्णय लिया गया कि हिंदुस्तान रिपब्लिक एसोसिएशन का नाम बदलकर हिंदुस्तान सोशलिस्ट रिपब्लिकन एसोसिएशन रखा जाए। चंद्रशेखर आजाद ने सेना प्रमुख कमांडर इन चीफ की बागडोर संभाली ।इस दल के गठन के पश्चात एक नया लक्ष्य निर्धारित किया गया । हमारी लड़ाई आखिरी फैसला होने तक जारी रहेगी और यह फैसला है जीत या मौत । देश की खातिर मर मिटने को तैयार रहने वालेआजाद के प्रशंसकों में पंडित मोतीलाल नेहरू ,पुरुषोत्तम दास जैसी हस्तियां शामिल थी। शालिग्राम शुक्ला को 1 दिसंबर 1930 को पुलिस ने आजाद से मुलाकात के दौरान शहीद कर दिया । एच आर ए द्वारा किए गए साणडर्स हत्याकांड और दिल्ली असेंबली बम कांड में फांसी की सजा पाए तीनों अभियुक्तों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव ने ब्रिटिश हुकूमत के समक्ष अपील करने से इंकार कर दिया। अन्य सजायाफ्ता अभियुक्तों में से सिर्फ तीन ने ही प्रिवी कौनिसल में अपील की गई। 11फरवरी 1931को उनकी अपील पर लंदन की प्रिवी कोनिसल में सुनवाई हुई। अभियुक्तों की ओर से एडवोकेट प्रिन्ट ने बहस की अनुमति चाही लेकिन उन्हें बहस करने की अनुमति नहीं दी गई और बहस सुने बिना ही अपील को खारिज कर दिया ऐसी स्थिति में आजाद ने मृत्यु दण्ड पाए तीनों प्रमुख क्रांतिकारियों की सजा कम करने का भरसक प्रयास किया ।वे उत्तर प्रदेश की सीतापुर जेल में जाकर गणेश शंकर विद्यार्थी से भी मिले विद्यार्थी जी से विचार विमर्श करने के पश पश्चात वे 27फरवरी 1931को इलाहाबाद में जवाहरलाल नेहरू से मिलने उनके आवास पर गए ,आजाद नेहरू जी से निवेदन किया कि वह गांधी जी पर लॉर्ड इरविन से इन तीनों क्रांतिकारियों की फांसी को उम्र कैद में बदलवाने के लिए दबाव डालें ।नेहरू जी ने जब आजाद के अनुरोध को ठुकरा दिया। तो आजाद खफा होकर आनंद भवन से चले आए और साइकिल पर सवार होकर अल्फ्रेड पार्क में अपने मित्र सुखदेव राज से विचार विमर्श करने चले आए ,इसी बीच मुखबिर की सूचना पर पुलिस अधीक्षक ने आजाद को उल्फ्रेड पार्क में घेर लिया। तुम कौन हो पूछने के साथ ही उत्तर की प्रतीक्षा किए बिना पुलिस अधीक्षक ने अपनी पिस्तौल का रुख आजाद की ओर कर दिया ।इस गोलीबारी में चंद्रशेखर आजाद की जाघ। चोटिल हो गई ।आजाद ने घिसटकर कर एक जामुन के वृक्ष की ओट लेकर अपनी माउजर का रुख पुलिस अधीक्षक की ओर कर उसके ऊपर गोली दाग दी ।आजाद का निशान सही लगा उनकी गोली ने पुलिस अधीक्षक की कलाई तोड़ दी ।एक घनी झाडी के पीछे सीआईडी इंस्पेक्टर विश्वेश्वर सिंह छुपा हुआ था उसने स्वयं को सुरक्षित समझ कर आजाद को गाली दी। गाली को सुनकर आजाद को क्रोध आ गया जिस दिशा से गोली की आवाज आई थी उसे दिशा में आजाद ने गोली दाग दी निशाना इतना सटीक था कि आजाद की गोली से विश्वेश्वर सिंह का जबड़ा टूट गया । काफी समय तक आजाद ने जमकर अकेले पुलिस अधीक्षक और विश्वेश्वर सिंह से मुकाबला किया ।उन्होंने अपने साथी सुखदेव को पहले ही वहां से भगा दिया। इस बीच पुलिस अधीक्षक की कई गोलियां आजाद के शरीर में समा गई ।उनके माउजर में सिर्फ आखरी गोली बची थी ।अत उन्होंने ने सोचा कि यदि मैं यह गोली भी चला दूंगा तो जीवित गिरफ्तार होना पड़ेगा । अत: उन्होंने अपनी कनपटी पर माउजर की नाल लगाकर के आखिरी गोली स्वयं पर चला दी गोली उनके लिए जानलेवा साबित हुई और उनका स्थल पर ही निधन हो गया। आजाद ने जब अंग्रेजों की यातनाओं से बचने के लिए स्वयं गोली मारकर खुदकुशी की उस वक्त उनकी उम्र महज 24साल की थी।आजाद की अंतिम संस्कार के पश्चात शमशान घाट से आजाद की अस्थियां लेकर एक विशाल जुलूस निकाला गया । जुलूस में शामिल होने आए लोगों की भीड़ से इलाहाबाद की मुख्य सड़को पर जाम लग गया जुलूस को देखकर ऐसा लग रहा था कि जैसे समूचा इलाहाबाद उमड़ पड़ा हो।

-मुकेश तिवारी

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। अच्छे मालों में पूछपरख बढ़ने से मंगलवार को दलहनों में मसूर बाजार उछाल पर रहे। चना मजबूती पर रहा। किराना जिंसों में नारियल की आमद 4 गाड़ी की रही। बाजार सुर्खी पर रहे। खाद्य तेलों में सुर्खी कायम रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मसूर में लेवाली निकली है। अच्छे मालों में मांग से भावों में 100 रू. प्रति क्विंटल की तेजी आयी। चना मजबूती पर बना रहा। खाद्य तेलों में व्यापार अच्छा रहा। भावों में मजबूती रही। किराना जिंसों में शक्कर में त्यौहारी माँग से बाजार मजबूत हुये। नारियलों में आमद 4 गाड़ी की रही, किन्तु बाजार बढ़त पर रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4115-4140, खोपरा गोला 320-380, खोपरा बूरा 4400-6600 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 250-265, मीडियम 280-285, ऊंझा हल्का 270-275, बेस्ट 290-320, हल्दी निजामाबाद 170-210, सांगली 265-270, साबूदाना हल्का 4500-4600, मीडियम 4650-4850, बेस्ट 5100-5500, ग्लास 6100, वरलक्ष्मी 5350, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 110-250, एस्ट्रा बेस्ट 300-400, सौंफ बारिक 280-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 770-800, गरबल 740-750, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 900-1200, क्लीन 1300-1500, दालचीनी 250-265, जायफल 725-750, बेस्ट 780-790, वाद्यान फूल 440-495, शाहजीरा 385, तेजपान 90-95, पत्थर फूल 340-425, बेस्ट 475-500, जावत्री 1675-1750, बेस्ट 1850-1890, केसर 175-185, सौंठ 375-400, धोली मूसली 2175-2250, लौंग 765-775, बेस्ट 800-810, हींग (वनदेवी 751) 2600, पाउच 2650, 121 नं. दाना 2400, पाउच 2250, 111 नं. डिब्बी 2200, पाउच 2250, सिंघाडा 100-135, सिंदूर 6600, देशी कपूर 720-770, पूजा बादाम 115-200, पूजा सुपारी 450-475, अरीठा 130-145, हरि इलायची शंकर 2850-2950, विरूद्ध नगर 2950-3025, मीडियम 2975-3050, बोल्ड 3075-3150, एक्ट्रा बोल्ड 3250-3450, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1550-1850, बेस्ट 1950-2050, तरबूज मगज 480-500, काजू (240) 950-960, काजू (210) 950-1000, काजू (320) 920-940, काजू एस. डब्ल्यू 800-810, जे.एच. 830-860, टुकड़ी 750-800, बादाम मगज 870-925, सिंगापुरी 795-815, अखरोट 510-800, जर्दालु 250-350, बेस्ट 450-600, किशमिश कंधारी 420-470, बेस्ट 550-650, इंडियन 140-150, बेस्ट 170-190, चारौली 1550-1650, बेस्ट 1700, मुनक्का 450-550, बेस्ट 650-900, अंजीर 750-1450, मखाना 1100-1625, खारक 115-135, मीडियम 140-180, बेस्ट 225-250, एक्ट्रा बेस्ट 300-310, पिस्ता 1400-1600, कंधारी 1750-1900, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300-3350, (160) 4100-4150, (200) 4800-4850, (250) 5000-5100

तेल- सींगदाना 1420-1440, मुम्बई 1450, राजकोट तेलिया 2250-2260, सोया साल्वेंट 1155-1165, सोया रिफाइंड 1220-1225, कपास्या 1310-1315, धूलिया 1300-1310, कड़ी 1300,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1380-1400, मुम्बई पाम 1225, मुम्बई सोया 1225,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2300, देवास-उज्जैन 2300, खंडवा-बुरहानपुर 2275, अकोला 3175 (प्रति क्विटल)

तिलहन- सरसो 7000-7200, रायडा 6800-7100, सोयाबीन 4350, टोली (महुआ बीज) 4400-4600, करंज 4400-4500, अलसी 6800-7000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6350-6400, एवरेज 5600-5700, विशाल 5450-5550, काबूली डॉलर 8500-9000, काबुली रशी?यन 5600-5800, बिटकी 5300-5400, मसूर बेस्ट 6100-6200, एवरेज 6000-6100, मूंग देशी 7300-7400, पाला 7200-7300, चमकी 7400-7500, नायलोन 7600-7650, तुअर निमाड़ी बेस्ट 6600-6700, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, तुअर महाराष्ट्र 6600-6700, महाराष्ट्र लाल 6600-6900, उड़द बेस्ट 7400-7500, एवरेज 7200-7300, शंकर 7000-7100, हल्की 6900-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7300-7500, बोल्ड 7700-8100, तुअर दाल सवा नं. 7300-7400, तुअर दाल फूल 9000-9100, तुअर दाल बोल्ड 9900-10100, मसूर दाल एवरेज 7750-7850, बेस्ट 7950-8100, मूंग दाल 9500-9600, बोल्ड 9800-10000, मूंग मोगर 9300-9400, बोल्ड 9700-9800, उड़द दाल 8500-8600, बोल्ड 8700-8900, मोगर 9800-10000, बोल्ड 10100-10200,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2625-2650, लोकवन 2800-2850, (147) 2600-2650, बेस्ट 2650-2800, मालवराज 2650-2675, पूर्णा 2750-2800, चन्द्रोसी 3000-3800, ज्वार देशी 2400-2550, मक्का पीली 2275-2300,

चावल- चावल हंसा सफेद 3000-3200, सेला 3600-3800, परमल 3500-3800, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7000-7200, काली मुंछ 8500-8900, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 4500-6000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4800-5300,

मावा- इन्दौर 320, उज्जैन 260, रतलाम 270 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। मंगलवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। किन्तु दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार तेजी के रहे। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 114000, चाँदी (99) 113900, टंच 113200, सिक्का 1200, सोना 10 ग्राम 99900,

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई। भारतीय रुपया मंगलवार को सात पैसे की गिरावट के साथ ही 86.36 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करते हुए पांच पैसे की बढ़त के साथ 86.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर शुल्क की अंतिम स्थिति को लेकर अनिश्चितता विदेशी मुद्रा बाजार के लिए चिंता का विषय बनी है, जिससे मुद्राओं का कारोबार सीमित दायरे में हो रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 86.26 पर खुला जो पिछले बंद भाव से पांच पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती कारोबार में यह 86.29 प्रति डॉलर के स्तर को छू गया था।

आज का राशिफल

मेष- आज का दिन आपके लिए आनंदमय रहने वाला है। आपका उधार दिया हुआ धन आपको मिल सकता है, लेकिन आपने यदि पार्टनरशिप की थी, तो उसमें आपको धोखा मिल सकता है। आप दिल से लोगों का भला सोचेंगे, लेकिन लोगों इसे आपका स्वार्थ समझ सकते हैं। आप जिस काम में हाथ डालेंगे, उसमें बिना एक्सपर्ट की राय के बिना आगे ना बढ़ें, नहीं तो आपको धोखा मिल सकता है।

वृषभ- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है, लेकिन आपको अपने खर्चों पर थोड़ा ध्यान देना होगा, क्योंकि आपके बेतहाशा खर्च बढ़ सकते हैं। आपको अपनी जरूरत के हिसाब से खर्च करना बेहतर रहेगा और आप अपने भविष्य को लेकर कोई इन्वेस्टमेंट करने की सोचेंगे। आपकी परिवार के सदस्यों से खटपट होने की संभावना है, लेकिन यदि आपसे कोई गलती हो, तो आप उसमें तुरंत माफी मांग लें। किसी सरकारी काम में लापरवाही करना आपको नुकसान दे सकता है।

मिथुन- आज आपको किसी की कहीसुनी बात पर भरोसा करने से बचना होगा। ससुराल पक्ष के लोगों से रिश्तों में खटास आ गई थी, तो वह भी दूर हो सकती है। आज आप रोमांटिक मूड में रहेंगे और आप अपने प्रेमी के साथ कहीं घूमने जा सकते हैं। आपको अपने माता-पिता की सेवा के लिए भी कुछ समय निकालना होगा। आपकी कला-कौशल में सुधार आएगा और आपको कोई पुरस्कार भी मिल सकता है। आप बिना सोचे समझे किसी मामले को लेकर हामी न भरें।

कर्क- आज का दिन आपके लिए उलझनों से भरा रहने वाला है। आप दिखावे के चक्कर में अच्छा खासा धन खर्च करेंगे, जो आपकी चिंताओं को बढ़ाएगा। किसी नए घर या दुकान आदि की खरीदारी करना आपके लिए अच्छा रहेगा। आप अपने परिवार में किसी सदस्य से करियर को लेकर कोई निर्णय सोच समझकर लें। जीवनसाथी के साथ मिलकर आप भविष्य को लेकर कोई बड़ा इन्वेस्टमेंट कर सकते हैं। आप अपने कामों में कोई बदलाव करेंगे, जो आने वाले समय में आपके लिए अच्छे रहेगा।

सिंह- आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। व्यावसायिक गतिविधियां आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं। आपको जिम्मेदारी भरा काम मिल सकता है। आप अपने सगे संबंधियों पर काम को लेकर ज्यादा डिपेंड ना रहें। आपको किसी नए काम में सोच समझकर हाथ बढ़ाना होगा। राजनीति की ओर बढ़ रहे लोगों की छवि उनका कोई साथी खराब करने की कोशिश कर सकता है। आज आप किसी वाद-विवाद में ना पड़ें, नहीं तो बाद में आपको उसके लिए पछतावा हो सकता है।

कन्या- आज का दिन बिजनेस कर रहे लोगों के लिए ठीक-ठाक रहेगा। उच्च अधिकारियों के कृपा आपके ऊपर बनी रहेगी। कोई सरकारी काम यदि लंबे समय से रुका हुआ था, तो वह भी पूरा हो सकता है, लेकिन उसमें आपको थोड़ी मेहनत करनी होगी। आप इधर-उधर के कामों पर ध्यान थोड़ा कम लगाएं। माताजी से आपका वाद-विवाद होने के संभावना है। आपको अपने सेहत पर भी थोड़ा ध्यान देना होगा और किसी से कोई बात आप सोच समझकर करें। आप किसी दूर रह रहे परिजन से मुलाकात कर सकते हैं।

तुला- आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आप अपनी बुद्धि से समय पर निर्णय लेकर कोई गड़बड़ी होने से बच सकते हैं। आपको पुरानी योजनाओं से अच्छा लाभ मिलेगा। शेयर मार्केट से जुड़े लोगों के लिए दिन बढ़िया रहने वाला है। आपके जीवनसाथी को किसी नई नौकरी के प्राप्ति हो सकती हैं। आप अपने किसी विरोधी की बातों में न आएं। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर रहेगी।

वृश्चिक- आज का दिन आपके लिए तरक्की की राह पर आगे बढ़ने के लिए रहेगा। प्रेम और सहयोग की भावना आपके मन में बनी रहेगी। परिवार में किसी शुभ और मांगलिक कार्यक्रम का आयोजन हो सकता है। आपको अपने करीबियों से कोई बात बहुत ही सोच समझकर बोलनी होगी। जो विद्यार्थी किसी विषय में बदलाव चाहते हैं, तो वह भी किसी अध्यापक की सलाह के बिना ना करें।

धनु- आज का दिन आपके लिए मान-सम्मान में वृद्धि लेकर आने वाला है। कार्यक्षेत्र में आपको टीमवर्क के जरिए काम करने का मौका मिलेगा। आप अपने पारिवारिक जिम्मेदारियां पर पूरा ध्यान दें। आपकी वाणी की सौम्यता आपको मान-सम्मान दिलवाएगी। आज आप किसी से कोई उधार का लेनदेन ना करें। आपकी किसी पुरानी गलती से पर्दा उठ सकता है। जीवनसाथी की सलाह पर चलना आपके लिए बेहतर रहेगा। आप किसी बात को लेकर बेवजह क्रोध न करें।

मकर- आज का दिन आपके लिए सकारात्मक परिणाम लेकर आएगा। आज आपको कोई फैसला जल्दबाजी में लेने से बचना होगा। धन को लेकर यदि कोई समस्या थी, तो वह भी दूर होती दिख रही है। भाग्य का आपको पूरा साथ मिलेगा। भाई व बहनों से आपको मेलजोल बनाए रखनी होगी, जो लोग नौकरी को लेकर परेशान चल रहे हैं, उन्हें कोई खुशखबरी सुनने को मिल सकती है। आपके धन-धान्य में वृद्धि होने से खुशी होगी।

कुंभ- आज का दिन आपके लिए मौज-मस्ती से भरा रहने वाला है। आप तकनीकी कामों में आगे रहेंगे। विद्यार्थी अपने ज्ञान को बढ़ाने का कोई भी मौका हाथ से जाने नहीं देंगे। परिवार में किसी सदस्य को यदि आप कोई सलाह देंगे, तो वह भी उस पर अमल अवश्य करेंगे। आप किसी जरूरतमंद व्यक्ति के मदद के लिए आगे आएंगे।

मीन- आज का दिन आपके लिए मिश्रित रूप से फलदायक रहने वाला है। आप अपने व्यवसाय से संबंधित फैसलों को आवेश में आकर न लें। अपने पार्टनर पर पूरे निगरानी बनाकर रखें। आपकी सुख-साधनों में वृद्धि होगी और ससुराल पक्ष के किसी व्यक्ति से धन उधार लेंगे, तो वह आपको आसानी से मिल जाएगा।

शब्दजाल - 7968

शब्द जाल में उत्तर प्रदेश के 10 मुख्यमंत्रियों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

मुलायम सिंह, कल्याण सिंह, मायावती, राजनाथ सिंह, चंद्रभान गुप्त, नारायण दत्त तिवारी, श्रीपति मिश्र, बनारसी दास, चौधरी चरणसिंह, कमलापति त्रिपाठी

मु	ज	मा	र	ग	क	ल्या	ण	सिं	ह	ना
ला	वि	या	ग	चं	जी	ग	द	इ	श्री	रा
य	स	व	ल	बा	द्र	ची	ता	रा	प	य
म	ज	ती	दो	पु	ज	भा	ह	न	ति	ण
सिं	ब	रा	भा	लू	लं	का	न	ग	मि	द
ह	द	ना	ज	य	ख	पू	ना	गु	श्र	त
ती	लो	म	ब	ना	र	सी	दा	स	प्त	ति
क	र्ज	रा	ई	ना	थ	क	गो	लो	श	वा
ने	बा	म	न्न	ब्रा	थ	सिं	री	श	प	री
चौ	ध	री	च	र	ण	सिं	ह	बें	हा	त
क	द	प	क	म	ला	प	ति	त्रि	पा	ठी

शब्दजाल - 7967 का हल

श	रा	आ	स्ट्रि	या	गा	ह	ट	झ	क	यू
बे	ल्जि	य	म	रिं	लै	ता	स्वी	शा	को	ना
ज	र	डे	झि	दा	चि	सिं	ड	ला	ल	इ
फ्रां	स	दा	न	ल	क	ड़	न	दा	र	टे
व	रा	र	ष	मा	मि	ज	र्म	नी	र	ड
फि	ह	प	व	दा	र्क	ला	ती	झ़	न	किं
न	ट	नी	अं	ग्री	स	ट	ह	ला	ह	ग
लैं	जी	वा	द	क	छ	सौ	न	ट	जू	ड
ड	थो	तें	व	र	ज	दा	ने	दा	र	म
र	ल	प	ति	रं	लैं	ऐ	बें	न	रु	थो
त	ड़	पा	ह	ट	ख	ड	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6912

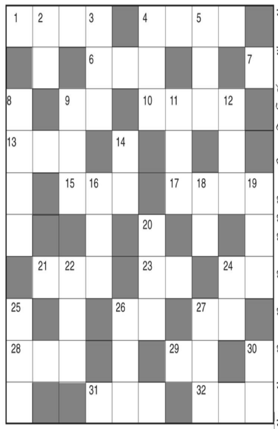

बायें से दायें:-

१. धर्मेन्द्र, राखी की 'पल पल दिल के पास' गीत वाली फिल्म-२,२
४. 'इमली का बूटा' गीत वाली दिलीपकुमार, राजकुमार, विवेक मुशरान, मनीषा की फिल्म-४
६. अक्षय, सैफ, रवीना, सोनाली की 'नहीं कही थी बात' गीत वाली फिल्म-३
७. 'आईने के सौ टुकड़े' गीत वाली जीतेंद्र, जयाप्रदा की फिल्म-१
९. लक्की अली, गौरी कार्णिक की 'खोया है तूने जो' गीत वाली फिल्म-२
१०. राकेश रोशन, योगिता बाली की 'लो मेरा प्यार लेलो' गीत वाली फिल्म-४
१३. 'तुम्ही रहनुमा हो' गीत वाली अनिल धवन, राधा सलूजा की फिल्म-३
१५. सुनीलदत्त, मीनाकुमारी की 'रंग और नूर की' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'ए बी सी डी छोड़ो' गीत वाली धर्मेन्द्र, हेमा मालिनी की फिल्म-२,२
२१. राजेंद्रकुमार, वैजयंतीमाला की 'हमसे तो अच्छी तेरी' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'कोई देख रहा रहा' गीत वाली सनी देओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२
२४. सुनील शेट्टी, सोमी अली की 'आ जा जाने जां' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'मैं तेरा मजनूं' गीत वाली गोविंदा, सोनाली, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-२
२७.शाहरूख, चंद्रचूड़, ऐश्वर्या की 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२८. 'अपने दिल में जगह' गीत वाली अनिल धवन, नीतूसिंह की फिल्म-३
२९. फरदीनखान, करीना कपूर की 'तेरे बिना तेरे बिना' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'मेरे ख्वाबों का' गीत वाली अजय देवगन, अभिषेक, बिपाशा की फिल्म-३
३२. अनिलकपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'मैं राजू दीवाना' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

२. सनी देओल, सुनील, शिल्पा की 'कोई परी आती नही' गीत वाली फिल्म-२
३. 'ओ नचलै नचलै' गीत वाली सनी, सोहेल, सुनील, जॉन की फिल्म-३
४. राजेश खन्ना, टीना, पद्मिनी की फिल्म-३
५. 'मैं निकला गड्डी लेके' गीत वाली फिल्म-३
८. संजयदत्त, गोविंदा, दिव्या, ममता की 'दिल तो खोया है' गीत वाली फिल्म-४
९. 'गोरे गोरे मुखड़े पे' गीत वाली अजय, अक्षय, करिश्मा, नगमा की फिल्म-३
११. शशिकपूर, शबाना आजमी की फिल्म-३
१२. 'हाथी मेरे साथी' की नायिका?-३
१४. 'तुमको कितना है' गीत वाली सनी, सुनील, सेलिना जेटली की फिल्म-२
१६ संजयकपूर, शिल्पा शेट्टी की 'टक टका टक' गीत वाली फिल्म-३
१८. 'चांदनी रातें प्यार की बातें गीत वाली देवआनंद, गीताबाली की फिल्म-२
१९. शशिकपूर, जीतेंद्र, रेखा की 'प्यार करना नहीं आया' गीत वाली फिल्म-३
२०. 'यशोदा का नंदलाला' गीत वाली जयाप्रदा, जीतेंद्र, विनोद की फिल्म-३
२२. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२४. 'जो बीच बजरिया' गीत वाली अब्बास, शर्बाणी मुखर्जी की फिल्म-२
२५.विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
२६. 'आज पुरानी राहों से' गीत वाली फिल्म-३
२७. देवआनंद, हेमा मालिनी की फिल्म-३
३०. 'आज सरे महफिल' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 6911

य	स	बॉ	स		ह	मे	शा		स
हू		ई		रॉ	की			खौ	फ
दी	दा	र			क	स	क		र
	मि		की	म	त		री	ना	
सु	नी	ल		र्या		हि	ना		कि
जा		व	ही	दा		म्म		जि	स्म
ता	ल		रो		सौ	त	न		त
	ल	म्हे		सौ	दा		ज	या	
शा	का		जीं		ग		रा		प्या
का	र	तू	स		र	वी	ना		सा

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8436

बाएँ से दाएँ

1.अँगरखा-4
3.मान-सम्मान,इज्जत-3
5.शुभाशीर्वाद,नियामत-4
8.केश-2
10.कसम,प्रतिज्ञा,वचन-2
11.बुरी आदत-2
13.मगरमच्छ-3
15.परिणाम-3
16.माँड़ी,स्टार्च-3
17.अक्षर (उर्दू-3)
19.रोम,केश-2
20.अधिकार,आरोप-2
21.सतह,स्तर,पटल-2
23.लूटपाट,डाका-4
25.सभ्यीकरण,विवेक-3
26.एक प्रसिद्ध कवि-4

ऊपर से नीचे

1.अनोखा,विचित्र,विलक्षण-3
2.नया,नवीन-2
3.इज्जत-2
4.कपोल-4
6.गमन,प्रेषित-3
7.पिता के पिता-2
9.चुनौती-4
13.गंदगी का ढ़ेर-3
14.असावधानी-4
17.जेल,कालकोठरी-4
18.शोर,ध्वनि,कंपन्न-3
20.ताप,शवदाह-2
22.यज्ञ,आहुति दान-3
23.रहस्य-2
24.जल, पानी-3

शब्द पहेली -8435 का हल

	अ	न	ब	न		सौ		
	प		री		स	त	ल	ज
जि	रा	फ		द	म	न		ल
	ध	र	ती		झ		रा	ज
फि		क	मा	नी	दा	र		ला
त	न्हा		र		र	ह	म	
र		म	दा	री		ना	र	द
त	र	का	री		जा		घ	
		न		प	न	घ	ट	

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

23 जुलाई 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	कर्क में
चंद्र	मिथुन में
मंगल	सिंह में
बुध	कर्क में
गुरु	मिथुन में
शुक्र	वृष में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 12.00 से 1.30 बजे तक

लग्नारंभ समय	
सिंह	07.18 बजे से
कन्या	09.30 बजे से
तुला	11.41 बजे से
वृश्चिक	13.56 ब.से
धनु	16.12 बजे से
मकर	18.17 बजे से
कुंभ	20.03 बजे से
मीन	21.36 बजे से
मेष	23.07 बजे से
वृष	00.47 बजे से
मिथुन	02.45 बजे से
कर्क	04.58 बजे से

बुधवार 2025 वर्ष का 204 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण
तिथि चतुर्दशी 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **नक्षत्र** आर्द्रा 17.55 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 12.34 बजे को समाप्त। **करण** विष्टि 15.32 बजे तदनन्तर शकुनि 02.29 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 20° 04'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872414
जूलियन दिन 2460879.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना मोहर्रम **तारीख** 27
विशेष सावन शिवरात्रि।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	05.54 से	07.22 बजे तक	उद्वेग	05.41 से	07.12 बजे तक
अमृत	07.22 से	08.51 बजे तक	शुभ	07.12 से	08.44 बजे तक
काल	08.15 से	10.19 बजे तक	अमृत	08.44 से	10.16 बजे तक
शुभ	10.19 से	11.47 बजे तक	चर	10.16 से	11.47 बजे तक
रोग	11.47 से	01.16 बजे तक	रोग	11.47 से	01.19 बजे तक
उद्वेग	01.16 से	02.44 बजे तक	काल	01.19 से	02.51 बजे तक
चर	02.44 से	04.12 बजे तक	लाभ	02.51 से	04.23 बजे तक
लाभ	04.12 से	05.41 बजे तक	उद्वेग	04.23 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः ईर्ष्या की आग

दो विद्वान एक सेठ के घर भोजन के लिए आमंत्रित थे। ये दोनों विद्वान एक - दूसरे को देखना नहीं पसंद करते थे और मौका मिलते ही एक - दूसरे की बुराई करने लगते थे। दोनों नियत समय पर सेठ के घर पहुंचे और एक - दूसरे को देखकर मुंह बनाने लगे। सेठ ने दोनों से स्नान करने का निवेदन किया। जब एक विद्वान नहाने चला गया तो सेठजी दूसरे के पास आकर बैठ गए और बातें करने लगे। वह बोले, 'महाराज, लगता है आपके ये साथी पहुंचे हुए विद्वान हैं। उन्हें काफी गूढ़ बातें मालूम है।' दूसरा विद्वान भला यह कैसे सुन सकता था ? वह तपाक से बोला, 'अरे नहीं सेठजी, इसका तो विद्वता से दूर - दूर तक का कोई रिश्ता नहीं है। यह तो निरा बैल है। पता नहीं इसे लोग अपने यहां क्या सोचकर आमंत्रित कर लेते हैं।' तभी उसका साथी नहाकर बाहर आता दिखाई दिया तो वह चुप हो गया। कुछ देर बाद वह स्वयं स्नान के लिए चला गया तो सेठजी पहले विद्वान से बातें करने लगे और दूसरे विद्वान के बारे में बोले, 'अभी मैं आपके साथी से ही बातें कर रहा था। मुझे तो वह वेदों के बहुत बड़े ज्ञाता लगे।' सेठजी की बात पर वह विद्वान हंसते हुए बोला, 'क्या सेठजी , वह और विद्वान ! अरे विद्वान आपने देखे ही कहां हैं। वह तो निरा गधा है।' अपने साथी के वापस आते ही वह भी चुप हो गया। कुछ देर बाद दोनों को भोजन के लिए बुलाया गया। दो थालियां रखी गईं, जिनमें से एक में घास और दूसरे में भूसा रखा था। दोनों विद्वान बिदक कर सेठजी से बोले, 'यह क्या ! आपने हमारा अपमान करने के लिए यहां बुलाया है ?' उनकी बातें सुनकर सेठजी बोले, 'महाराज ! आप दोनों ने ही तो एक - दूसरे को गधा और बैल बताया है। गधा और बैल ऐसी ही खुराक तो खाते हैं। अब इसमें मेरा क्या दोष ?' यह सुनकर दोनों शर्मिंदा हो गए। उन्होंने ईर्ष्या की आग अपने भीतर से निकाल दी।

सूडोकु नवताल- 7221

★★★★★ कठिनतम

	9				4			7
					7	9		
8								
4		5	8					
3				1				2
					9	7		6
								4
		3	5					
2			6				8	

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7220 का हल

7	8	5	2	6	3	1	4	9
4	3	1	9	7	5	8	2	6
2	6	9	1	4	8	7	5	3
3	1	4	6	8	9	5	7	2
9	5	8	7	2	4	6	3	1
6	7	2	5	3	1	9	8	4
5	2	7	3	9	6	4	1	8
1	4	6	8	5	2	3	9	7
8	9	3	4	1	7	2	6	5

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुम्बई। भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को मामूली गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट एशियाई बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के बाद भी बिकवाली हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 13.53 अंकों की हल्की गिरावट के साथ ही 82,186.81 अंकों पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी भी 29.80 अंक नीचे आकर 25,060.90 अंकों पर बंद हुआ। वहीं गत दिवस बाजार बढ़त पर बद हुआ था। आज सेंसेक्स की 30 में से 13 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आकर बंद हुए जबकि बची हुई 17 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ ही नीचे आये। इसी तरह, निफ्टी की 50 में से केवल 16 कंपनियों के शेयर ही ऊपर आकर बंद हुए बंद हुए जबकि शेष 33 कंपनियों के शेयर नुकसान के साथ ही नीचे आये। एक कंपनी का शेयर आज बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल एटरनल (जोमेटो) के शेयर सबसे ज्यादा 10.56 फीसदी बढ़कर बंद हुए , वहीं टाटा मोटर्स के शेयरों में सबसे ज्यादा 2.04 फीसदी की गिरावट रही। आज टाइटन के शेयरों में

1.08 फीसदी, बीईएल 0.72 फीसदी, मारुति सुजुकी 0.66फीसदी, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.65 फीसदी, आईसीआईसीआई बैंक 0.53 फीसदी, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.39 फीसदी व, बजाज फाइनेंस में 0.36 फीसदी की गिरावट रही। दूसरी ओर सेंसेक्स की अन्य कंपनियों में अडाणी पोर्ट्स के शेयरों में 1.72 फीसदी, एसबीआई 1.12 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज 1.08 फीसदी, एलएंडटी 1.07 फीसदी, आईटीसी 0.96 फीसदी, इंफोसिस 0.92 फीसदी की गिरावट दर्ज की गयी। बीएसई मिडकैप इंडेक्स 0.4 फीसदी गिरा, जबकि स्मॉलकैप इंडेक्स स्थिर रहा।

बाजार में गिरावट के ये कारण भी रहे

आज धातु के अलावा अन्य सभी सेक्टर गिरावट पर बंद हुए, जिनमें आईटी, ऑटो, पीएसयू बैंक, फार्मा, मीडिया और रियल्टी 0.5-1 फीसदी नीचे रहे। इसके अलावा विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआई) जुलाई 2025 में भारतीय शेयर बाजार में नेट बिकवाल बन गए, जो लगातार तीन महीनों के निवेश के बाद एक विराम था। यह बदलाव एफपीआई ने वित्त वर्ष 26 की सकारात्मक शुरुआत के बाद आया है, जिसमें अप्रैल, मई और जून में 38,673 करोड़ रुपये का संचयी शुद्ध निवेश हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार की तेज शुरुआत रही। सुबह बीएसई सेंसेक्स 300 से ज्यादा अंक चढ़कर 82,527.43 पर खुला। इसी तरह निफ्टी भी तेजी के साथ 25,166 अंक पर खुला। मंगलवार को बाजार खुलते ही बीएसई पर 10 फीसदी चढ़ गए।

एलआईसी ने बढ़ाई एसबीआई में हिस्सेदारी

नई दिल्ली। भारतीय सरकारी बीमा कंपनी एलआईसी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा दी है। एलआईसी ने एक रेगुलेटरी फाइलिंग में बताया कि उसने क्वालिफाइड इंस्टीट्यूशनल प्लेसमेंट (क्यूआईपी) के जरिए एसबीआई में 5,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस निवेश के तहत एलआईसी ने एसबीआई में 0.28 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदी है, जिससे उसकी कुल हिस्सेदारी अब 9.49 प्रतिशत हो गई है। एलआईसी के पास अब एसबीआई के 87.58 करोड़ शेयर हैं, जबकि इससे पहले वह 81.46 करोड़ शेयर (9.21 प्रतिशत हिस्सेदारी) का मालिक था। एलआईसी ने यह निवेश 817 प्रति शेयर की दर से किया है और कुल राशि बैंक को ट्रांसफर कर दी गई है। वहीं एसबीआई ने क्यूआईपी के जरिए कुल 25,000 करोड़ रुपये जुटाए हैं। बैंक ने इस प्रक्रिया में 30.59 करोड़ शेयर 817 प्रति शेयर की कीमत पर जारी किए। एसबीआई ने बताया कि इस फंड का उपयोग लोन ग्रोथ को बढ़ावा देने, अपनी बैलेंस शीट को मजबूत करने और कॉमन इक्विटी टियर-1 कैपिटल को बेहतर बनाने के लिए किया जाएगा। क्यूआईपी को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए एसबीआई ने छह निवेश बैंकों की मदद ली। इसके अलावा एसबीआई के सेंट्रल बोर्ड ने वित्त वर्ष 2026 में प्राइवेट प्लेसमेंट के जरिए लगभग 3 बिलियन डॉलर (लगभग 25,000 करोड़ रुपये) जुटाने को मंजूरी दी है। जून में शेयरधारकों ने भी इस प्रस्ताव को स्वीकृति दी थी।

सोने की कीमत में बीते 6 वर्षों में 200 प्रतिशत की बढ़ोतरी

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार बीते छह वर्षों में सोने की कीमतों में करीब 200 प्रतिशत की तेजी आई है। मई 2019 से जून 2025 तक 10 ग्राम सोने की कीमत 30,000 से बढ़कर लगभग 1,00,000 के करीब पहुंच गई है। बाजार के जानकारों ने बताया कि सोने की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रहेगा, लेकिन मौजूदा उच्च स्तर से आगे बढ़ने के लिए बाजार को नए महत्वपूर्ण कारकों की जरूरत है। फिलहाल कीमतों में स्थिरता या कंसोलिडेशन की संभावना बनी हुई है। सोना-चांदी के दामों में तेजी कारोबारी हफ्ते के पहले दिन भी जारी रही। इंडिया बुलियन ज्वेलर्स एसोसिएशन (आईबीजेए) द्वारा जारी ताजा कीमतों के अनुसार, 24 कैरेट सोने की कीमत 790 बढ़कर 98,896 प्रति 10 ग्राम हो गई, जबकि 22 कैरेट सोना 90,589 और 18 कैरेट सोना 74,172 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। चांदी की कीमत 765 की बढ़ोतरी के साथ 1,13,465 प्रति किलो हो गई है। चांदी ने हाल ही में 14 जुलाई को 1,13,867 प्रति किलो का रिकॉर्ड तोड़ा था। ल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने और चांदी के वायदा अनुबंध की कीमतों में तेजी दर्ज की गई। सोने के अगस्त 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.67 प्रतिशत बढ़कर 98,685 और चांदी के सितंबर 2025 कॉन्ट्रैक्ट की कीमत 0.93 प्रतिशत बढ़कर 1,14,001 हो गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में उछाल देखा गया। कॉमैक्स पर सोना 0.71 प्रतिशत बढ़कर 3,382.10 प्रति औंस और चांदी 1.16 प्रतिशत बढ़कर 38.91 प्रति औंस पर पहुंच गई। इस तरह, सोना-चांदी दोनों की कीमतें उच्च स्तर पर बनी हुई हैं, लेकिन आगे की तेजी के लिए नए आर्थिक या राजनीतिक कारकों का उभरना आवश्यक है।

रखरखाव के अभाव में शासकीय संपत्तियाँ अपनी दुर्दशा पर बहा रही आंसू

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र में ऐसी अनेको शासकीय संपत्तियाँ है जो कि आज अपनी दुर्दशा पर आंसू बहा रहा है। रखरखाव के अभाव में यह संपत्तियाँ धराशायी हो रही है। बतादे कि लांजी क्षेत्र में विधायक निधि सांसद निधि सहित अनेको शासकीय मद से ग्रामों में यात्री प्रतिक्षालय, शौचालय, सामुदायिक भवन, अनेको शासकीय कार्यालय एवं आवास का निर्माण किया गया है। जब यह भवन या प्रतिक्षालय निर्मित होते है तो बडे ही जोर शोर से उक्त भवनों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया जाता है। उसके बाद इन भवनों, प्रतिक्षालयों, शौचालयो की जवाबदारी किसकी होती है यह आज तक ज्ञात नही हुआ। जबकि करोड़ो अरबो रूपयों की लागत से इन सभी का निर्माण कार्य पूर्ण हुआ है और आज देखा जाये तो यह इनकी सूध लेने वाला कोई नही है। यह अपनी दुर्दशा पर स्वयं ही आंसू बहा रहे। पंचायतों के सरपंच, जनप्रतिनिधि अपनी अपनी पंचायत क्षेत्र में विधायक सांसद से मांग करते है कि हमारे यहां सार्वजनिक शौचालय नही है, यात्री प्रतिक्षालय नही है, पानी टंकी नही है, सामुदायिक भवन नही है ऐसे अनेको कार्य के लिये मांग तो कर लेते है मांग पूर्ण भी हो जाती है लेकिन उसके बाद उसका रख रखाव कौन करेगा यह ज्ञात नही होता। जबकि यह जवाबदारी भी पंचायत की बनती है कि समय समय पर उन वस्तुओं का रखरखाव किया जाये ताकि वे उपयोग में आ सके। आज देखा जा रहा है कि अनेको यात्री प्रतिक्षालय में लोग अपने मवेशी बांध रहे, घरो का सामना दिखाई दे रहा है, किसी ने इसे सार्वजनिक मुत्रालय बना लिया है। किसी ने इसे अपना आश्रियाना बना लिया है। ऐसे अनेको उदाहरण क्षेत्र मे देखे जा सकते है लेकिन जिस उद्देश्य के लिये यह निर्मित हुये है वह यहां पूर्ण होते नजर नही आ रहा है। इसके अलावा इन प्रतिक्षालयो मे यह भी देखा जा रहा है कि यह शराब, जुंअे का अड्डा बन चुका है। इन सभी विषयो पर आज तक ना तो पंचायत प्रतिनिधि ध्यान दे रहे और ना ही अधिकारी वर्ग इस विषय पर ध्यान नही दे रहे है जिसका खामियाजा यह है कि आज शासन की करोड़ो अरबो रूपयो की राशि बर्बाद हो रही है।

ग्राम देवलगांव में सार्वजनिक शौचलय को असामाजिक तत्वों के द्वारा तोड़ा गया

ग्राम पंचायत देवलगांव में एक मात्र सार्वजनिक शौचालय का निर्माण गांधी चौक में निर्मित किया गया था। जिसे कुछ दिनों पूर्व रात्रि में किही असामाजिक तत्वो के द्वारा तोडा गया है। इस विषय को भी अधिकारी वर्ग संज्ञान में लेवे की शासकीय संपत्ति को नुकसान पंहुचाना भी कानूनी जुर्म है जिनके विरूद्ध दण्डात्मक कार्यवाही की जाती है। इस बात का पता लगाया जाये कि यह शौचालय किन लोगो ने तोड़ा या क्षतिग्रस्त किया है उनका पता लगाकर उन पर कानूनी कार्यवाही की जानी चाहिये।

उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम
किशोर-किशोरियों के लिए जागरूकता और परामर्श

लांजी (पद्मेश न्यूज)। शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कारंजा में उमंग स्कूल हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के तहत प्राचार्य आर.के. घोरमारे, उमंग एंबेसडर श्री चौधरी और उमंग परामर्शदाता शिव हरिनखेड़े द्वारा 10 से 19 वर्ष के किशोर-किशोरियों को किशोरावस्था में होने वाले शारीरिक, मानसिक, सामाजिक और भावनात्मक परिवर्तनों के बारे में जागरूक किया गया। इस दौरान हार्मोनल बदलावों के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं का सामना करने और भविष्य में सही निर्णय लेने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन, परामर्श और सहयोग पर जोर दिया गया। उमंग स्वास्थ्य केंद्र के माध्यम से किशोर-किशोरियों को पोषण, यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य, संचारी और गैर-संचारी रोग, मादक पदार्थों का दुरुपयोग, चोट, लिंग आधारित हिंसा और मानसिक स्वास्थ्य जैसे विषयों पर जानकारी दी जा रही है। इसके अतिरिक्त, केंद्र द्वारा निम्नलिखित सेवाएं प्रदान की जाती हैं। पोषण और स्वच्छता संबंधी परामर्श, शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य परामर्श, शैक्षणिक और कैरियर काउंसलिंग, विवाह पूर्व, गर्भनिरोधक और परिवार नियोजन परामर्श, पारिवारिक और व्यक्तिगत परामर्श, एमटीपी, तनाव, अवसाद और आत्मघात संबंधी परामर्श, प्रजनन और यौन संबंधी रोग (आरटीआई, एसटीआई, एचआईवी) निवारण परामर्श, नशीले पदार्थों के दुरुपयोग, एनीमिया, हिंसा, जोखिमयुक्त व्यवहार, माहवारी स्वच्छता, संचारी रोग (टीबी, लेप्रोसी) और गैर-संचारी रोग (मोटापा, मधुमेह, हाइपरटेंशन) संबंधी परामर्श यह सेवाएं स्कूल जाने वाले और ड्रॉपआउट किशोर-किशोरियों, विवाहित और अविवाहित दोनों के लिए उपलब्ध हैं। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत स्थानीय स्कूलों, कॉलेजों और आंगनबाड़ी केंद्रों में प्रत्येक मंगलवार और शुक्रवार को आउटरीच गतिविधियां आयोजित की जाती हैं। किशोर-किशोरियां किसी भी जानकारी या समस्या के लिए उमंग हेल्पलाइन नंबर 14425, मनहित हेल्पलाइन नंबर 14416 या जस्ट आस्क चैटबॉट (8657024841) के माध्यम से सहायता प्राप्त कर सकते हैं।

मोहारा के शिव टोला में खस्ताहाल सड़क से ग्रामीण परेशान, तत्काल मरम्मत की मांग

लांजी (पद्मेश न्यूज)। जनपद पंचायत लांजी के अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहारा के शिव टोला में हिरू बाई के मकान से पुलिया तक जाने वाली पंचायत सड़क की हालत बेहद खराब हो चुकी है। यह सड़क पिछले कई वर्षों से उपेक्षा का शिकार रही है, जिसके कारण ग्रामीणों और विशेषकर स्कूल जाने वाले बच्चों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मार्ग के खराब होने के कारण स्कूल बस बस्ती में नहीं आती। बच्चे टाई, बेल्ट लगाकर एवं हाथ में जूता मोजा पकड़कर इंग्लिश मीडियम स्कूल में पढ़ने जाते हैं। मुख्य मार्ग पर निकलकर हाथ पैर धोकर मोजा जूता पहनकर फिर स्कूल जाते हैं। गांवों में शिक्षा का स्तर सुधरा है एवं हर कोई अपने बच्चों को अच्छे स्कूल में पढ़ाना चाहता है, किन्तु पंचायत में ग्राम के विकास के लिए अच्छा फण्ड एवं ग्राम विकास की योजनाओं के बावजूद सड़कों की हालत खस्ता ही बनी हुई है। वार्ड पंच संतुरा बाई दांदरे ने बताया कि उन्होंने मौखिक रूप से कई बार पंचायत को इस सड़क की मरम्मत के लिए अवगत कराया, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। मजबूरीवश ग्रामीणों ने अब लिखित शिकायत दर्ज की है और तत्काल मरम्मत की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि बारिश के दिनों में कीचड़ और पानी से भरे गड्ढे न केवल आवागमन को मुश्किल बनाते हैं, बल्कि दुर्घटना का खतरा भी बढ़ाते हैं। इस सड़क से गुजरने वाले पैदल यात्रियों, बच्चों और वाहन चालकों को रोजमर्रा की जिंदगी में भारी असुविधा हो रही है। साकेत हिरवाने, अनिल पांचे, फागु जोशी, कुलेश्वर चंदेले, संजय पांचे, केसरीमल पांचे, रीना पन्द्रे, कौशल इनवाती, प्रेमलाल दांदरे, मदनलाल दांदरे, सीमा ठाकरे, सुनीता उइके, हिरकन बिसेन, शेखर सहारे, राकेश मिसारे, पूर्णिमा मिसारे, लताबाई मिसारे सहित कई ग्रामीणों ने पंचायत पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि इस मार्ग की शीघ्र मरम्मत कर इसे चलने योग्य बनाया जाए, ताकि क्षेत्र के निवासियों और बच्चों को राहत मिल सके।

जन्मदिन पर बच्चों के बीच खुशियां बांटने का अनूठा प्रयास
वनग्राम कादला में निःशुल्क शैक्षणिक सामग्री का किया वितरण

लांजी (पद्मेश न्यूज)। लांजी क्षेत्र के वनग्राम कादला में 22 जुलाई 2025 को एक अनूठा और प्रेरणादायक आयोजन हुआ, जहां सामाजिक कार्यकर्ता प्रनिल पटले, जो ग्राम भोरगढ़, किन्ही तहसील खैरलांजी के निवासी हैं, ने अपना जन्मदिन बच्चों के बीच खुशियां बांटते हुए मनाया। इस अवसर को विशेष बनाने के लिए प्रनिल ने प्राथमिक शाला कादला में पढ़ने वाले सभी छात्र-छात्राओं को शैक्षणिक सामग्री निःशुल्क वितरित की। इस नेक पहल ने न केवल बच्चों के चेहरों पर मुस्कान बिखेरी, बल्कि समाज के लिए एक सकारात्मक संदेश भी दिया। प्रनिल पटले ने अपने जन्मदिन को यादगार बनाने के लिए प्राथमिक शाला के बच्चों को चार-चार कॉपियां, पेन, पेंसिल, रबर, कटर, बैग और ट्रॉफी प्रदान की। यह वितरण न केवल बच्चों की शैक्षणिक जरूरतों को पूरा करने में सहायक होगा, बल्कि उन्हें पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित भी करेगा। इस आयोजन में उनके साथ आदर्श दानपात्र सेवा समिति, बालाघाट और आकाश मार्ट, लांजी के सहयोगियों ने भी महत्वपूर्ण योगदान दिया, जिससे इस पहल को और व्यापक स्वरूप मिला। यह आयोजन बच्चों के लिए एक प्रेरणादायक पल साबित हुआ। प्रनिल का यह प्रयास दर्शाता है कि जन्मदिन जैसे व्यक्तिगत अवसरों को सामाजिक कार्यों के माध्यम से समाज के लिए उपयोगी बनाया जा सकता है। इस अवसर पर शाला परिवार की ओर से प्रधान पाठक श्री गुर्दे और प्राथमिक शिक्षक राजेंद्र मेश्राम ने प्रनिल पटले और उनके सहयोगियों के इस सराहनीय कार्य के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रनिल के मंगलमय और स्वस्थ जीवन की कामना करते हुए उनके इस कार्य को समाज के लिए एक आदर्श उदाहरण बताया। यह आयोजन न केवल बच्चों के लिए शैक्षणिक सामग्री का उपहार लेकर आया, बल्कि समाज में शिक्षा के प्रति जागरूकता और सामाजिक सहयोग की भावना को भी बढ़ावा दिया। प्रनिल पटले का यह प्रयास अन्य लोगों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन सकता है, जो अपने विशेष अवसरों को सामाजिक कल्याण के लिए समर्पित करना चाहते हैं।

श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी का बी.कॉम. (कंप्यूटर एप्लीकेशन) द्वितीय वर्ष का परीक्षा परिणाम रहा शत-प्रतिशत

लांजी (पद्मेश न्यूज)। राजा शंकर शाह विश्वविद्यालय, छिंदवाड़ा द्वारा 21 जुलाई 2025 को घोषित बी.कॉम. (कंप्यूटर एप्लीकेशन) द्वितीय वर्ष के परीक्षा परिणाम में श्री लक्ष्मीकान्ता कॉलेज ऑफ टेक्नालॉजी, लांजी ने शत-प्रतिशत परिणाम हासिल किया। छात्रा नमरा खान ने 79 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान, अभिषेक कचवाहे और यितेष कुमार मातरे ने 77.5 प्रतिशत अंकों के साथ संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान, तथा आकाश बुढ़ावने ने 75 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त, 60 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों में आरती सहारे, आर्यन करहिे, आकाश रणदिवे, आकाश करहिे, अंजली यादव, भूमिका चौधरी, देवांशु कोठारे, देवेंद्र नखाते, जतीन बिल्हारे, ललित ठाकरे, मंजु कावरे, मोनिका देवाहे, निर्भय टांडेकर, पंकज पांचे, प्रणव नेवारे, प्रीति राणे, राहुल आचरे, रीना उईके, रितु नागफासे, रोशनी पांचे, रोशनी खेरे, रोशनी मंडलवार, सपना भोंडे, तरुण कावरे और वर्षा ठाकरे शामिल हैं। महाविद्यालय के संस्थापक लक्ष्मीचंद करहिे, संचालक किशोर कुमार करहिे, गुलाबचंद बड़घैया, डॉ. ताराचंद बड़घैया, श्रीराम करहिे, प्राचार्य, समस्त शैक्षणिक व अशैक्षणिक स्टाफ ने सभी सफल छात्रों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

दिव्यांग जन कल्याण संघ का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। दिव्यांग जन कल्याण संघ की प्रबंध कार्यकारिणी और साधारण सभा का तीन वर्षीय कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत 9 जुलाई 2025 को निर्वाचन संपन्न हुआ। इसके पश्चात संघ कार्यालय में विधिवत शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया। समारोह का शुभारंभ राष्ट्रगान और महापुरुषों के चित्रों पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। निर्वाचन अधिकारी प्रोफेसर रेवाजी करहाटकर ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों में अध्यक्ष तन्मय जगदीश मिश्रा, उपाध्यक्ष श्री वीरेंद्र ठाकरे, सचिव रूपेश कुमार कुथे, कोषाध्यक्ष कु. सुनीता बिसेन, संयुक्त सचिव सुश्री अनीता उईके और सदस्य जगदीश मिश्रा ने शपथ ग्रहण की। समारोह में संघ के संरक्षक लक्ष्मण छुट्टानी, श्रीमती परमिला देवीचरण ठाकरे, केदारनाथ ऐंडे, सुश्री पारूल ठाकरे, राजकुमार बेदरे, श्रीमती परमिला पारधी, सतीश डोल्हारे, सुश्री सलिता ठाकरे, दिव्य रत्न पुरस्कार से सम्मानित श्रीमती सत्यभामा अशोक बिसेन, महेंद्र तेलासकर सहित अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे। शपथ ग्रहण के पश्चात सभी पदाधिकारियों ने संघ के नियमों के अनुसार अपना पदभार ग्रहण किया।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

मोहन कैबिनेट में कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को मिली मंजूरी

किसानों को समय पर मिलेगा खाद

मप्र में बनेगा विश्वस्तरीय डाटा सेंटर, ग्वालियर-उज्जैन व्यापार मेले में 50 प्रतिशत की छूट

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक हुई। जिसमें कई अहम फैसलों पर मुहर लगी। वहीं मुख्यमंत्री ने खाद को लेकर प्रभारी मंत्रियों को अहम दिशा निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि समय पर किसानों को खाद मिले। इसके साथ ही नकली खाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश भी दिए हैं।

मंगलवार को डॉ. मोहन यादव की कैबिनेट बैठक हुई। जिसमें गांधी सागर बांध से जुड़े पावर जेनरेशन प्लांट के अपडेशन से जुड़े प्रस्ताव को मंजूरी मिली है। 40 साल से चल रहा इसकी आयु पूरी होगी नवीनीकरण के तहत 464 करोड़ की लागत होगी, 30 फीसदी सरकार देगी, जबकि बाकी राशि लोन से मिलेगी। ग्वालियर और उज्जैन व्यापार मेले में सरकार ने 50 प्रतिशत की छूट दी थी जिसका अनुमोदन कैबिनेट ने किया है।

मप्र बनेगा विश्वसनीय डेटा सेंटर का हब

कैबिनेट बैठक के फैसलों की जानकारी देते हुए नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने विदेश दौरे के दौरान डेटा सेंटर्स का निरीक्षण किया है। इसी कड़ी में मध्य प्रदेश में विश्वसनीय डेटा सेंटर्स विकसित करने की योजना पर विचार हुआ है। डेटा एक्सचेंज और विकास से जुड़े इस सिस्टम में शोधकर्ता और नीति-निर्माता भी शामिल होंगे। यह प्रयास एमपी को एक डेटा-सक्षम और सुरक्षित राज्य के रूप में पहचान दिलाएगा।

गांधी सागर जल विद्युत गृह 464 करोड़ में होगा अपग्रेड

मंत्री विजयवर्गीय ने बताया कि कैबिनेट में एमपी पावर जनरेटिंग कंपनी द्वारा गांधी सागर जल विद्युत गृह के अपग्रेडेशन को मंजूरी दी गई है। यहां राणा प्रताप राजस्थान द्वारा 75 मेगावाट का प्लांट भी संचालित किया जा रहा है। एमपी के हिस्से के 115 मेगावाट संयंत्र की क्षमता अब बढ़ाई जा रही है। 40 साल पुराने इस प्लांट के आधुनिकीकरण पर 464 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसमें सरकार का 30 प्रतिशत हिस्सा होगा, शेष राशि लोन से जुटाई जाएगी।

बिजली दरों की चिंता तो सोलर एनर्जी अपनाएं

अगर किसी को बिजली की दरों को लेकर चिंता है, तो वह सोलर एनर्जी की ओर रुख करे। सोलर से न केवल खुद के लिए सस्ती बिजली मिल सकती है, बल्कि इसे बेचकर आमदनी भी की जा सकती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पीएम सोलर सूर्यघर योजना के तहत आमजन को सस्ती सौर ऊर्जा की सुविधा दी है। इसका लाभ उठाया जा सकता है। मंत्री विजयवर्गीय ने यह बात एक पत्रकार के सवाल के जवाब में कही, जिसमें पूछा गया था कि क्या मेट्रो किराए में बदलाव को लेकर कोई निर्णय लिया गया है?

उज्जैन व्यापार मेले में 50 प्रतिशत छूट

विजयवर्गीय ने बताया कि उज्जैन में आयोजित होने वाले व्यापार मेले में ऑटोमोबाइल सेक्टर को 50 प्रतिशत की छूट दी गई है। ग्वालियर में यह सुविधा पहले से लागू है।

निजी स्कूलों में मनमानी और अवैध वसूली

- कांग्रेस कमेटी ने दिल्ली में की आयोग से शिकायत

भोपाल । मप्र कांग्रेस कमेटी के प्रदेश प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने दिल्ली पहुंचकर मप्र के निजी स्कूलों के खिलाफ राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (नई दिल्ली) के सदस्य प्रियंक कानूनगो के समक्ष शिकायत दर्ज कराई है। कमेटी का आरोप है कि प्राइवेट स्कूल बस्ते का बोझ बढ़ाकर बच्चों की सेहत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। वे अवैध वसूली, मनमानी, कमीशनखोरी और बच्चों के मौलिक अधिकारों का लगातार हनन कर रहे हैं।

त्रिपाठी ने शिकायत में लिखा है कि प्रदेश के अधिकतर निजी स्कूल शिक्षा के नाम पर खुलेआम व्यापार कर रहे हैं। अभिभावकों से प्रवेश शुल्क, वार्षिक शुल्क, कंप्यूटर शुल्क, स्मार्ट क्लास शुल्क, बिल्डिंग फंड जैसी मनमानी वसूली के साथ-साथ किताबें, ड्रेस, जूते, बैग आदि पर कमीशनखोरी कर करोड़ों रुपए की अवैध कमाई की जा रही है।

हर साल सिलेबस में फेरबदल

त्रिपाठी ने कहा कि बच्चों के भारी भरकम स्कूल बैग उनके मानसिक और शारीरिक सेहत के लिए बिल्कुल भी उचित नहीं हैं। शासन के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद स्कूल प्रबंधन हर साल किताबों की संख्या और सिलेबस में फेरबदल कर रहा है । त्रिपाठी ने आरोप लगाया कि शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन की इन स्कूलों की अवैध गतिविधियों में पूरी तरह से मिलीभगत है। जांच और निरीक्षण केवल कागजों तक सीमित हैं। भोपाल कलेक्टर द्वारा बनाई गई जांच कमेटी भी आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पाई है।

भोपाल नगर निगम अध्यक्ष ने सीएम को पत्र लिखकर मांग की

हमीदिया अस्पताल, कॉलेज-स्कूल राष्ट्रभक्तों के नाम से हो

भोपाल। भोपाल नगर निगम परिषद की 24 जुलाई को होने वाली बैठक में नाम बदलने को लेकर दो प्रस्ताव आएंगे। एक पुराने अशोका गार्डन का नाम राम बाग और दूसरा विवेकानंद पार्क के पास के चौराहे का नाम विवेकानंद चौक करना है। इस बीच राजधानी में अस्पताल, कॉलेज और स्कूल के नाम बदलने को लेकर सियासत भी तेज हो गई है।

निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने हमीदिया अस्पताल, कॉलेज और स्कूल का नाम बदलने की मांग की है। उनका कहना है कि इसके लिए वे मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिख चुके हैं। अब व्यक्तिगत रूप से भी मिलूंगा और नाम बदले जाने की मांग करुंगा। नाम बदलने के मुद्दे पर दैनिक भास्कर ने निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी से बात की और जाना कि आखिर उन्होंने यह मांग क्यों उठाई?

सबसे पहले जानिए पत्र में क्या लिखा

निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने सीएम को लिखे पत्र में नवाब हमीउल्ला के नाम से भोपाल में संचालित हमीदिया अस्पताल, कॉलेज और स्कूल का नाम बदलकर राष्ट्रभक्तों के नाम से किए जाने की मांग की। पत्र में लिखा कि निगम को सडकों और चौराहों के नामकरण करने का अधिकार है। इसलिए सितंबर-23 में हमीदिया रोड का नाम बदलकर गुरुनानक मार्ग कर दिया गया है। चूंकि, स्कूल, कॉलेज और अस्पताल समेत अन्य संस्थाओं के नाम परिवर्तन करने का अधिकार भोपाल निगम को नहीं है। इसलिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव इन्हें बदलें।

पाकिस्तान जाना चाहते थे हमीउल्ला

निगम अध्यक्ष सूर्यवंशी ने बताया कि नवाब हमीउल्ला भारत भक्त नहीं बल्कि पाकिस्तान परस्त थे। वे भोपाल रियासत को पाकिस्तान में शामिल कराना चाहते हैं। नवाब हमीउल्ला ने तिरंगा फरहाने वाले पोस्ट मास्टर को गिरफ्तार कराया था। वह पाकिस्तान जाकर वहां के वजीर बनना चाहते थे। साथ ही विलिनिकरण आंदोलन करने वाले देशभक्तों पर गोलियां चलवाई थी। इसमें छह लोग शहीद हुए थे। यह इतिहास, तथ्य और प्रमाण तीनों ही है। इससे स्पष्ट होता है कि नवाब की निष्ठा भारत से अधिक पाकिस्तान से थी।

शिक्षकों की लगेगी क्लास, ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना सीखेंगे

24 से 28 जुलाई के मध्य भोपाल में दिया जाएगा प्रशिक्षण

भोपाल। सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति एजुकेशन पोर्टल पर दर्ज नहीं हो रही है। प्रदेश में महज 10 से 15 फीसदी शिक्षक ही ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करा पा रहे हैं। शिक्षकों को तकनीकी दिक्कत दूर कराने की लिए के लिए अब उन्हें प्रशिक्षण दिया जाना तय किया गया है। 24 से 28 जुलाई के मध्य भोपाल में ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कराने के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा।

शिक्षकों को अनिवार्य रूप से ऑनलाइन उपस्थिति के 1 जुलाई से आदेश लागू है। अब संचालक लोक शिक्षण के के द्विवेदी के हस्ताक्षर से 21 जुलाई को जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि शिक्षकों को ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में आ रही दिक्कतों को दूर किया जाएगा और इसके लिए प्रत्येक जिले से एक प्राचार्य, एक व्याख्याता और एक उच्च माध्यमिक शिक्षक को मास्टर ट्रेनर के रूप में प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह प्रशिक्षण भोपाल के होटल पलाश में आयोजित हो रहा है, जो 24, 25, 26 और 28 जुलाई को होना है। आला अधिकारी इस बात की भी चर्चा कर रहे हैं कि प्रशिक्षण पहले आयोजित करना था, फिर नियम लागू करते तो ज्यादा बेहतर परिणाम आते।

महिला बाल विकास विभाग की पहल... अभाव में अवसर तलाशा

- 45 हजार का खर्च... मिले सिर्फ 16 हजार... आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ही वाटर हार्वेस्टिंग इंजीनियर बनाएंगे

कम खर्चे में अब केंद्र को हाईटेक बनाएंगी कार्यकर्ता, हैंड होल्डिंग सपोर्ट दे गए निगम के इंजीनियर

भोपाल। आंगनवाड़ी केन्द्रों को सक्षम आंगनवाड़ी बनाने के लिए भारत सरकार ने वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाए जाने की शर्त रखी है, लेकिन इसके लिए प्रत्येक आंगनवाड़ी केंद्र के हिसाब से मात्र 16000 रुपए की मंजूरी दी है, जबकि हार्वेस्टिंग सिस्टम का खर्च प्रति आंगनवाड़ी के हिसाब से लगभग 45000 रुपए आ रहा है। इस कमी को पूरा करने के लिए अभाव का रोना रोने के बजाए महिला एवं बाल विकास विभाग इंदौर ने अभिनव पहल की है। प्रदेश में ऊंची-ऊंची इमारत में वाटर रिचार्जिंग पॉइंट और हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने वाले इंजीनियर अब आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ही ट्रेंड करेंगे और यह महिलाएं कम खर्चे में ही जुगाड़ से अपनी-अपनी आंगनवाड़ी को सक्षम बनाएंगी।

आंगनवाड़ी केन्द्रों का सक्षम आंगनवाड़ी केन्द्रों में उन्नयन करने हेतु निर्धारित घटकों में रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम स्थापित करना भी शामिल किया गया है। पूरे देश में पहली बार आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को इंजीनियर बनाने की पहल की जा रही है। सरकार के निर्देशानुसाररेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना का काम जिला जलशक्ति केन्द्र , केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड, मप्र के मार्गदर्शन तथा तकनीकी सहयोग से करवाया जाना है। लागत अधिक होने के कारण विभाग ने यह निर्णय लिया कि जुगाड़ से महिलाओं को हुनर देकर काम कराया जाए, ताकि आने वाले समय में महिलाओं के हाथ में खुद को सशक्त बनाने के लिए एक हुनर भी शामिल हो जाएगा। आंगनवाडी केंद्रों को सक्षम आंगनवाड़ी केंद्रों में अपग्रेड करने के लिए रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने के साथ कई अन्य मानक भी निर्धारित किये गए हैं।

आंगनवाड़ी एवं पोषण 2.0 अन्तर्गत प्राप्त गाइडलाइन में भारत सरकार पोषण वाटिका, पोषण आहार जैसे की पैरामीटर जांच रहा हैं। यह काम पूरा करने के बाद जानकारी विभागीय सम्पर्क ऐप में छायाचित्र के साथ अपलोड करनी है।

सरकारी एजेंसियों ने हाथ खड़े किए

विभागीय सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पीएचई व ग्रामीण यंत्रिकीय सेवा ने 16 हजार में काम करने के लिए हाथ खड़े कर दिए थे, वहीं निजी एजेंसियों ने भी इतनी कम लागत में कोई तैयार नहीं हो रहा था। लागत अधिक होने के कारण विभाग ने जुगाड़ से काम करने की तकनीक को अपनाया और महिलाओं के हाथों में ही हुनर देने की ठानी। अब यह महिलाएं घर में पड़े सामान व कम खर्चे में जरूरी सामान खरीदकर रेन वाटर हार्वेस्टिंग लगाएंगी और शहर के भूजल स्तर को बढ़ाने में अहम भूमिका अदा करेंगी। नगर निगम व जिला पंचायत के सलाहकार इंजीनियर बड़ी-बड़ी बिल्डिंगों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम लगाने का काम कर रहे हैं। उनके निर्देशन में ही सरकारी भवनों में काम कराए जा रहे हैं, वही कई एनजीओ भी यह काम कर रहे हैं, जिसे देखते हुए विभाग ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को ट्रेंड करने की जिम्मेदारी भी इन्हें ही सौंपी है। ज्ञात हो कि रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की स्थापना हेतु सांकेतिक डिजाइन सरकार द्वारा भेजा गया है।

कूनो में बारिश से बढ़ी चीतों की मुश्किलें

पानी भरे गड्ढों-दलदली जमीन में फंसने का मंडरा रहा खतरा

भोपाल। कूनो नेशनल पार्क में लगातार हो रही भारी वर्षा ने एक बार फिर चीतों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ा दी है। सबसे बड़ी चिंता की बात यह है कि मादा चीता आशा और उसके तीन शावक रविवार को पार्क की सीमा पार कर बागचा क्षेत्र की ओर निकल गए। इस समय जंगल में चारों ओर जलभराव और दलदल जैसी स्थिति है, जिससे ट्रैकिंग में भारी बाधा आ रही है।

पार्क की सीमा पार कर चुके चीतों के सामने नहर में डूबने और गड्ढों में फंसने का खतरा बना हुआ है। उल्लेखनीय है कि पिछले साल चीता पवन की मौत पानी से भरे एक गड्ढे में गिरने से हो चुकी है। इसी को ध्यान में रखते हुए, वन विभाग की टीम विशेष सतर्कता बरत रही है, लेकिन वर्षा और रास्तों के बाधित होने के कारण ट्रैकिंग बेहद मुश्किल हो गई है।

गाड्‌र्स और ट्रैकर्स की सीमाएं

हालांकि सभी चीतों के गले में कालर आइडी लगे हुए हैं, फिर भी ट्रैकिंग टीमें बारिश के चलते मौके पर जल्दी नहीं पहुंच पा रहीं। पानी से भरे रास्तों और कीचड़ के कारण न तो गाडियों से पहुंचना संभव है और न ही पैदल ट्रैकिंग आसान रह गई है। इसी कारण, ट्रैकर्स और वनरक्षकों ने एक प्रस्ताव प्रबंधन के सामने रखा है कि मानसून खत्म होने तक चीतों को सुरक्षित बाड़ों में रखा जाए।

संक्रमण से बचाव के उपाय

कूनो डीएफओ थिरूकुरल आर ने बताया कि सभी चीतों को संक्रमण से बचाने के लिए एंटी एक्टो परजीवी दवा दी जा चुकी है। साथ ही लगातार निगरानी जारी है। कूनो नेशनल पार्क में इस समय कुल 26 चीते हैं, जिनमें 9 वयस्क (6 मादा, 3 नर) और 17 भारत में जन्मे शावक शामिल हैं। इनमें से 16 चीते अब खुले जंगल में विचरण कर रहे हैं।

शावकों के लिए स्थिति ज्यादा संवेदनशील

मादा चीतों के साथ मौजूद शावकों के लिए बारिश के मौसम में खुले जंगल में रहना और भी खतरनाक है। पानी भरे गड्ढों और दलदली जमीन में उनके फिसलने या फंसने का खतरा लगातार बना हुआ है। ट्रैकिंग रूट्स में पानी भरने से निगरानी टीमों की गतिविधि सीमित हो गई है, जो किसी भी आपात स्थिति में त्वरित सहायता में बाधा बन सकती है।

व्यापारियों पर मंडरा रहा टैक्स का खतरा

भोपाल। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) लागू हुए आठ साल हो चुके हैं, लेकिन इसके तकनीकी पोर्टल की समस्याएं अब भी समाप्त नहीं हुई हैं। उलटा, नए तरह की परेशानियों ने व्यापारियों की नींद उड़ा दी है। व्यापारी और करदाता डीआरसी-01 नोटिस का जवाब तय प्रक्रिया के अनुसार दे रहे हैं, लेकिन पोर्टल में वो जवाब रजिस्टर्ड ही नहीं हो रहा। ऐसे में विभाग एकपक्षीय कार्रवाई कर सकता है, जिससे अनुचित टैक्स की मांग निकलने का खतरा बना हुआ है।

जीएसटी के अंतर्गत जब टैक्स कम चुकाने या अनियमितता को लेकर विभाग डीआरसी-01 नोटिस जारी करता है, तो करदाता को इसका जवाब डीआरसी-06 फॉर्म में ऑनलाइन देना होता है। लेकिन बड़ी समस्या यह है कि जवाब देने के बाद भी वह पोर्टल पर रिकॉर्ड में प्रदर्शित नहीं हो रहा। इसका मतलब यह है कि करदाता भले ही सभी दस्तावेजों के साथ जवाब दे चुका हो, लेकिन विभाग को वह नहीं दिखता।

मनमानी टैक्स निर्धारण की आशंका

एमपी टैक्स ला बार एसोसिएशन ने इस गंभीर अव्यवस्था के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए एसजीएसटी आयुक्त को ज्ञापन सौंपा है। संगठन के अध्यक्ष अश्विन लखोटिया का कहना है कि अगर यह समस्या जल्द दूर नहीं की गई, तो कई करदाताओं पर बिना सुनवाई के ही एकतरफा टैक्स आदेश जारी हो सकते हैं। इससे व्यापारियों की छवि को नुकसान पहुंचेगा और उन्हें अनावश्यक कानूनी लड़ाइयों का सामना करना पड़ेगा।

करीब 8 दिन पहले कर सलाहकारों ने लिखित रूप में शिकायत दर्ज की थी, लेकिन अब तक कोई समाधान नहीं मिला है। विभाग की ओर से कहा गया है कि सभी व्यापारी जीएसटी पोर्टल के ग्रीवेंस सेल में अपनी समस्या दर्ज कराएं। परंतु अब तक ना तो पोर्टल पर कोई सुधार हुआ है और ना ही व्यापारियों को राहत मिली है। स्थानीय जीएसटी अधिकारियों का कहना है कि यह तकनीकी गड़बड़ी दिल्ली स्थित जीएसटी काउंसिल के अधिकार क्षेत्र में आती है। इसलिए समस्या का समाधान वहीं से होगा। फिलहाल मप्र के व्यापारी अनिश्चितता और

जनता दुबली और बीजेपी के नेता हो रहे मोटे

- कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने लगाया आरोप, कहा...

भोपाल। कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष मुकेश नायक ने पत्रकार वार्ता में किसान और खाद की किल्लत को लेकर सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि-अति वर्षा के चलते किसान परेशान है, किसानों के यूरिया नहीं मिल रही और कई जिलों में खाद की कालाबाजारी हो रही है। खाद के अभाव अतिबारिश से फसलों को नुकसान पहुंचा है, अधिकारी सर्वे करने नहीं पहुंचे है। सीहोर जिले के एक गांव क्षेत्र में किसान बैल की जगह खुद हल चला रहा है। सरकार को इस बारे में संज्ञान लेना चाहिए। फसल बीमा की राशि मध्य प्रदेश में नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि शहडोल के बाद महुगंज में फर्जी पेमेंट का मामला सामने आया है। एक ही वेंडर को समोसे, चाय, दरी, टेंट का पेमेंट दे दिए दे दिए। नायक ने कहा-जनता दुबली हो रही भाजपा के नेता मोटे हो रहे है। जनता परेशान है मंत्री 40 हजार के काजू खा रहे है। पूर्ण रूप से फर्जी तरीके से कार्यक्रमों की बिलिंग हो रही है। कांग्रेस का शिविर बेहतर चल रहा और 100 प्रतिशत विधायक मौजूद रहे। विधायक तरोताजा होकर विधानसभा में उतरेंगे। मैदानी ढांचा तैयार किया जाएगा। सरकार को जागरूक करने वाली विपक्ष की भूमिका मानसून सत्र में धारदार होगी।

मप्र नीट यूजी काउंसलिंग के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू

- मनचाहा एडमिशन दिलाने के लिए बिचौलिए सक्रिय

भोपाल। मप्र में नीट यूजी स्टेट लेवल काउंसलिंग की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 21 जुलाई से रजिस्ट्रेशन के लिए पोर्टल खोल दिया गया है। नीट काउंसलिंग शुरू होते ही, जालसाज सक्रिय हो गए हैं, जिसके कारण चिकित्सा शिक्षा निदेशालय ने एक एडवाइजरी जारी की है। डीएमई ने छात्रों और अभिभावकों को आगाह किया है कि वे किसी भी बिचौलिए या दलाल के झांसे में न आएं जो काउंसलिंग प्रक्रिया में मदद करने के नाम पर पैसे की मांग करते हैं। दरअसल, हर साल काउंसलिंग शुरू होते ही बिचौलिए छात्रों को मनचाहा एडमिशन दिलाने के लिए सक्रिय हो जाते हैं और ठगी करते हैं।

गौरतलब है कि मप्र चिकित्सा शिक्षा विभाग एमपी नीट यूजी काउंसलिंग 2025 के पहले राउंड के लिए रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया 21 जुलाई से शुरू कर दी है। आवेदन करने की अंतिम तिथि 29 जुलाई है। रिक्त सीटों पर आपत्तियों का भी निपटारा 29 जुलाई को किया जाएगा। इसके बाद आपत्तियों का निपटारा और अंतिम रिक्तियों की सूची 30 जुलाई को जारी होगी। फिर चॉइस फिलिंग और लॉकिंग की प्रक्रिया 31 जुलाई से 4 अगस्त तक चलेगी।पहली राउंड की काउंसलिंग का सीट अलॉटमेंट रिजल्ट 6 अगस्त को जारी होगा। फिर कैंडिडेट अलॉट हुए मेडिकल/डेंटल कॉलेज में डॉक्यूमेंट वेरीफिकेशन और एडमिशन के लिए 7 अगस्त से 11 अगस्त तक रिपोर्ट कर सकेंगे। डीएमई ने छात्रों और अभिभावकों को सलाह दी है कि वे किसी भी ऐसे व्यक्ति पर भरोसा न करें जो काउंसलिंग प्रक्रिया में मदद करने का वादा करता है और इसके लिए पैसे मांगता है।

पहले दिन तीन हजार से अधिक रजिस्ट्रेशन

बताया जा रहा है पहले दिन तीन हजार से ज्यादा अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन करा लिया है। इस बीच संचालक चिकित्सा शिक्षा ने छात्र व छात्राओं के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। जिसमें अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि वह किसी भी फोन कॉल या विज्ञापन के झांसे में न आएं। दरअसल इन दिनों सोशल मीडिया और अंजान फोन नंबर के जरिए मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस और बीडीएस सीट दिलाने का दावा किया जा रहा है। इसमें कैंडिडेट से लाखों रुपए के बदले में सीट देने की गारंटी है। ऐसी कई शिकायतें पूर्व में भी सामने आ चुकी हैं। ऐसे ही मामलों को देखते हुए संचालनालय ने एडवाइजरी जारी की है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय ने काउंसलिंग नियमों में स्पष्ट किया है कि सैनिक कोटा के तहत दिए जाने वाले आरक्षण में सिर्फ थल, जल और नौ सेना के लोगों को ही लाभ दिया जाता है। इसके अलावा किसी भी प्रकार के पैराफोर्सेस जैसे सीआरपीएफ, बीएसएफ को इस आरक्षण का लाभ नहीं है। अभ्यर्थियों को सलाह दी गई है कि सभी अभ्यर्थी अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नबंर, ईमल आईडी, रोल नबंर, नीट एप्लीकेशन नबंर, बैंक डिटेल इत्यादि किसी भी अन्य व्यक्ति और क्योस्क आदि से साझा न करें। धोखाधड़ी से बचने अभ्यर्थी किसी भी दलाल, काउंसलर के झांसे में न आएं।

जीत दर्ज कर सीरीज में वापसी के इरादे से उतरेगी

मैनचेस्टर। भारतीय टीम यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में जीत हासिल कर सीरीज में वापसी करने के इरादे से उतरेगी। अभी भारतीय टीम इस सीरीज में 1-2 से पीछे है। आंकड़ों पर नजर डाले तो इस मैच में भारतीय टीम की राह आसान नहीं रहेगी क्योंकि उसे यहां आज तक एक भी जीत नहीं मिली है। इस मैदान पर भारतीय टीम ने अभी तक नौ मैच खेले हैं जिनमें से चार में उसे हार का सामना करना पड़ा जबकि बाकी पांच मैच ड्रॉ रहे। भारतीय टीम के कई खिलाड़ी चोटिल होने के कारण इस मैच से बाहर है जिसका नुकसान भी उसे उठाना पड़ेगा हालांकि इसके बाद भी टीम जीत दर्ज करने के लिए कोई कसर नहीं रखेगी। युवा कप्तान शुभमन गिल और उनकी टीम का लक्ष्य इस मैदान पर पहली जीत दर्ज कर इससे जुड़े हार के मिथक को तोड़ना रहेगा। इसके लिए टीम को अपनी रणनीति में भी थोड़ा बदलाव करना होगा। लीड्स में पहले टेस्ट के बाद भारत ने अंतिम एकादश में तीन ऑलराउंडरों को शामिल किया था। इनमें नीतीश रेड्डी भी शामिल थे, जो घुटने की चोट के कारण अब इस मैच और सीरीज से ही बाहर हो गए हैं। ऐसे में टीम को उनकी कमी पूरी करनी होगी। वहीं रवींद्र जडेजा और वॉशिंगटन सुंदर जैसे दो स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रहने से भारतीय टीम के पास आठवें नंबर तक बल्लेबाज़ी रहेगी। इंग्लैंड वर्तमान श्रृंखला में अभी 2-1 से आगे चल रहा है और अगर भारत को पांच मैच की इस सीरीज में अपनी उम्मीदें बनाये रखनी हैं तो उसे यहां जीत हासिल करनी होगी।

सीरीज का पहला टेस्ट मैच खेलने वाले अनुभवी ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर को इस मैच में रेड्डी की जगह अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है हालांकि इस बार उनकी बल्लेबाजी लय में नजर नहीं आ रही। अगर उन्हें टीम में लिया जाता है तो उन्हें गेंदबाज़ी में भी अपना प्रदर्शन बेहतर करना होगा क्योंकि रेड्डी ने लॉर्ड्स में तीसरे टेस्ट में दबाव के बीच में विकेट लिए थे। भारतीय टीम इस मैच में लीड्स के संयोजन को एक बार फिर आजमा सकती है, जिसमें उसके पास जडेजा के रूप में केवल एक स्पिनर था और छठे नंबर तक विशेषज्ञ बल्लेबाज थे, जिसमें बल्लेबाज करुण नायर और साई सुदर्शन को भी अंतिम ग्यारह में जगह मिली थी। इसके अलावा प्रसिद्ध कृष्णा और कवर के तौर पर शामिल नए तेज़ गेंदबाज़ अंशुल कंबोज को भी अंतिम एकादश में शामिल किया जा सकता है। अगर आकाश दीप कमर की चोट से पूरी तरह उबर नहीं पाते हैं, तो इनमें से कोई भी उनकी जगह ले सकता है।

आकाश की तरह ही कंबोज भी तेज गेंदबाजी करते हैं। वह भारत ए के इंग्लैंड दौरे का भी हिस्सा थे और इस तरह से यहां के हालातों को जानते हैं। वहीं तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज का अंतिम एकादश में जगह बनाना तय है। लॉर्ड्स में भारतीय बल्लेबाज असफल रहे थे, इसलिए अगर टीम को वापसी करनी है तो कप्तान शुभमन और अन्य बल्लेबाजों को बड़ी पारियां खेलनी होंगी। इस मैच में बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर से सावधान रहना होगा। आर्चर ने चार साल बाद वापसी करते हुए यशस्वी को दो बार आउट किया। इसके अलावा इस सीरीज में अच्छी बल्लेबाजी कर रहे केएल राहुल को ये सिलसिला बनाये रखना होगा। विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत भी अपनी उंगली की चोट से पूरी तरह उबर चुके हैं जो टीम के लिए राहत की बात है।

इस मैच में अगर करुण नायर को एक और मौका मिलता है, तो वह बड़ी पारी खेलने के लिए पूरी ताकत लगा देंगे। वहीं इस सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन कर लगातार चार अर्धशतक लगाने वाले जडेजा के ऊपर इस मैच में भी बड़ी जिम्मेदारी रहेगी। उन्हें इस मैच में गेंदबाजी में भी विकेट लेने होंगे। भारतीय टीम ने इस मैदान पर अंतिम बार साल 2014 में खेला था।

वहीं दूसरी ओर मेजबान टीम इंग्लैंड इस मैच में अपनी बढ़त बनाये रखना चाहेगा। मेजबान टीम ने अपनी टीम में केवल एक बदलाव के तौर पर स्पिनर शोएब बशीर की जगह लियाम डॉसन को शामिल करना है। बाएं हाथ के इस स्पिनर ने इंग्लैंड के लिए अपना आखिरी मैच जुलाई 2017 में खेला था। यहां पिछले दिनों से हो रही बारिश के कारण पिच से तेज गेंदबाजों को सहायता मिल सकती है। मेजबान टीम की बल्लेबाज जो रुट , हैरी ब्रुक और बेन डेकेट पर आधारित रहेगी जबकि गेंदबाजी की कमान आर्चर के अलावा ब्रायडन कार्स और क्रिस वोक्स के पास रहेगी।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं:-

भारत- शुभमन गिल (कप्तान), ऋषभ पंत (उपकप्तान और विकेटकीपर), यशस्वी जयसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, अभिमन्यु ईश्वरन, करुण नायर, रवींद्र जडेजा, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), वॉशिंगटन सुंदर, शार्दुल ठाकुर, जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, आकाश दीप, कुलदीप यादव, अंशुल कंबोज।

इंग्लैंड - बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप (उप-कप्तान), जो रूट, हैरी ब्रुक, जेमी स्मिथ (विकेट कीपर), लियाम डॉसन, क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोफ्रा आर्चर।

बीसीसीआई के एसीसी बैठक के बहिष्कार से एशिया कप पर खतरा मंडराया

पीसीबी को होगा भारी नुकसान

मुम्बई। इस साल होने वाले एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट को लेकर संशय बना हुआ है। इस कारण ये है कि 24-25 जुलाई को ढाका में होने वाली एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) की सालाना आम बैठक (एजीएम) होनी है पर भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इसमें भाग लेने से इंकार कर दिया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान बोर्ड भी इस बैठक से दूर रहेंगे। बीसीआई ने इस बैठक को बांग्लादेश में कराने का विरोध किया था क्योंकि बांग्लादेश में पिछले साल शेख हसीना सरकार के तख्तापलट के बाद से हालात ठीक नहीं है। वहीं पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) की धड़कने बढ़ी हुई हैं। इसका कारण है कि एशिया कप के रद्द होने या स्थगित होने प उसे मोट नुकसान होगा।

पीसीबी के चेयरमैन मोहसिन नकवी इस समय एसीसी के चेयरमैन हैं। ऐसे में इस टूर्नामेंट से होने वाली आय से उसे काफी फायदा होता है। इस टूर्नामेंट की अनुमानित आय लगभग 1.16 अरब पाकिस्तानी रुपये है, जो वित्तीय वर्ष के लिए उसकी कुल अनुमानित आय 8.8 अरब पाकिस्तानी रुपये का हिस्सा है। एक रिपोर्ट के अनुसार इसका एक बड़ा हिस्सा पाकिस्तान को आईसीसी वितरण से मिलता है, कई सालों से एशिया कप उनकी वित्तीय योजनाओं का एक प्रमुख आधार बना हुआ है।

पीसीबी के सीईओ सुमैर अहमद ने सिंगापुर में आईसीसी की सालाना बैठक में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया और उन्होंने ढाका की इस बैठक के लिए अन्य देशों से सहयोग मांगा था पर बीसीसीआई ने बैठक में शामिल होने से मना कर दिया था। बीसीसीआई के इस रुख का समर्थन श्रीलंका और अफगानिस्तान ने भी कर दिया है। ऐसे में अगर यह बैठक नहीं हो पाती है या इसे अमान्य घोषित कर दिया जाता है, तो इससे 10 से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले एशिया कप शायद ही हो पाये। जिसका सीधा नुकसान पीसीबी को होगा।

भारत-पाक मैच रद्द होने पर ब्रैट की संतुलित रही प्रतिक्रिया

लंदन। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्लयूसीएल) में ऑस्ट्रेलियाई चैंपियंस टीम की कप्तानी कर रहे पूर्व तेज गेंदबाज ब्रैट ली ने भारत-पाक मैच रद्द होने की स्थिति को कठिन बताया है और कहा कि वैश्विक खेलों में हमें आपसी सम्मान और समावेशिता पर जोर देना चाहिये। भारतीय खिलाड़ियों ने पहलगाम आतंकी हमले के कारण पाक के खिलाफ खेलने से इंकार कर दिया था जिससे ये मैच रद्द हो गया। वहीं ली से जब इस बारे में पूछ गया तो उन्होंने तटस्थ रुख अपनाते हुए कहा कि मुझे दोनो से ही प्यार है। इसलिए मुझे उम्मीद है कि वे इस बारे में स्वयं तय करें कि पर सबसे जरूरी बात यह है कि हम यहां एक टूर्नामेंट के लिए हैं, इसलिए समावेशी होने की जरुरत है। वहीं डब्लयूसीएल आयोजकों ने कहा कि भारत-पाकिस्तान मैच की योजना तभी बनाई गई जब यह साफ हो गया था कि पाकिस्तानी हॉकी टीम भारत का दौरा करेगी।

इंग्लैंड ने बशीर की जगह पर लियाम को शामिल किया

मैनचेस्टर। इंग्लैंड ने यहां के ओल्ड ट्रेफर्ड मैदान पर जहां बुधवार को शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम ग्याहर घोषित कर दी है। वहीं भारतीय टीम अभी तक अंतिम ग्यारह का फैसला नहीं कर पायी है। इंग्लैंड ने टीम में एक बदलाव के तहत ही स्पिनर शोएब बशीर की जगह पर लियाम डॉसन को शामिल किया है।

भारतीय टीम के अंतिम ग्यारह की घोषणा में देरी कारण कई खिलाड़ियों को चोटिल होना रहा है। ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी चोट की वजह सीरीज से ही बाहर हो गये हैं जबकि तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह भी चोट के कारण ही इस मैच से बाहर हैं। वहीं एक अन्य तेज गेंदबाज आकाश दीप भी ग्रोइन इंजरी के कारण शायद ही खेल पाये। वहीं विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत उंगली की चोट से उबर रहे हैं । वहीं इस मैच में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का खेलना तकरीबन तय नजर आ रहा है। एक से ज्यादा गेंदबाजों के चोटिल होने से कवर के तौर पर शामिल युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को इस मैच से डेब्यू का अवसर मिल सकता है हालांकि, प्रसिद्ध कृष्णा भी दावेदार हैं लेकिन सीरीज में उनका खराब प्रदर्शन उनके खिलाफ जा सकता है।

ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी के सीरीज से बाहर होने के बाद मैनचेस्टर में उनकी जगह शार्दुल ठाकुर या फिर कुलदीप यादव को मौका मिल सकता है।

क्या होता है वर्कलोड मैनेजमेंट और किस प्रकार दिया जाता है खिलाड़ी को आराम ?

मुम्बई। हाल के कुछ समय में भारतीय क्रिकेट टीम में खिलाड़ियों के वर्कलोड मैनेजमेंट (कार्यभार प्रबंधन) को लेकर कई बातें होती रही हैं। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के मामले में ये चर्चा सबसे अधिक हुई है। कार्यभार प्रबंधन का मतलब किसी खिलाड़ी को पर्याप्त आराम देना है ताकि व चोटों से बचे रहे। ये विशेषकर गेंदबाजों के लिए होता है। इसी कारण टीम प्रबंधन इंग्लैंड के खिलाफ चौथे में बुमराह का चयन केवल फिटनेस पर नहीं, बल्कि उनके वर्कलोड को ध्यान में रख कर करेगा। ये एक तय प्रक्रिया के तहत ही होता है।

वर्कलोड मैनेजमेंट का लक्ष्य खिलाड़ियों को चोटों से बचाते हुए लंबे समय तक उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तय करना है। इसमें बीसीसीआई, नेशनल क्रिकेट एकेडमी (एनसीए), चयन समिति, कोचिंग स्टाफ और कप्तान ये सभी मिलकर खिलाड़ियों के खेलने और आराम करने का कैलेंडर बनाते हैं। खासतौर पर तेज गेंदबाजों और तीनों प्रारुपों में खेलने वाले खिलाड़ियों के लिए यह और भी जरूरी हो जाता है, क्योंकि लगातार क्रिकेट खेलने से उनका शरीर जल्दी थकता है और चोट लगने का खतरा बढ़ जाता है।

बेंगलुरु स्थित एनसीए इस प्रक्रिया में प्रमुख भूमिका निभाता है। यह खिलाड़ियों की फिटनेस, रिकवरी और वर्कलोड का विस्तृत डेटा रखता है और बीसीसीआई को सुझाव देता है। साल 2023 में बोर्ड ने 20 खिलाड़ियों के एक पूल पर बनाया था जिनकी फिटनेस पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। मुख्य कोच, कप्तान और चयनकर्ता इन सुझावों के आधार पर मिलकर निर्णय लेते हैं कि कौन-सा खिलाड़ी कब खेलेगा और कब उसे आराम दिया जाएगा।

वर्कलोड मैनेजमेंट आईपीएल जैसे घरेलू टूर्नामेंटों में भी यह लागू होता है। हालांकि वहां फ्रेंचाइजी अपने स्टार खिलाड़ियों को आराम देने में कतराती हैं पर बीसीसीआई इसपर नजर रखती है। यो-यो टेस्ट और डेक्सा स्कैन जैसे फिटनेस टेस्ट को अनिवार्य करके बोर्ड खिलाड़ियों की फिटनेस सुनिश्चित करता है। बुमराह को इसी कारण इंग्लैंड सीरीज में उन्हें पांच में से केवल तीन टेस्ट खेलने को कहा गया है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में खेला है। अब मैनचेस्टर में उनके खेलने पर फैसला मैदान की स्थिति और ओवल में होने वाले अंतिम टेस्ट को ध्यान में रखकर लिया जाएगा।

बुमराह ओल्ड ट्रैफर्ड में तोड़ सकते हैं अकरम के दो विश्व रिकार्ड

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमाराह बुधवार से यहां इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में भारतीय टीम को जीत दिलाने का प्रयास करेंगे। अब तक उन्होंने इस सीरीज में अच्छी गेंदबाजी की है। उन्होंने पहले और तीसरे टेस्ट में पांच-पांच विकेट लिए थे जबकि दूसरे टेस्ट में वह नहीं खेले थे। वहीं अब मैनचेस्टर में बुमराह के पास इतिहास रचने का अवसर होगा। वह इस मैच में पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज वसीम अकरम के दो बड़े रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

इंग्लैंड में टेस्ट मैचों में एशियाई गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड अकरम के नाम है। अकरम ने इंग्लैंड में 14 टेस्ट मैचों में 53 विकेट लिए हैं जबकि बुमराह ने 49 विकेट लिए हैं। ऐसे में उन्हें अकरम के इस रिकॉर्ड को तोड़ने के लिए केवल 5 विकेट ही चाहिये।

इंग्लैंड में टेस्ट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के साथ-साथ बुमराह इस मैच में पूर्व पाक तेज गेंदबाज का एक और रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। बुमराह अगर मैनचेस्टर में 5 विकेट हॉल ले लेते हैं तो वह दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों में सबसे ज्यादा 5 विकेट लेने वाले एशियाई गेंदबाज बन जाएंगे। अभी बुमराह और अकरम के नाम 11-11 बार पांच विकेट लेने का रिकार्ड है। अकरम ने 32 मैचों में ये उपलब्धि हासिल की थी जबकि बुमराह ने अब तक 33 मैचों में 11 बार पांच विकेट लिए हैं। अब वह एक बार और पांच विकेट लेते ही अकरम को पीछे छोड़ देंगे। भारतीय टीम इस समय सीरीज में अभी 1-2 से पीछे चल रही है। ऐस में बुमराह इस मैच में जीत दिलाकर टीम को बराबरी पर लाना चाहेंगे। भारतीय टीम अगर चौथा टेस्ट मैच हार जाएगी, तो उसका सीरीज जीतने का सपना टूट जाएगा।

...तो विश्वकप और ओलंपिक में भी हमसे न खेले भारतीय टीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व सलामी बल्लेबाज सलमान बट ने पूर्व भारतीय क्रिकेटरों के वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स मुकाबले में नहीं खेलने की आलोचना करते हुए कहा है कि अब उन्हें विश्वकप और ओलंपिक में भी ऐसा ही करना चाहिये। बट ने कहा कि इस प्रकार से वे क्या संदेश देना चाहते हैं। अगर ऐसा ही करना है तो उन्हें हमारे से किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में नहीं खेलना चाहिये। यहां तक की ओलंपिक में भी नहीं। साथ ही कहा कि भारतीय खिलाड़ियों ने ये फैसला चार से पांच खिलाड़ियों के दबाव में किया है। इससे अन्य लोगों पर भी दबाव पड़ा और वे मैच से हट गये। इससे पहले पाक के ही पूर्व कप्तान शाहिद अफरीदी सहित कई खिलाड़ियों ने भी ऐसी ही बातें कहीं थीं। इससे पता चलता है कि भारतीय खिलाड़ियों के नहीं खेलने के कारण लीग रद्द होने से पाक खिलाड़ी कितने बैचेन हैं। सलमान ने जिस प्रकार किसी रिटायर्ड प्लेयर्स की लीग में खेलने की तुलना आईसीसी इवेंट से की है। उससे उनकी और भी फजीयत होना तय है। क्योंकि आईसीसी इवेंट या ओलंपिक से किसी लीग की तुलना नहीं हो सकती है। लीग में खेलना देश का प्रतिनिधित्व करना है पर उस लीग में किया गया प्रदर्शन न तो आईसीसी के आंकड़ों में आता है और न ही उसका कहीं कोई महत्व है। जहां तक मैच रद्द होने की बात है।

कंबोज को मिल सकता है डेब्यू का अवसर

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के उपकप्तान और विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत के यहां बुधवार से इंग्लैंड के खिलाफ शुरु हो रहे चौथे टेस्ट में विकेटकीपिंग करने की भी उम्मीदें बढ़ रही हैं। इस अंदाजा अभ्यास सत्र के वीडियों को देखकर लगाया जा सकता है। इसमें ऋषभ बिना किसी परेशानी के विकेटकीपिंग करते हुए दिखे हैं। भारतीय टीम इस सीरीज में अभी 1-2 से पीछे है। ऐसे में अगर इस मैच में उसे हार मिलती है तो सीरीज जीतने का अवसर उसके हाथ से निकल जाएगा। अभ्यास सत्र में युवा तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज भी शामिल हुए। उन्हें टीम में बैकअप गेंदबाज के तौर पर शामिल किया गया है क्योंकि अर्शदीप सिंह और आकाशदीप सिंह चोटिल हैं।

अभ्यास सत्र में सबकी नजरें ऋषभ पर लगी थीं। इस विकेटकीपर बल्लेबाज ने दूसरे टेस्ट के पहले दिन उंगलियों में चोट लगने के बाद लॉर्ड्स में विकेटकीपिंग नहीं की थी। वहीं पांचवें दिन बल्लेबाजी करते समय वह असहज दिखे थे। अभ्यास सत्र में उन्होंने कीपिंग ड्रिल की और बिना दर्द के एक घंटे तक बल्लेबाजी की जिससे वह चौथे टेस्ट के लिए फिट नजर आ रहे हैं।

वहीं अनकैप्ड अंशुल कंबोज को इस मैच में डेब्यू का अवसर मिल सकता है। तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने भी अभ्यास सत्र में भाग लिया जिससे उनके भी इस मैच में खेलने की संभावनाएं बन रही हैं। वहीं आकाश दीप को टीम फिजियो से नेट्स में गेंदबाजी करने की अनुमति नहीं मिली। उनका कोच मोर्ने मोर्केल की देख रेख में फिटनेस टेस्ट हुआ। ऐसे में जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज के साथ तीसरे तेज गेंदबाज के लिए प्रसिद्ध कृष्णा या अंशुल कंबोज में से किसी एक को जगह मिल सकती है।

तीन छक्के लगाते ही ऋषभ तोड़ देंगे सहवाग का रिकार्ड

मैनचेस्टर। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत अभी अपनी चोट से उबर रहे हैं पर चौथे टेस्ट में खेलने की उनकी उम्मीदें अभी समाप्त नहीं हुई हैं। अगर वह इस मैच में खेलते हैं तो एक नया रिकार्ड अपने नाम कर सकते है। वह है सबसे अधिक छक्के लगाने का। इसके लिए उन्हें तीन छक्के चाहिये। ऋषभ इस मैच में तीन छक्के लगाते ही टेस्ट क्रिकेट में भारत की ओर से वीरेंद्र सहवाग के 90 छक्कों के आंकड़े को पीछे छोड़ देंगे। यह रिकॉर्ड पिछले काफी समय से बना हुआ है। हालांकि लॉर्ड्स टेस्ट के दौरान उन्हें उंगली में चोट लगी थी, फिर भी मैनचेस्टर टेस्ट में विकेटकीपर के तौर पर उनके खेलने की पूरी उम्मीद है। भारतीय टीम इस सीरीज में पहले से ही 1-2 से पीछे हैं और ऐसे में प्रशंसक उम्मीद कर रहे हैं कि वह मैच तक फिट हो जायें। सहवाग ने 103 टेस्ट की 178 पारियों में 90 छक्के लगाए हैं। वहीं ऋषभ ने अपने करियर के 46 टेस्ट मैचों में अब तक 88 छक्के लगाये है और वह 88 छक्के लगाकर पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के साथ सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर है। उनका 74.19 का स्ट्राइक रेट मध्य क्रम में काफी अच्छा माना जाता है। वहीं सहवाग का सलामी बल्लेबाज के तौर पर स्ट्राइक रेट 82.18 था । वहीं सबसे अधिक छक्के लगाने के मामले में तीसरें नंबर पर महेन्द्र सिंह धोनी हैं। जिनके नाम 78 छक्के हैं। वहीं रविन्द्र जडेजा के नाम 72 छक्के हैं।

चौथे टेस्ट में कुलदीप को शामिल करे - हार्मिसन

मैनचेस्टर। इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज स्टीव हार्मिसन का मानना है कि भारतीय टीम को यहां होने वाले चौथे क्रिकेट टेस्ट मैच में चाइनामैन स्पिनर कुलदीप यादव को शामिल करना चाहिये हालांकि उन्होंने माना है कि टीम के पास पहले ही वाशिंगटन संदुर और रविन्द्र जडेजा जैसे स्पिनर हैं । ऐसे में कुलदीप को शामिल करने का फैसला आसान नहीं है। इसके लिए टीम को तीन स्पिनरों के साथ उतरन पड़ेगा या सुंदर और ज्रडेजा में किसी किसी एक को बाहर करना पड़ेगा पर इनके प्रदर्शन को देखते हुए ऐसा करना संभव नहीं है। बेहतरीन बल्लेबाजी को देखते हुए भी जडेजा को बाहर नहीं किया जा सकता है। उन्होंने स्वीकार किया कि पहले से ही संतुलित टीम में कुलदीप के लिए जगह बनाने का फैसला काफी कठिन होगा। हार्मिसन के अनुसार इस मैदान की पिच से मैच आगे बढ़ने के साथ स्पिन गेंदबाजी को सहायता मिलने की अधिक संभावना है। हार्मिसन ने कहा, ' विकेट से कुलदीप को शुरुआत में उछाल नहीं मिलेगा लेकिन जैसे-जैसे टेस्ट मैच आगे बढ़ेगा, इससे स्पिन गेंदबाजी को मदद मिलेगी। पिछले तीन टेस्ट मैच पांचवें दिन तक चले हैं इसलिए भारत को दूसरे या तीसरे स्पिनर के साथ खेलने पर गंभीरता से विचार करना होगा। उन्होंने कहा, 'फिलहाल उनकी टीम संतुलित है पर मेहमान टीम के कुलदीप को टीम में लाने का तरीका खोजना होगा।

बुधवार से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट से पहले इंग्लैंड पांच मैच की श्रृंखला में 2-1 से आगे है। हार्मिसन को उम्मीद है कि ओल्ड ट्रैफर्ड के हालात भी एजबेस्टन और लॉर्ड्स जैसे ही होंगे। इसमें कम स्कोर वाली, कम गति और उछाल वाली पिचें रहेंगी पर जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा तो पिच टूटेगी। हार्मिसन ने कहा, 'यहां लगभग तीन महीने से बारिश नहीं हुई है और अगर इंग्लैंड में कहीं बारिश होने वाली है तो वह मैनचेस्टर में होगी। अगर कोई ऐसा मैदान है जहां आप दो या तीन स्पिनरों के साथ खेलने पर विचार कर सकते हैं तो वह मैनचेस्टर ही है। हार्मिसन को उम्मीद है कि भारतीय टीम इससे देखते हुए अधिक स्पिनरों को खिलाने पर विचार करेगा पर उन्हें इंग्लैंड के ऐसा करने की उम्मीद कम है। उन्होंने कहा, 'इंग्लैंड टीम ऐसा रास्ता नहीं अपनाएगी, उनके पास हालांकि लियाम डॉसन हैं जैसा स्पिनर है पर भारतीय टीम तीन स्पिनर उतार सकती है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, (भवन)
लोक निर्माण विभाग, जिला जेल के सामने बालाघाट (म.प्र.)

दूरभाष :- 07632-358737 ई-मेल :- dpepiu.balaghat@mp.gov.in

जेम/2025/बी/6466744 दिनांक 21.07.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाइन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की राशि (कार्य की लागत) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू.में)	ठेकेदार/फर्म की श्रेणी	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	8	9
1	GEM/2025/B/6466744	जिला बालाघाट में आदिवासी विभाग अंतर्गत नवीन शासकीय उच्च. माध्यमिक विद्यालय मोहगांव निर्माण कार्य में स्मार्ट क्लास तथा फर्नीचर स्थापना का कार्य	बालाघाट	97.55	292664.00	शासन अंतर्गत पंजीकृत निर्माता (OEM) प्रदायकर्ता	1

1. निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// Gem Portal पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2. निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन-लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3. निविदा प्रपत्र केवल ऑन-लाईन दिनांक 22.07.2025 समय दोपहर 03:00 बजे से दिनांक 04.08.2025 समय शाम 6:00 बजे तक खरीदा जा सकेगा। सूचना व अन्य जानकारी वेबसाईट पर देखी जा सकती है।
4. निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

जी-16083/25

स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता

कार्यपालन यंत्री (भवन) 21/07/25
लोक निर्माण विभाग बालाघाट

अल्प मानदेय में नही होता गुजारा, बढ़ाया जाए मानदेय

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वर्षों से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगे पूरी न होने से ग्रामीण अंचलों में काम करने वाले पंचायत के आउटसोर्स,अस्थाई लघु वेतन,भृत्य कर्मचारियों में राज्य सरकार के प्रति भारी आक्रोश है। जहां बार-बार आवेदन निवेदन करने और आए दिनों ज्ञापन सौपने के बावजूद भी राज्य स्तर से उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं किया जा रहा है। जिसपर अपना एतराज जताते हुए इन कर्मचारियों ने भोपाल जाकर मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने की योजना बनाई है। जिन्होंने मानदेय बढ़ाने और नियमितीकरण किए जाने सहित वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर मंगलवार को कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर एक ज्ञापन सौंपा है। जहा आयोजित जनसुनवाई में सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने राज्य सरकार को मांग पूरी करने के लिए 26 जुलाई तक का अल्टीमेटम दिया है। जिन्होंने समय सीमा पर मांग पूरी न होने पर 27 जुलाई को भोपाल पहुंचकर एक महासम्मेलन का आयोजन कर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाने की चेतावनी दी है।

हमारी मांगो पर ध्यान नही दे रही सरकार

बताया गया कि राज्य भर में वर्षो से कार्यरत आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीन एवं ग्राम पंचायत कर्मचारियों की पीड़ा पर सरकार का ध्यान नही है।उनकी कही कोई सुनवाई नही की जा रही है।इसलिए ऑल डिपार्टमेंट आउटसोर्स, अस्थाई, अंशकालीन, ग्राम पंचायत कर्मचारी संयुक्त मोर्चा के बैनर तले कर्मचारियों ने कलेक्टर कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा।ज्ञापन में कर्मचारियों ने स्थायीकरण, न्यूनतम वेतन, श्रम कानूनों का पालन और ठेका प्रथा समाप्त करने जैसी कई महत्वपूर्ण मांगें उठाई। इस दौरान कर्मचारियों ने चेताया कि यदि जल्द सुनवाई नहीं हुई तो वे 27 जुलाई को भोपाल में आयोजित राज्य स्तरीय महासम्मेलन में भाग लेकर मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव करेंगे।

वेतन में भारी विसंगतियाँ, सुविधाओं से वंचित

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि कई कर्मचारी, जैसे इंजीनियर, व्यावसायिक प्रशिक्षक, आईटी स्पेशलिस्ट, मध्याह्न भोजन कार्यकर्ता आदि को केंद्र और राज्य की योजनाओं का क्रियान्वयन करने की जिम्मेदारी दी गई है, लेकिन इन्हें 8-10 हजार रुपए मासिक वेतन में काम करना पड़ता है। न तो समय पर वेतन मिलता है, न पीएफ, ईएसआई या बोनस जैसी सुविधाएं। श्रम विभाग के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद आउटसोर्स कंपनियां मनमानी करती हैं।

श्रेणी प्रमोशन और एरियर का भुगतान लंबित

ज्ञापन में मांग की गई कि आउटसोर्स कर्मचारियों को 3 वर्ष की सेवा के बाद श्रेणी प्रमोशन और वेतन वृद्धि का लाभ मिलना चाहिए, जो अब तक नहीं मिला है।साथ ही 1 अप्रैल 2024 से लागू न्यूनतम वेतन दरों का एरियर सहित भुगतान कराने की मांग भी उठाई गई है।संयुक्त मोर्चा ने बताया कि आगामी 27 जुलाई को भोपाल में होने जा रहे राज्य स्तरीय महासम्मेलन में बालाघाट जिले सहित पूरे प्रदेश के कर्मचारी भाग लेंगे। सम्मेलन के बाद मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव कर निर्णायक आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

विभाग चला रहे, फिर भी नहीं हैं सरकारी कर्मचारी

ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश के सभी सरकारी विभागों, निगम-मंडलों, बिजली कंपनियों, मेडिकल कॉलेजों, स्कूलों और ग्राम पंचायतों में लाखों की संख्या में आउटसोर्स और अस्थायी कर्मचारी कार्यरत हैं, जिनमें से कई तो 15-20 वर्षों से लगातार सेवाएं दे रहे हैं, फिर भी उन्हें स्थायीकर्मी का दर्जा नहीं दिया गया है। ये कर्मचारी तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के स्वीकृत पदों पर ही कार्य कर रहे हैं, इसके बावजूद वे वेतन, सुविधा और सम्मान से वंचित हैं।

उत्तर प्रदेश मॉडल लागू करने की मांग

ज्ञापन में सुझाव दिया गया कि मध्यप्रदेश में भी उत्तर प्रदेश की तर्ज पर आउटसोर्स सेवा निगम बोर्ड का गठन किया जाए, ताकि कंपनियों के बजाय सीधे विभाग से वेतन भुगतान की व्यवस्था हो। इससे बिचौलियों की भूमिका खत्म होगी और भ्रष्टाचार, वेतन में कटौती और देरी जैसी समस्याओं पर रोक लगेगी।

इन मांगों को लेकर सौपा ज्ञापन कर्मचारियों द्वारा स्थायीकरण हेतु लघु कैडर जारी करने, आउटसोर्स सेवा निगम बोर्ड का गठन

सभी अस्थाई व अंशकालीन कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन प्रदान करने,आउटसोर्स कंपनियों की मनमानी पर रोक लगाने,1अप्रैल 2024 से लागू न्यूनतम वेतन दरों का एरियर देने, श्रेणी प्रमोशन एवं सीधे विभाग से वेतन भुगतान की व्यवस्था करने, ठेका प्रथा समाप्त कर विभागीय संविलियन सुनिश्चित करने, उच्च शिक्षा प्राप्त कर्मचारियों को सम्मानजनक वेतन देने, पावर सेक्टर में कार्यरत कर्मचारियों को केंद्र के नियमानुसार वेतन प्रदान करने, 15-20 वर्षों से कार्यरत कर्मचारियों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिए जाने सहित अन्य मांगों को पूरी कराए जाने की गुहार लगाई है।

तो 27 को सीएम हाउस का किया जाएगा घेराव- सुंदरलाल लिल्हारे

बालाघाट ब्लॉक अध्यक्ष सुंदरलाल लिल्हारे ने बताया कि प्रदेश सरकार की नजरों में सिर्फ पंचायत सचिव और रोजगार सहायक ही कर्मचारी हैं, जबकि चौकीदार, भृत्य, पंप ऑपरेटर, रसोइया, अंशकालीन कर्मचारी, आईटी ऑपरेटर, स्वीपर, योग प्रशिक्षक जैसे लाखों कर्मचारी जमीनी स्तर पर असली काम कर रहे हैं, उन्हें पहचान और वेतन दोनों से वंचित रखा गया है। उन्होंने कहा कि ऐसे कर्मचारियों के लिए सरकार को बजट में प्रावधान करना चाहिए और स्थायीकर्मी का दर्जा देकर विभागीय संविलियन किया जाना चाहिए। वही इन कर्मचारियों का मानदेय भी बढ़ना चाहिए क्योंकि इतने अल्प मानदेय में घर चलाना मुश्किल हो रहा है इन मांगों को लेकर कई बार आवेदन निवेदन कर ज्ञापन सौपा गया है पर सरकार ने अब तक ध्यान नहीं दिया है।पिछली बार चुनाव के दौरान सरकार ने इन कर्मचारियों के लिए अनेको वादे किए थे जो आज तक पूरे नहीं हुए हैं। इसीलिए अब 27 जुलाई को प्रदेश के समस्त कर्मचारी भोपाल जाएंगे जहां एक महासम्मेलन का आयोजन कर मुख्यमंत्री आवास का घेराव किया जाएगा।

सड़क से कब्जा हटाने की मांग को लेकर वार्ड वासियों ने सौंपा ज्ञापन

नगर के वार्ड नंबर 28 स्थित उड़िया मोहल्ला का मामला

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में नगर के वार्ड नंबर 28 उड़िया मोहल्ला निवासी नागरिकों ने एक ज्ञापन सौपते हुए मोहल्ले में आने जाने वाली सड़क पर किए गए अवैध कब्जे को यथाशीघ्र हटाए जाने की मांग की है। जहां सौंपे गए इस ज्ञापन में उन्होंने एक कॉलोनीनाइजर की शिकायत करते हुए, बार बार मना करने के बावजूद सड़क पर शौचालय का टैंक बनाने और मकान का सज्जा बाहर सड़क के बाहर तक निकलने पर आपत्ति जताते हुए इस मामले में वैधानिक कार्रवाई किए जाने की गुहार लगाई है।

शासकीय सम्पति को पहुचाया जा रहा नुकसान

वार्डवासियो ने बताया कि वार्ड नंबर 28 स्थित उड़िया मोहल्ला में सार्वजनिक सीसी रोड को तोड़कर शौचालय का टैंक बनाया गया है।वही मकान का सज्जा सड़क तक लाया गया है।जिससे मोहल्ले में विवाद और आक्रोश की स्थिति उत्पन्न हो गई है।हमारी मांग है कि शासकीय संपत्ति को क्षतिग्रस्त करने वाले अनावेदक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

सड़क तोड़कर बनाया शौचालय का टैंक, बंद हुआ रास्ता

मोहल्लेवासियों ने ज्ञापन में आरोप लगाया कि अनावेदक एक ट्रस्ट से जुड़े हुए हैं, जिन्होंने वार्ड क्रमांक 28 स्नेह नगर बालाघाट स्थित अपने निवास के सामने की 5×100 फीट लंबी सीसी रोड को तोड़कर वहां शौचालय का टैंक खोद दिया है। यही नहीं उन्होंने अपने मकान का सज्जा आगे का हिस्सा भी सड़क की ओर बढ़ाकर शासकीय मार्ग को अतिक्रमण की चपेट में ला दिया है।स्थानीय निवासियों का कहना है कि उक्त रोड न केवल नगर पालिका की पक्की सीमेंट कांक्रीट सड़क है, बल्कि इसके नीचे से नगर परिषद की पाइपलाइन और ऊपर से विद्युत लाइन भी गुजरती है जो पूरे मोहल्ले को पानी और बिजली की आपूर्ति करती है।इस तरह की तोड़फोड़ से न सिर्फ सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा है, बल्कि स्थानीय लोगों के रोजमर्रा की जिंदगी में गंभीर बाधाएं उत्पन्न हो गई हैं।

कलेक्टर से की तत्काल कार्यवाही की मांग

ज्ञापन के माध्यम से मोहल्ले के सभी निवासियों ने कलेक्टर बालाघाट से मांग की है कि वे इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लें और शासकीय रोड पर किए गए अवैध निर्माण को तुरंत हटवाकर रास्ता बहाल कराएं। साथ ही संबंधित व्यक्ति के खिलाफ शासकीय संपत्ति को नुकसान पहुंचाने के लिए कानूनी कार्रवाई की जाए।

नगरपालिका व प्रशासन की भूमिका पर भी उठे सवाल

स्थानीय निवासियों ने यह भी कहा कि जिस सड़क पर पाइपलाइन और विद्युत लाइन जैसे महत्वपूर्ण संसाधन मौजूद हैं, वहां किसी व्यक्ति द्वारा तोड़फोड़ करना सीधे तौर पर प्रशासन की लापरवाही को भी दर्शाता है। सवाल यह भी उठ रहे हैं कि बिना प्रशासनिक अनुमति के सड़क को कैसे तोड़ा गया।

रास्ता बंद हुआ तो वार्ड में कैद हो जाएंगे लोग

ज्ञापन को लेकर वार्डवासी श्रीमती छाया बंसकार और लक्ष्मी मड़ावी ने संयुक्त रूप से बताया कि वे बीते कई वर्षों से इसी रास्ते से आना-जाना कर रही थीं। लेकिन अब सड़क तोड़े जाने और निर्माण कार्य के चलते उन्हें रोजमर्रा की आवाजाही में गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।महिलाओं ने कहा कि यदि यही स्थिति बनी रही और सड़क पूरी तरह बंद कर दी गई, तो पूरा वार्ड एक तरह से कैद हो जाएगा। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि अगर किसी की तबीयत खराब हो जाती है या कोई मृत्यु जैसी आपात स्थिति आ जाती है, तो शव या मरीज को बाहर ले जाना भी संभव नहीं होगा।उन्होंने स्पष्ट किया कि चाहे कुछ भी हो जाए वे आवागमन का मार्ग बंद नहीं होने देंगे।

वेतन में कटौती, आउटसोर्स कर्मचारियों ने कलेक्टर कार्यालय में सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। समय पर वेतन दिए जाने और बिना कटौती के पूर्ण वेतन का भुगतान किए जाने की मांग,जिले भर के संदीपनी(सीएम राईज) विद्यालय में काम करने वाले आउटसोर्स कर्मचारी ने की है। कर्मचारियों ने मांग की है कि वेतन में की जा रही मनमानी कटौती को रोका जाए और समय पर पूर्ण भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे अपने परिवार का भरण-पोषण ठीक से कर सकें। अपनी इसी मांग को लेकर जिले के विभिन्न ब्लॉकों में संचालित संदीपनी (सीएम राइज) विद्यालयों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारियों ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौपा है। जिसमें उन्होंने वेतन में की गई कटौती को वापस दिलाने, जीएसटी, कंपनी चार्ज सहित अन्य प्रकार कि,की जा रही मनमानी कटौती को बंद किए जाने की मांग की है।

वेतन में 3,500 रुपए की कटौती

कर्मचारियों ने बताया कि पहले उनकी नियुक्ति एम.पी. कॉर्न कंपनी के माध्यम से हुई थी, जिसके तहत मार्च माह में उन्हें 12,315 रूपये का वेतन उनके खातों में प्राप्त हुआ था। लेकिन अप्रैल माह में कंपनी बदलकर सेडमेप हो गई, जिसके माध्यम से उन्हें मात्र 8,816 रूपये का वेतन दिया गया।इस प्रकार वेतन में लगभग 3,500 रूपये की कटौती की गई, जबकि उन्होंने पूरे दिन कार्य किया था।कर्मचारियों ने सवाल उठाया कि बिना पूर्व सूचना या स्पष्टीकरण के इतनी बड़ी राशि क्यों काटी गई।

100 से अधिक कर्मचारी हुए पर प्रभावित

बताया गया कि जिले भर में करीब 10 संदीपनी स्कूलों में 100 से अधिक कर्मचारी पदस्थ है।सभी के वेतन में कटौती की गई है।जिससे सभी कर्मचारी प्रभावित हुए है।कर्मचारी लोकेंद्र बिसेन सहित अन्य ने बताया कि जिले के 10 सांदीपनि विद्यालयों में प्रति विद्यालय में लगभग 10 से 12 कर्मचारी पदस्थ है।सभी विद्यालय के कर्मचारी इस कटौती से प्रभावित हुए हैं। सभी कर्मचारी शिक्षा विभाग के अंतर्गत आउटसोर्स माध्यम से सेवाएं दे रहे हैं।

समय पर भुगतान और जांच की मांग

कर्मचारियों ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि उनके वेतन भुगतान में की गई कटौती की निष्पक्ष जांच कराई जाए और भविष्य में समय पर पूरा वेतन मिले। साथ ही उन्होंने अनुरोध किया है कि जब तक कटौती का कारण स्पष्ट नहीं होता, तब तक ऐसी कोई कार्रवाई न की जाए जिससे उनका जीवन यापन संकट में पड़े।कलेक्टर को सौंपे गए ज्ञापन में कर्मचारियों ने आग्रह किया कि इस गंभीर समस्या को गंभीरता से लेकर शीघ्र समाधान निकाला जाए।

घर चलाना हुआ मुश्किल-लोकेंद्र बिसेन

उक्त मांग को लेकर अन्य आउटसोर्स कर्मचारियो के साथ कलेक्टर कार्यालय पहुंचे कर्मचारी लोकेश बिसेन ने बताया कि, नई कंपनी द्वारा पेमेंट काटा जा रहा है। जिसके चलते हमें आर्थिक व मानसिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हमारा घर की जरूरते पूरी नहीं हो पा रही है। यह समझ नहीं आ रहा है कि इतनी महंगाई में हम घर कैसे चलाएं वर्तमान समय में बढ़ती महंगाई के बीच इतनी कम राशि में परिवार का संचालन करना अत्यंत कठिन है। वेतन में अचानक इतनी बड़ी कटौती से उनके सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है।

सर्व राजस्थानी महिला मंडल का सावन तीज महोत्सव सम्पन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। मंगलवार को भटेरा रोड स्थित एक होटल में सर्व राजस्थानी महिला मंडल द्वारा सामूहिक रूप से सावन तीज महोत्सव का आयोजन किया।जिसमें सर्व राजस्थानी समाज के सभी महिला मंडल की समस्त पदाधिकारी सदस्य, अन्य महिलाएं व बच्चे शामिल हुए। आयोजन के दौरान विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता और खेल का आयोजन किया गया। जिसमें सर्व राजस्थानी समाज के ब्राह्मण समाज, महेश्वरी समाज, खाती समाज, सोनी समाज ,और राज पुरोहित समाज की सभी महिलाओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों और खेलकूद प्रतियोगिता में बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।जहां सांस्कृतिक कार्यक्रम में पायल शर्मा, शारदा शर्मा ,उमा शर्मा, भावना राजपुरोहित ,शिल्पा पुरोहित, रिया शर्मा, चंचल शर्मा ,राशि बोथरा आदि ने अपनी प्रस्तुति दी।तो वही बच्चों में तुनिशा शर्मा, दुर्वाशा शर्मा, परि राजपुरोहित, निकिता टांक, योगिता टांक, अदिति शर्मा और पूजा सोनी आदि ने शानदार प्रस्तुति दी। जहां मंच का संचालन कार्यकारिणी समिति पदाधिकारी श्रीमती शिल्पा पुरोहित और रिया शर्मा द्वारा किया गया। आयोजित कार्यक्रम के दौरान सर्व राजस्थानी महिला मंडल अध्यक्ष श्रीमती ज्योति जुगल शर्मा, उपाध्यक्ष मनोरमा महेश्वरी, सचिव पूजा शर्मा, कोषाध्यक्ष किरण सोनी, सह कोषाध्यक्ष रीना शर्मा सहित अन्य कार्यकारिणी पदाधिकारी सदस्यो के अलावा वारासिवनी और लालबर्रा से आई सामाजिक महिलाएं व बच्चे भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। आयोजित कार्यक्रम के अंत में प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों का सम्मान किया गया। जहां प्रतियोगिता के समापन पर खेल ,सांस्कृतिक और सौंदर्य प्रतियोगिता में विजय प्रतिभागियों को सम्मान पत्र के साथ साथ विभिन्न ईनाम वितरित किए गए। वहीं कार्यक्रम के अंत में सभी महिलाओं ने सामूहिक रूप से सुरुचि भोज का आनंद लेकर कार्यक्रम का समापन किया।

सिप्ला हेल्थ ने अस्टाबेरी के कैंपेन 'गेट द रिच लुक' के ज़रिए असली ज़िंदगी की कहानियों को हल्के-फुल्के और मनोरंजक अंदाज़ में पेश किया

गुरुग्राम। वेलनेस कैटेगरी की अग्रणी कंपनी सिप्ला हेल्थ ने अपने ब्यूटी और पर्सनल केयर ब्रांड एस्टाबेरी के नवीनतम कैंपेन 'गेट द रिच लुक' की घोषणा की है। 'रिच लुक' का मतलब है ऐसी मुलायम और स्वस्थ त्वचा जो बिना किसी मेकअप या फिल्टर के स्वाभाविक रूप से दमकती है और रोजमर्रा की ज़िंदगी में आत्मविश्वास को निखारती है।

प्रकृति से प्रेरित और भारत की महिलाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया यह कैंपेन, स्वाभाविक रूप से दमकती, सेहतमंद त्वचा का उत्सव है — जो महिलाओं को जीवन के हर मोड़ पर आत्मविश्वास से आगे बढ़ने की ताक़त देता है। उपभोक्ताओं द्वारा साझा की गई असली कहानियों से प्रेरणा लेते हुए, इस फिल्म में दिखाया गया है कि एस्टाबेरी के सरल और प्रभावशाली स्किनकेयर समाधान महिलाओं को स्वाभाविक रूप से दमकता हुआ 'रिच लुक' हासिल करने में कैसे मदद कर सकते हैं।

यह फिल्म हल्के-फुल्के और सच्चे अंदाज़ में जीवन के उन परिचित पलों को आकर्षक ढंग से दर्शाती है, जहां एक मामूली से ब्यूटी अपग्रेड से कोई महिला अपना लुक बेहतर बना सकती है— चाहे वह किसी नए व्यक्ति से मिलना हो, किसी खास मौके की तैयारी करना हो, या फिर काम पर जाना हो।

इस कैंपेन के बारे में बताते हुए सिप्ला हेल्थ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और सीईओ, श्री शिवम पुरी ने कहा, सिप्ला हेल्थ में हमारा उद्देश्य ऐसे समाधान प्रदान करना है जो प्रभावी हों, सुलभ हों और उपभोक्ताओं की ज़िंदगी में आसानी से समा जाएँ। यह कैंपेन उपभोक्ताओं की वास्तविक सोच से गहराई से जुड़ा है और उस सहज आत्मविश्वास को नए अंदाज़ में सामने लाता है, जो स्वाभाविक रूप से दमकती त्वचा के साथ आता है। एस्टाबेरी हमेशा से नेचर-पावर्ड स्किनकेयर का प्रतीक रहा है — जो भरोसेमंद, किफायती है और हर स्किन टाइप के लिए डिज़ाइन किया गया है। जैसे-जैसे ब्यूटी और पर्सनल केयर मार्केट तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, खासकर मेट्रो शहरों के बाहर, यह फिल्म पूरे भारत की महिलाओं की बदलती आकांक्षाओं को पूरा करने के हमारे संकल्प को और मज़बूत करती है।

एस्टाबेरी, जिसकी 16 से अधिक वर्षों की विरासत है, 10 से ज्यादा कैटेगरीज़ और 250 से अधिक प्रोडक्ट्स के साथ एक व्यापक स्किनकेयर पोर्टफोलियो पेश करता है। हेयर रिमूवल क्रीम्स और फेस वॉश से लेकर सीरम, सन प्रोटेक्शन और फेशियल किट्स तक — हर प्रोडक्ट को पपाया, रेड ग्रेप्स, स्ट्रॉबेरी, लिकोरिस, मुलबरी और रोज़ जैसे प्राकृतिक तत्वों से समृद्ध बनाया गया है। इन फ़ॉर्मूलेशन्स को सभी प्रकार की त्वचा को ध्यान में रखकर बड़ी सोच-समझ के साथ तैयार किया गया है, जिससे उपभोक्ताओं को आधुनिक ज़रूरतों और उम्मीदों के अनुसार भरोसेमंद, असरदार और किफायती स्किनकेयर मिल सके।

सिप्ला हेल्थ लिमिटेड के बारे में

सिप्ला हेल्थ लिमिटेड, सिप्ला की फास्ट-मूविंग वेलनेस गुड्स (FMWG) शाखा है, जिसे भारत में वेलनेस वेव का नेतृत्व करने के उद्देश्य से 2015 में शामिल किया गया था। सिप्ला हेल्थ ने तेजी से विकास किया है और आज 20 ब्रांडों के विविध पोर्टफोलियो में काम करता है, जिनमें से अधिकांश प्रमुख ब्रांड अपनी-अपनी श्रेणियों में नंबर 1 या नंबर 2 हैं। पोर्टफोलियो में दर्द निवारण (ओमनीजेल), धूम्रपान निवारण (निकोटेक्स), ओरल रिहाइड्रेशन सॉल्यूशन (प्रोलाइट), औषधीय मलहम (Cipladine), खांसी और जुकाम (कोफसिल्स और नेसेलिन), मल्टी विटामिन (मैक्सिरिच), वजन बढ़ाने वाले (एंड्रा मास) और पर्सनल केयर (रिवेला डर्मासाइंस, सीटाफ्रेश, दुगैन एसेंशियल) के उत्पाद शामिल हैं।

सीयूसीएआई की राष्ट्रीय बैठक में शामिल हुई आयोग मित्र फिरोजा खान

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कॉन्फेडरेशन ऑफ यूनेस्को क्लब्स एंड एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीयूसीएआई) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक दिल्ली नोएडा स्थित एक होटल में आयोजित की गई। इस बैठक में शामिल हुई, जिले की आयोग मित्र फिरोजा खान ने बताया कि इस बैठक में यूनेस्को से जुड़े कई मुद्दों पर राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्यों ने गहनता से विचार विमर्श किया। साथ ही उपस्थित सदस्यों की सर्वसहमति से(सीयूसीएआई) का नाम बदलकर अब इंडियन फेडरेशन ऑफ क्लब्स एंड एसोसिएशन फॉर यूनेस्को (आईएफसीएयू) करने का निर्णय लिया गया।बैठक में आगे के कार्यक्रमों को लेकर भी विचार विमर्श किया गया। इस राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में राष्ट्रीय जनरल सेक्रेटरी योगेश कुलश्रेष्ठ, कोषाध्यक्ष राजीव कुलश्रेष्ठ, शशि भदोरिया(नोएडा), गोपाल लाल माली, दिनेश कुमार जैन (राजस्थान,भीलवाड़ा) गोकाराम (आंध्र प्रदेश), सुमन शर्मा (पंजाब,भटिंडा) ममता चारण (चित्तौड़गढ़), फिरोजा खान (मध्य प्रदेश) नितिन गादेवार,अशोक कुमार कारता (महाराष्ट्र), हरीश कुमार शर्मा (उत्तर प्रदेश) राजा गोविंदा धर्मापुरी (तेलंगाना) नागाराजू (कर्नाटक बैंगलोर) दीप्ति शर्मा (दिल्ली) बलेसिना डेनियल (बैंगलोर) सत्यप्रकाश (आगरा) अमीरका सिंह (उड़ीसा) सहित कई सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

लव जिहाद पर जल्द बनाया जाए कानून

पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ ने सौपा ज्ञापन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। देश के विभिन्न राज्यों से समय-समय पर निकलकर सामने आ रहे लव जिहाद के मामलों पर अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ द्वारा संपूर्ण राष्ट्र में मंगलवार को एक ज्ञापन सौपा गया है।जिसमे संघ द्वारा लव जिहाद पर जल्द से जल्द सख्त कानून बनाए जाने की मांग की गई है। जिसमें उन्होंने जल्द ही कोई सख्त कानून बनाकर उसे लागू करने और उस कानून में तीन माह के भीतर दोषी को फांसी की सजा दिए जाने का प्रावधान रखने की बात का उल्लेख किया है।तो वहीं उन्होंने इस मांग को पूरी करने के लिए प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपते हुए इस कानून को जल्द से जल्द लागू कराने की गुहार लगाई है। इसी कड़ी में पुलिस विभाग एवं पुलिस परिवार कल्याण संघ जिला बालाघाट द्वारा मंगलवार को कलेक्ट्रेट कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में एक ज्ञापन सौंपते हुए उक्त मांगों को जल्द से जल्द पूरा किए जाने की गुहार लगाई गई है। जिसमें उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में पिछले दिनों आए लव जिहाद के मामलों को बताते हुए इन मामलों की रोकथाम के लिए यथाशीघ्र कानून बनाकर उसे अमल में लाने की बात कही।ज्ञापन को लेकर की गई चर्चा के दौरान पुलिस कल्याण परिवार कल्याण संघ जिला अध्यक्ष महेश शरणागत ने बताया कि आज लव जिहाद मामलों को लेकर कानून बनाए जाने की मांग को लेकर ज्ञापन सौपा गया है।हमारी मांग है कि लव जिहाद के खिलाफ सख्त कानून बनाया जाए और उसमे 90 दिनों के भीतर दोषी को फांसी की सजा देने का प्रावधान रखा जाए। उन्होंने बताया कि हमारे हिंदू समाज की बहन बेटियों को अन्य धर्म के लोग अपना धर्म छुपाकर या धर्म बदलकर उन्हें प्रेम जाल में फसाते हैं। उन्हें बहला फुसलाकर उनसे शादी करते हैं और शारीरिक शोषण करने के बाद उनकी हत्या कर देते हैं। हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं जिसके लिए देश में ठोस कानून की जरूरत है। इसीलिए संघ द्वारा लव जिहाद पर सख्त कानून बनाए जाने की मांग की जा रही है। हमारी मांग है कि इस कानून में दोषी को 03 माह के भीतर फांसी की सजा दिए जाने का प्रावधान रखा जाए।

जिला अस्पताल के ट्रामा सेंटर में प्रसव नहीं कराने पर आधा दर्जन से अधिक गर्भवती महिलाओं ने प्राइवेट अस्पताल में कराया प्रसव

ड्यूटी के दौरान एक चिकित्सक पर टिका है यह ट्रामा सेंटर, इस अव्यवस्था के लिए प्रबंधन जिम्मेदार

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शासकीय अस्पतालों में प्रसव कराने पर प्रसूति महिलाओं को मध्यप्रदेश शासन की कई जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिया जाता है किंतु इस योजना के लाभ को धता बताते हुए शहिद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल से आधा दर्जन से अधिक गर्भवती महिलाओ को नगर के प्राइवेट अस्पताल जाकर प्रसव कराने बाध्य होना पड़ा। इस शासकीय अस्पताल में यह कोई पहला अवसर नहीं है। इस शासकीय अस्पताल में ऐसा आये दिन होते रहता है। अस्पताल में प्रसव कराने आई गर्भवती महिलाये इस अस्पताल में दो, तीन दिन तक भर्ती रहने के बाद भी चिकित्सक द्वारा कोई ध्यान नही दिया जाता और उन्हें मजबूरी में नगर के प्राइवेट अस्पतालों की शरण लेनी पड़ती है।कुछ ऐसी भी गर्भवती महिलाये रहती है जो इस अस्पताल में भर्ती होने पर प्रसव पीड़ा से तड़पती रहती और यहां के चिकित्सक ऐसी गर्भवती महिलाओं को नजर अंदाज कर देते हैं जिसके कारण मजबूरी में ऐसी भी गर्भवती महिलाओ को उसके परिजनों को प्राइवेट अस्पताल ले जाना पड़ता है। पिछले दो दिनों के भीतर शहिद भगत सिंह शासकीय जिला अस्पताल बालाघाट के ट्रामा सेंटर में प्रसव के लिए भर्ती आधा दर्जन से अधिक गर्भवती महिलाओं को यह अस्पताल छोड़ना पड़ा।गर्भवती महिलाओं को उनके परिजनों ने नगर के प्राइवेट अस्पताल में ले जाकर महंगे दाम पर प्रसव कराए।

ऑपरेशन का बोझ एक ही महिला चिकित्सक पर

दिन और रात में एक ही महिला डॉक्टर की ऑपरेशन की जिम्मेदारी रहती है। जो की पर्यास नहीं है। शहीद भगत सिंह जिला अस्पताल जिले का एक बड़ा शासकीय अस्पताल होने के कारण यहां जिले की गर्भवती महिलाओं को परिस्थिति के अनुसार भर्ती किया जाता है। इस स्थिति को देखते हुए ट्रामा सेंटर में कम से कम 2 से 3 महिला चिकित्सक का होना अति आवश्यक है। इस अव्यवस्था के लिए यहा का प्रबंधन जिम्मेदार है । प्रबंधन को इस ओर ध्यान देना चाहिए।

प्राइवेट अस्पताल में लिया जा रहा है 30 से 35 हजार रुपए

इन दिनों नगर के प्राइवेट अस्पतालों में ऑपरेशन के लिए 30 से 35 हजार रुपए तक लेते है। किंतु जिला अस्पताल में यही ऑपरेशन निशुल्क होता है और यहां प्रसव कराने वाली महिलाओं को शासन की योजनाओं का लाभ भी मिलता है। किंतु यहां के प्रबंधन द्वारा इस ओर ध्यान नहीं देने की वजह से यहा से गर्भवती महिलाओं को प्रसव के अभाव में मजबूरी में निजी अस्पताल की शरण लेनी पड़ती है। और महंगे दामों पर अपना प्रसव कराने बाध्य होना पड़ता है।

इन महिलाओं ने कराया प्राइवेट अस्पताल में प्रसव

इन महिलाओं में कविता पति आकाश टेकाम कटंगी निवासी को 19 जुलाई को

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कटंगी से जिला अस्पताल भिजवाया गया था किंतु यह गर्भवती महिला का प्रसव दो दिन बाद भी नहीं होने पर 21 जुलाई को यह महिला ट्रामा सेंटर से बिना बताए चली गई। इस गर्भवती महिला का प्रसव नगर के बारेप्राइवेट हॉस्पिटल में किया गया है। सागर पति प्रदीप तुमम्ने 25 वर्ष वार्ड नंबर 10 वारासिवनी को 20 जुलाई को ट्रामा सेंटर में प्रसव के लिए भर्ती किया गया था। किंतु यहा प्रसव नहीं होने पर 21 जुलाई को यह गर्भवती महिला चली गई। वर्षा पति चंचल चौहान 27 वर्ष वार्ड नंबर 15 देवठाना कटंगी निवासी को 18 जुलाई को इस ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया था किंतु 3 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद भी प्रसव नहीं कराने पर 21 जुलाई को इस इस गर्भवती महिला को उसके परिजनों ने नगर के प्राइवेट अस्पताल में ले जाकर उसका प्रसव करवाये।रहेला अली पति इखलाक अली 26 वर्ष गणेशपुर लालबर्रा निवासी को 20 जुलाई को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया था किंतु दर्द से तड़पती इस महिला की और ध्यान नहीं दिया गया और आखिरकार इस महिला को उसके परिजनों को नगर के एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाने मजबूर होना पड़ा। इसी प्रकार गंगा पति लोकेश बाहे 26 वर्ष ग्राम मुरी किरनापुर निवासी को 20 जुलाई को इस ट्रामा सेंटर में भर्ती किया गया था। किंतु प्रसव नहीं कराए जाने पर इस गर्भवती महिला को भी प्राइवेट अस्पताल की शरण लेनी पड़ी। राजेश्वरी पति राजू गेरवे 21 वर्ष ग्राम पिपरटोला बिरसा निवासी को रविवार 21 जुलाई को सुबह 5:00 बजे भर्ती किए थे इस महिला की हालत खराब थी और बिगड़ते जा रही थी किंतु ऑपरेशन नहीं हो पाया और मजबूर होकर इस महिला को नगर के प्राइवेट अस्पताल ले जाना पड़ा। शहिद शासकीय जिला अस्पताल बालाघाट के ट्रामा सेंटर में प्रसव करने आई कई गर्भवती महिलाओं को यहां के प्रबंधन द्वारा ध्यान नहीं देने के कारण उन्हें प्राइवेट अस्पताल में जाकर प्रसव कराने पड़ते हैं। भले ही मध्य प्रदेश शासन शासकीय अस्पतालों में प्रसव कराने पर महिलाओं को कई जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ दे रही है किंतु ऐसी गर्भवती महिलाएं इन योजनाओं के लालच में खतरा उठाना नहीं चाहते।

पत्नी की हालत बिगड़ते जा रही थी ध्यान नहीं दिया जा रहा था- राजू गेरवे

बिरसा जिले के बिरसा क्षेत्र के ग्राम पिपर टोला निवासी राजू गैरवे ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ को बताएं कि रविवार को सुबह 5:00 बजे उन्होंने अपनी पत्नी राजेश्वरी को प्रसव हेतु जिला अस्पताल में भर्ती किए थे। दोपहर 3:00 बजे तक देखें किंतु यहां के चिकित्सकों ने कोई ध्यान नहीं दिए। पत्नी की हालत बिगड़ते जा रही थी और यहां के कर्मचारी बोलने लगे कि 8,9 बजे बजे ऑपरेशन होगा तब उन्हें अपनी पत्नी को मजबूर हो करके प्राइवेट अस्पताल में ले जाना पड़ा।

वारासिवनी में प्रसव करवाये- मिथुन खरे

मिथुन खरे ग्राम बोरी लालबर्रा निवासी ने पद्मेश न्यूज़ को बताएं कि 17 जुलाई को उन्होंने अपनी पत्नी महिमा खरे को जिला अस्पताल में भर्ती किया था किंतु 19 जुलाई तक प्रसव नहीं हुआ और उन्होंने पत्नी को घर ला लिए 21 जुलाई को उन्होंने वारासिवनी में पत्नी का प्रसव करवाए।

जिला अस्पताल में प्रसव के लिए समय अधिक लग रहा था तब उन्होंने पत्नि को प्राइवेट अस्पताल ले गए -इखलाक अली

इखलाक अली गणेशपुर लालबर्रा निवासी ने पद्मेश न्यूज़ को दूरभाष पर बताएं कि शनिवार को पत्नी का प्रसव करवाने के लिए जिला अस्पताल ले गए थे किंतु यहां पर समय अधिक लग रहा था और पत्नी को लेबर पेन अधिक हो रहा था तब उन्होंने मजबूर होकर पत्नी का नगर के प्राइवेट अस्पताल में ले जाकर प्रसव करवाये।

डॉक्टर नहीं है प्राइवेट अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई थी-प्रदीप तुमन्ने

प्रदीप तुमन्ने वार्ड नंबर 10 वारासिवनी निवासी ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ को बताएं कि उन्होंने रविवार को 12:00 बजे पत्नी को भर्ती किया करवाया था किंतु वहां के कर्मचारीयो ने बताये कि अभी डॉक्टर नहीं है और उन्होंने पत्नी को प्राइवेट अस्पताल ले जाने की सलाह दी थी। पत्नी को अधिक परेशानी दर्द हो रहा था तब उन्होंने मजबूर होकर के सोमवार को पत्नी को प्राइवेट अस्पताल में ले जाकर प्रसव करवाये।

यह मामला मेरे संज्ञान में है, जांच की जा रही है- सीएमएचओ परेश उपलप

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी परेश उपलप ने दूरभाष पर पद्मेश न्यूज़ को बताये की यह मामला मेरे संज्ञान में है अभी तक 10 गर्भवती महिलाएं अस्पताल से बिना बताए चली गई है। जिसकी जांच की जा रही है।जांच में जो भी तथ्य आएंगे सम्बंधित पर कार्रवाई की जाएगी।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले के 06 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलंबित

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग के अधिकारियों द्वारा की गई जांच में औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम का उल्लंघन एवं अनियमितता पाये जाने पर जिले के 06 मेडिकल स्टोर्स के लायसेंस तत्काल प्रभाव से एक निश्चित अवधि के लिए निलंबित कर दिये गये हैं। लायसेंस निलंबित होने के बाद इन मेडिकल स्टोर्स से औषधियों का क्रय-विक्रय प्रतिबंधित रहेगा।

कलेक्टर मृणाल मीना के निर्देश पर पदेन उपसंचालक खाद्य एवं औषधि प्रशासन डॉ. परेश उपलप के मार्गदर्शन में जिले के मेडिकल स्टोर्स एवं दवा दुकानों का सतत निरीक्षण किया जा रहा है। औषधि निरीक्षक द्वारा बताया गया है कि औषधि विक्रय संस्थानों के औचक निरीक्षण के दौरान इन दवा दुकानों में औषधियों के क्रय विक्रय दस्तावेजों का मिलान नहीं होना, अवसान तिथि बीत चुकी दवाइयों का नियमानुसार संधारण नहीं किया जाना, योग्य व्यक्ति की अनुपस्थिति और कोल्ड स्टोरेज में संधारित की जाने वाली औषधियों का संधारण उचित तापमान पर नहीं करना जैसी अनियमितताएं पाई गई। जिसके कारण मैसर्स मिलन मेडीकल लांजी का लाइसेंस 07 दिवस के लिए, मैसर्स श्री कृष्णा मेडिकल स्टोर्स बालाघाट का लाइसेंस 04 दिवस के लिए, मैसर्स प्रियंका फार्मेसी लांजी का लाइसेंस 05 दिवस के लिए, मैसर्स लक्ष्मी मेडिकल स्टोर्स लांजी का लाइसेंस 05 दिवस के लिए, मैसर्स सन्मति मेडिकल एंड जनरल स्टोर बालाघाट का लाइसेंस 02 दिवस के लिए और मैसर्स जय श्री मेडिकल स्टोर्स बालाघाट का लाइसेंस 02 दिवस के लिए निलंबित किया गया है। निलंबन आदेश के पश्चात इन मेडिकल स्टोरों द्वारा औषधि के क्रय अथवा विक्रय को पूर्णत: अवैधानिक माना जाएगा और यह कृत्य प्रशासनिक/न्यायालयीन कार्यवाही किये जाने योग्य होगा। औषधि निरीक्षक स्वपनिल सिंह एवं जयप्रकाश कुमार द्वारा दवा दुकानों का निरीक्षण किया गया है। बालाघाट जिले के समस्त दवा व्यापारियों को निर्देशित किया गया है कि दुकान संचालन के दौरान औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम का पालन करना सुनिश्चित करें।

आवश्यकता है
संस्थान में कार्य हेतु लड़कों की आवश्यकता है
- संपर्क करें -
पद्मेश सिटी केबल
काली पुतली चौक के समीप, बालाघाट

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट